@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 23 मई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 192 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति और स्वास्थ्य मंत्री से मिले सीएम सुक्खू

शिमला, 22 मई। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से भेंट की। बैठक के दौरान किशाऊ बांध के वित्तपोषण संबंधी मुद्दे पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने किशाऊ जल विद्युत परियोजना में प्रदेश के अधिकारों और हितों को ध्यान में रखने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार या किशाऊ परियोजना के मुख्य लाभार्थी राज्य दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को इस परियोजना की पूरी लागत वहन करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि रेणुका बांध परियोजना में स्थानीय क्षेत्र विकास निधि और निशुल्क बिजली घटक के मामलों पर विचार किया जाना चाहिए। परियोजनाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि जल विद्युत परियोजनाएं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। परियोजनाओं के दृष्टिगत पर्यावरणीय और सामाजिक मूल्यों का भी ध्यान रखते हुए राज्य को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से जल जीवन मिशन के तहत लंबित राशि को शीघ्र जारी करने का आग्रह किया। सीआर पाटिल ने राज्य को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह, आवासीय आयुक्त मीरा मोहंती तथा मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने बीबीएमबी में हिमाचल से स्थायी सदस्य की नियुक्ति का किया अनुरोध मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नई दिल्ली में केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भेंट कर हिमाचल प्रदेश के हितों से जु? कई अहम मुद्दे उठाए। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) द्वारा संचालित जलविद्युत परियोजनाओं में राज्य की मुफ्त बिजली हिस्सेदारी ब ?ाने का आग्रह किया, खासकर उन परियोजनाओं में जहां लागत पहले ही वसूल की जा चुकी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है

मोदी का दिमाग ठंडा है लेकिन अब नसों में बह रहा गर्म सिंदूर: पीएम

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

जयपुर/बीकानेर, 22 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राजस्थान के बीकानेर जिले के दौरे पर रहे। पाकिस्तान पर भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह उनका पहला राजस्थान दौरा रहा। इस दौरान उन्होंने 26 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। साथ ही देश के 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। इन सभी रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया गया था। अपने दौरे के दौरान पीएम मोदी ने सभा को भी संबोधित किया, इस दौरान उन्होंने आतंकवादी देश पाकिस्तान पर भी तगड़ा प्रहार किया। पीएम मोदी ने कहा- मेरी नसों में अब गरम लहू नहीं, सिंदूर बह रहा है। हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान को भारत के पानी का हक नहीं मिलेगा, यह हमारा संकल्प है। कोई भी ताकत इस संकल्प को रोक नहीं सकती। आइए, अब सिलसिलेवार तरीके से जानते हैं पीएम मोदी के भाषण की बड़ी बातें... पीएम मोदी ने कहा- एक ओर हम सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कर रहे हैं, वहीं नदियों को जोड़ने का कार्य भी कर रहे हैं। इससे यहां की धरती और किसानों को लाभ मिलेगा। राजस्थान की वीर भूमि हमें सिखाती है कि देश और देशवासियों से बढ़कर कुछ नहीं है। 22 तारीख को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर मांग का सिंदूर उजाड़ दिया था। गोलियां पहलगाम में चली थीं, लेकिन वे गोलियां 140 करोड़ देशवासियों के सीने को छलनी कर गई थीं। इसके बाद देश ने संकल्प लिया कि आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे। आज हमारी सेना के शौर्य से हम उस प्रण पर खरे उतरे हैं। हमारी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दी थी। तीनों सेनाओं ने मिलकर ऐसा चक्रव्यूह रचा कि पाकिस्तान को घुटनों पर आना पड़ा। पीएम मोदी ने पाकिस्तान पर प्रहार करते हुए कहा- हमने 22 मिनट में आतंकियों के नौ सबसे बड़े ठिकाने नष्ट कर दिए। जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो उसका नतीजा क्या होता है, यह पाकिस्तान को बता दिया गया है। साथियों, यह संयोग ही है कि पांच

साल पहले जब बालाकोट में एयर स्ट्राइक हुई थी, तब मेरी पहली जनसभा राजस्थान में हुई थी। यह वीर भूमि का प्रभाव ही है कि ऐसा संयोग फिर बना है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब मेरी पहली जनसभा बीकानेर में हो रही है। पीएम मोदी ने कहा कि एयर स्ट्राइक के बाद चूरू में मैंने कहा था- शपथ है मुझे इस मिट्टी की कि मैं देश को मिटने नहीं दूंगा, देश झुकने नहीं दूंगा...। आज मैं राजस्थान की धरती से देशवासियों से बड़ी नम्रता के साथ कहना चाहता हूं कि देश के कोने-कोने में तिरंगा यात्राओं का हुजूम उमड़ पड़ा है। जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें हमने मिट्टी में मिला दिया है। जो हिंदुस्तान का लहू बहाते थे, आज उनसे एक-एक कतरे का हिसाब चुकाया गया है। जो सोचते थे कि भारत चुप रहेगा, आज वे अपने घरों में दुबके बैठे हैं। जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे, आज वे मलबे के ढेर में दबे पड़े हैं। पीएम मोदी ने कहा- यह प्रतिशोध नहीं, बल्कि न्याय का नया स्वरूप है। यह ऑपरेशन सिंदूर है। यह आक्रोश नहीं, समर्थ भारत का रौद्र रूप है। यह भारत का नया स्वरूप है। पहले घर में घुसकर हमला किया था, अब सीधा सीने पर प्रहार किया गया है।

प्रधानमंत्री ने दुनिया को बताया आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेंगे: उपराष्ट्रपति

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

पणजी, 22 मई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की। गोवा राजभवन के वामन वृक्षकला उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पड़ोसियों और पूरी दुनिया को बता दिया है कि आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आतंकवादियों का पता लगाया जाएगा और उन्हें दंडित किया जाएगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत अब बहुत अलग है। भारत आत्मविश्वास से भरा और साहसी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल हमारे कठिन पड़ोसियों को बल्कि पूरे वैश्विक समुदाय को यह संदेश दिया है कि आतंकवाद को न केवल बर्दाश्त किया जाएगा, बल्कि इससे भी आगे बढ़कर

आतंकवादियों को दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आतंकवादी जहां भी हों, उन्हें ढूंढ़ निकाला जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर की जरूरत थी और यह जारी है। इसे पूरा करने के लिए हमें अपने प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता को सलाम करना चाहिए। दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की ताकत को स्वीकार किया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान निशाना सटीक, गणनापूर्ण और मापा गया था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि किसी ने सबूत नहीं मांगा क्योंकि जब ताबूत ले जाए गए तो पाकिस्तानी सेना मौजूद थी, आतंकवादी मौजूद थे, पाकिस्तान की सरकार मौजूद थी। इसलिए देश को गौरवान्वित करने के लिए हमारे सशस्त्र बलों को सलाम। इससे पहले उपराष्ट्रपति ने वामन वृक्षकला उद्यान में प्राचीन भारतीय चिकित्सक चरक और सुश्रुत की कांस्य प्रतिमाओं का अनावरण किया। इस अवसर पर राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, केंद्रीय विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दामोदर नाइक भी मौजूद रहे। भाजपा के उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि किसानों को कृषि उपज को बेचने और मूल्य संवर्धन में पूरी तरह शामिल किया जाना चाहिए। इस क्षेत्र से लाभांवित होने वाले उद्योगपतियों को भी इसमें योगदान देना चाहिए। पुराने गोवा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) में आयोजित कार्यक्रम में धनखड़ ने कहा कि किसान की आय में बड़ा बदलाव तभी आएगा जब किसान कृषि के व्यवसाय से भी जुड़ेगा। अगर किसान और उनके बच्चे खेती के सीमित दायरे तक ही सीमित रहेंगे, तो भारत की आर्थिक प्रणाली को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक गति कम हो जाएगी। कृषि समुदाय से उद्यमी तैयार करने की जरूरत है।

पाकिस्तान बिकने को तैयार: अनिल विज

अंबाला, 22 मई। ऊर्जा परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बुधवार को एक बार फिर से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर कटाक्ष किया। पाकिस्तान के द्वारा अंतरराष्ट्रीय बैंकों से करीब 41 हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेने की तैयारी पर तंज कसते हुए विज ने कहा कि

पाकिस्तान ने तो बिकना ही है। अब कौन-कौन खरीदार मैदान में है वो देखने की बात है, क्योंकि पाकिस्तान बिकने की कगार पर है। मंत्री निल विज ने कहा पाकिस्तान में महंगाई कई गुणा ज्यादा बढ़ गई है। रोजमर्रा की चीजें जैसे आलू, आटा, दाल, चावल महंगा हो गया है। पाकिस्तान इस समय गृह युद्ध के कगार पर है। सिंध व बलूचिस्तान के लोग पाकिस्तान से अलग होना चाहते हैं। मुझे नहीं लगता पाकिस्तान उन्हें अपने साथ रख पाएंगा। इसके अलावा मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कांग्रेस ने देशभर के अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक बुलाई है जिसमें मोदी सरकार को घेरने के लिए काम किया जाएगा। इस पर अनिल विज ने कहा कांग्रेस तकलीफ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश ने इतने कम समय में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के नौ उग्रवादी ठिकाने तहस-नहस किए। अब ये कांग्रेस को सहन नहीं हो रहा।

दुनिया आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत के साथ आए: रणधीर जायसवाल

कौमी पत्रिका
सी.चन्द्रा

नई दिल्ली, 22 मई। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को साप्ताहिक ब्रीफिंग में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की रवानगी समेत तमाम मुद्दों पर जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम आतंकवाद से लड़ने के अपने संकल्प को दुनिया तक पहुंचा रहे हैं। हम चाहते हैं कि दुनिया आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के लिए एक साथ आए। उन्होंने कहा कि हम दुनिया से आग्रह करना चाहते हैं कि वे सीमा पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराएं। पाकिस्तान पिछले 40 वर्षों से भारत के खिलाफ आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। उसके कार्यों को उजागर करने की आवश्यकता है। उसे भारत के खिलाफ किए गए आतंकी हमलों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इसलिए सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं। तीन प्रतिनिधिमंडल रवाना हो चुके हैं। यह एक राजनीतिक मिशन है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल दुनिया के 33 देशों में जा रहे हैं। सभी देश हमारे मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदार हैं। हमारे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। उनमें से कई देश सुरक्षा परिषद के सदस्य हैं या आने वाले दिनों में सुरक्षा परिषद का हिस्सा बनेंगे। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, यह जरूरी था कि हम इन देशों में जाएं ताकि हम आतंकवाद पर भारत का संदेश बता सकें।

चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के विदेश मंत्रियों के बीच त्रिपक्षीय वार्ता पर उन्होंने कहा कि हमने कुछ रिपोर्ट देखी हैं। मुझे इसके अलावा और कुछ नहीं कहना है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री के साथ बातचीत पर हमने जानकारी दी थी। विदेश मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करने के लिए अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री को धन्यवाद दिया। वे कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी सहमत हुए। विदेश मंत्री ने हाल ही में झूठी और निराधार रिपोर्टों के माध्यम से भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने के प्रयासों को दृढ़ता से अस्वीकार करने का भी स्वागत किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत और पाकिस्तान के बीच जंग को समाप्त करने का श्रेय लेने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, कि अपनी पिछली ब्रीफिंग में मैंने इस पर बात की थी। मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। आप हमारी स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच कोई भी जुड़ाव द्विपक्षीय होना चाहिए। बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद के मामले में हम उन कुख्यात आतंकवादियों को भारत को सौंपने पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं जिनकी सूची कुछ साल पहले पाकिस्तान को दी गई थी। उन्होंने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि जम्मू और कश्मीर पर कोई भी द्विपक्षीय चर्चा केवल पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करने पर होगी।

मानवीय, तकनीकी दक्षता और तेज रणनीति की अद्भुत मिसाल बना ऑपरेशन सिंदूर: मुख्यमंत्री

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

चंडीगढ़, 22 मई। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के बहादुर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, इससे पूरे विश्व को भारत के शौर्य का संदेश मिला है और देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रधानमंत्री ने यह संदेश दिया है कि अपने नागरिकों की रक्षा उनके लिए सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि अब तक हमने अनेक सैन्य अभियानों को देखा है, परंतु ऑपरेशन सिंदूर मानवीय, तकनीकी दक्षता और तेज रणनीति की अद्भुत मिसाल है। मुख्यमंत्री आज जिला कुरुक्षेत्र के लाडवा शहर में ऑपरेशन सिंदूर तिरंगा यात्रा से पूर्व उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। भारी संख्या में उपस्थित युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री की अगुवाई में तिरंगा यात्रा में भाग लिया और देश के वीर सैनिकों व ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में चलाई जा रही इस मुहिम में बढ़चढ़ कर योगदान दिया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रामकुंडी धर्मशाला के सभागार में पहलगाम के बलिदानियों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारे सैनिकों ने पाकिस्तान की सरजमीं पर जाकर आतंकवाद को नेस्तनाबूद करने का

काम किया है। ऐसा करके संदेश दिया कि भारत की संप्रभुता की तरफ आंख उठाने का अंजाम बहुत बुरा होता है। पाकिस्तान की जमीं पर जाकर आतंकवादी अड्डों को चुन-चुन कर मिट्टी में मिलाने का काम जांबाज सैनिकों ने किया है। पाकिस्तान के 11 एयरबेस को नेस्तनाबूद करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों ने मिसाइलें पाकिस्तान पर छोड़ी, इसकी गूंज चीन और अमेरिका तक गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब बात हुई तो सीजफायर से यह दिखाया कि भारत युद्ध का पक्षधर नहीं है, लेकिन जब तक शांति को कमजोरी समझा जाएगा तो भारत चुप भी नहीं रहेगा। यही शौर्य और संयम देश को एक महान राष्ट्र बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेना का सशक्तिकरण किया गया है और भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। इसके लिए हमें गौरव है और वे प्रदेश की जनता की तरफ से नमन करते हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे तिरंगे की शान को ऊंचा उठाने का संकल्प लें और सेवा, समर्पण व स्वाभिमान के पथ पर लगातार आगे बढ़ें। ऐसे भारत का निर्माण करें जो अपने आप में एक गौरवशाली अतीत से सीख कर मजबूत भविष्य की ओर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि यह महज एक तिरंगा यात्रा नहीं है, बल्कि राष्ट्रभक्ति के जज्बे और बलिदान की भावना को सच्ची श्रद्धांजलि देने का अवसर है। श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा की वीरभूमि को नमन करते हुए कहा कि यहां से लाखों जवान भारत माता की सेवा के लिए तत्पर हैं।

कांग्रेस की सूची में नाम न होना शशि थरूर का अपमान

बंगलूरू, 22 मई। केरल कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष के सुधाकरण ने गुरुवार को अपनी ही पार्टी के फैसले पर सवाल उठाया और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में पार्टी द्वारा शशि थरूर का नाम शामिल न किया जाने पर हैरानी जताई। सुधाकरण ने कहा कि यह शशि थरूर का अपमान है। सुधाकरण ने कहा कि शशि थरूर एक योग्य नेता और पार्टी के ईमानदार सदस्य हैं। ऐसे में थरूर के नाम को शामिल नहीं किया जाना सही नहीं है। सुधाकरण ने एक टीवी चैनल के साथ बातचीत में कहा कि यह सही नहीं था और इसे लेकर बेवजह का विवाद हुआ। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को कूटनीतिक स्तर पर घेरने के लिए सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश दौरों पर भेजे हैं। शशि थरूर को इन सात प्रतिनिधिमंडलों में से एक प्रतिनिधिमंडल का प्रमुख बनाकर विदेश भेजा है। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने कहा कि उन्होंने थरूर का नाम नहीं दिया था और जिन नेताओं को नाम दिया गया था, उन्हें प्रतिनिधिमंडल में शामिल नहीं किया गया। इसे लेकर खासा विवाद हुआ। हालांकि थरूर ने केंद्र का निमंत्रण स्वीकार किया और वह विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। सुधाकरण ने शशि थरूर के कांग्रेस छोड़ने की अफवाहों को भी खारिज कर दिया

ट्रंप के सीजफायर के लिए दखल देने के दावे पर पीएम खामोश क्यों ? पवन खेड़ा

कौमी पत्रिका
तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 22 मई। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार यह दावा कर रहे है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान व्यापार का सहारा लेकर भारत और पाकिस्तान को सीजफायर के लिए मनाया तो दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक एक बार भी ट्रंप के दावों को खारिज नहीं किया है। उनकी (पीएम मोदी) की खामोशी का क्या मतलब है? देश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने गुरुवार को यह सवाल सरकार से किया। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने कहा कि ट्रंप ने आठवीं बार दावा किया कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर विराम लगवाया है। खेड़ा ने एक्स पर कहा, ट्रंप का दावा है कि उन्होंने भारत के ऑपरेशन सिंदूर को खत्म करवाने के लिए व्यापार का सहारा लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक इन दावों को एक बार भी खारिज नहीं किया है। इस खामोशी का क्या मलतब है? ओवल ऑफिस में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सीरिल रामफोसा के साथ बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा, यदि आप भारत और पाकिस्तान के तनाव पर हमने क्या किया यह पूछें तो मैं कहूंगा कि हमने वह पूरा मामला सुलझा लिया। मेरा मानना है कि मैंने इसे व्यापार का हवाला देकर सुलझा लिया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका- भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों के साथ बड़ा सौदा कर रहा है। ट्रंप के अनुसार उन्होंने दोनों देशों से कहा कि आप क्या कर रहे हैं? ट्रंप ने कहा, किसी न किसी को आखिरी वार करना पड़ेगा। दोनों देशों के बीच हालात बद से बदतर इसलिए हमें उनसे बात करनी पड़ी। किसी को तो आखिरी में गोली चलानी ही थी। लेकिन गोलीबारी की घटनाएं बढ़ती ही जा

रही थीं, बड़ी होती जा रही थीं, देशों में गहरी होती जा रही थीं। और हमने उनसे बात की, और मुझे लगता है कि हमने, आप जानते हैं, मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि हमने इसे सुलझा लिया है, और फिर दो दिन बाद, कुछ ऐसा हुआ, और उन्होंने कहा कि यह ट्रम्प की गलती है। ट्रंप ने कहा, लेकिन... पाकिस्तान में कुछ बेहतरीन लोग और कुछ बहुत अच्छे, महान नेता हैं। और भारत मेरा मित्र है, मोदी मेरे मित्र हैं। इस दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति ने जवाब दिया, मोदी, सबके मित्र हैं। ट्रम्प ने कहा, वह एक महान व्यक्ति हैं और मैंने उन दोनों को फोन किया। यह अच्छी बात है। दोनों नेताओं के बीच इस बातचीत के बाद अब इस मासले पर हमलावर हो गई है। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार दावा करते रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को सुलझाने में मदद की है। और पीएम मोदी इस पर कुछ क्यों नहीं बोल रहे? दूसरी ओर ऑपरेशन सिंदूर के वैश्विक प्रसार के लिए विभिन्न देशों में पहुंच रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने टिप्पणी की।

उन्होंने कहा, एक तरफ हम प्रतिनिधिमंडल भेज रहे हैं, लेकिन मुझे सूत्रों से पता चला है कि पहलगाम हमले के आतंकवादी पिछले 18 महीनों में तीन अन्य आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार हैं... वे जम्मू-कश्मीर में घूम रहे हैं और हमारे सभी सांसद दुनिया भर में घूम रहे हैं। प्राथमिकता आतंकवादियों को पकड़ना होनी चाहिए, न कि सांसदों को दूसरे देशों में भेजना... इन सवालों का जवाब कौन देगा? संसद का सत्र होना चाहिए, लेकिन इसे बुलाया नहीं गया है। प्रधानमंत्री कभी भी सर्वदलीय बैठकों में मौजूद नहीं होते हैं। व

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 22 मई। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद बृहस्पतिवार को तीन मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया। जिसमें अदालतों द्वारा वक्फ, वक्फ बाई यूजर या

वक्फ बाई डीड घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति भी शामिल है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अंतरिम आदेश सुरक्षित रखने से पहले करीब तीन दिन तक वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल, राजीव धवन और अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलें सुनीं, जो संशोधित वक्फ कानून के विरोध में याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार का पक्ष रखा। केंद्र ने इस अधिनियम का दृढ़ता से समर्थन करते हुए कहा कि वक्फ अपनी प्रकृति से ही एक धर्मनिरपेक्ष अवधारणा है और संवैधानिकता की धारणा के इसके पक्ष में होने के मद्देनजर इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती। वहीं, याचिकाकर्ताओं की पैरवी कर रहे सिब्बल ने इस कानून को ऐतिहासिक कानूनी और संवैधानिक सिद्धांतों से पूर्ण विचलन तथा गैर-न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से वक्फ पर कब्जा करने का जरिया बताया। सिब्बल ने कहा, यह वक्फ संपत्तियों पर सुनियोजित तरीके से कब्जा करने का मामला है। सरकार यह तय नहीं कर सकती कि कौन से मुद्दे उठाए जा सकते हैं। दूसरा मुद्दा राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं की दलील है कि पदेन सदस्यों को छोड़कर केवल मुसलमानों को ही राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में काम करना चाहिए।

नेपाल में संसदीय समिति के अध्यक्ष पर बैठक में ही महिला सांसद ने फेंका माइक

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में महिला एवं समाज कल्याण मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष किरण साह पर बैठक के दौरान समिति की एक महिला सदस्य कल्पना मियां ने माइक फेंक कर हमला किया। हालांकि माइक हमले से साह ने खुद को बचा लिया। कल्पना मियां सीपीएन (एमसी) की सांसद हैं। समिति की बैठक में देर से पहुंचीं सांसद कल्पना मियां बिना अध्यक्ष की अनुमति के ही बोलने लगीं तो उनको रोकने का प्रयास किया गया। इससे नाराज होकर उन्होंने अध्यक्ष पर माइक फेंक कर प्रहार किया। इस संबंध में संसदीय समिति के अध्यक्ष किरण साह ने बताया कि एक तो विलंब से समिति की बैठक में पहुंचीं और बिना अनुमति के ही बोलने लगीं। साह ने बताया कि जब उन्होंने उन्हें बीच में नहीं बोलने को कहा और अपने स्थान पर बैठने को कहा तो उन्होंने मुझ पर माइक फेंका। उधर, कल्पना मियां का कहना है कि समिति की बैठक में उन्होंने अपना पक्ष रखने की बार-बार कोशिश की पर अध्यक्ष ने उन्हें अनुमति नहीं दी। बाद में बिना अनुमति के ही बोलने लगी जिसके बाद उन्हें टोका गया और गुस्से में आकर अध्यक्ष पर ही माइक फेंक दिया। सांसद मियां ने कहा कि उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था।

पाकिस्तान में सिंधु नदी नहर परियोजना का विरोध, मंत्री का आवास फूंका

कराची। पाकिस्तान में सिंधु नदी नहर परियोजना का विरोध हिंसक हो गया। परियोजना का विरोध कर रहे लोगों ने मंगलवार को नौशहरो फिरोज जिला के मोरो शहर में सिंध प्रांत के गृहमंत्री जियाउल हसन लंजर के आवास और राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई कंटेनरों में आग लगा दी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ तीखी झड़प हुई है। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज के अनुसार मोटरसाइकिल सवार प्रदर्शनकारियों ने राजमार्ग सुरक्षा संगठन के सदस्यों सहित कर्मियों पर हमला किया। एक ट्रेलर से उर्वरक बैग लूट लिए और भाग गए। सरकार ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाकाबंदी की है। इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। सिंध के गृहमंत्री जियाउल हसन लंजर ने अपने आवास पर आगजनी की घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि कानून के शासन को चुनौती देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने का आदेश दिया। कॉमन इंटरेस्ट्स काउंसिल ने 28 अप्रैल को प्रांतों के बीच आम सहमति बनने तक सिंधु नदी नहर परियोजना पर रोक लगा दी है। अन्य संचार माध्यमों की रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पुलिस के साथ झड़प में दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है और एक डीएसपी व छह अन्य पुलिसकर्मियों सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

इजराइल ने गाजा पर बमबारी की, 42 की मौत, संयुक्त राष्ट्र ने कहा- 14 हजार बच्चे भूख से बेहाल

गाजा पट्टी। इजराइल की सेना द्वारा गाजा पर की गई बमबारी में आज सुबह से कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई है। इजराइल ने इस क्षेत्र में भयावह युद्ध को लेकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) और यूरोपीय संघ की चिंता को खारिज कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 14,000 बच्चे (शिशु) भूख से बेहाल हैं। अगर 48 घंटों के भीतर इनको खाद्य सामग्री नहीं मिल पाई तो इनकी जान का खतरा है। अल जजीरा न्यूज की खबर में यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इजराइली प्रतिबंधों के कारण गाजा में कोई सहायता वितरित नहीं की जा सकी है। कुछ सहायता सामग्री लेकर ट्रक क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गाजा पर इजराइल के युद्ध में कम से कम 53,573 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 121,688 घायल हुए हैं। सरकारी मीडिया ने मृतकों की संख्या 61,700 से अधिक बताई है। सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमलों के दौरान इजरायल में कम से कम 1,139 लोग मारे गए और 200 से अधिक लोगों को बंदी बना लिया गया। फिलिस्तीन राज्य की आधिकारिक न्यूज एजेंसी वाफा के अनुसार इजराइली सैनिकों ने बेथलहम के अल-दोहा शहर से दो भाइयों को गिरफ्तार किया है।

चीन ने पाकिस्तान, भारत के बीच वार्ता के माध्यम से मतभेदों को सुलझाने का स्वागत किया: वांग

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि चीन पाकिस्तान और भारत द्वारा बातचीत के माध्यम से अपने मतभेदों को ठीक से निपटाने, व्यापक और स्थायी युद्धविराम हासिल करने और मौलिक समाधान तलाशने का स्वागत करता है और उसका समर्थन करता है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य वांग ने मंगलवार को पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार के साथ बातचीत करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह दोनों पक्षों के मौलिक और दीर्घकालिक हितों के अनुरूप है, जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए अनुकूल है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की आम अपेक्षा के अनुरूप भी है।श्री वांग ने कहा कि चीन और पाकिस्तान ने पारंपरिक मित्रता को मजबूत करने, पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को मजबूत करने और चुनौतियों का संयुक्त रूप से समाधान करने पर घनिष्ठ रणनीतिक संचार बनाए रखा है।

पृथ्वी पर सौर तूफान का खतरा, नासा ने जारी की चेतावनी

एजेंसी

वाशिंगटन। नासा ने हालिया सौर गतिविधियों के मद्देनजर एक गंभीर चेतावनी जारी की है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी की ओर बढ़ रही प्रबल सौर लपटें (सोलर फ्लेयर्स) आने वाले दिनों में जीपीएस, रेडियो संचार और बिजली आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण ढांचे को बाधित कर सकती हैं। यह चेतावनी 2025 की अब तक की सबसे शक्तिशाली एक्स-2.7 श्रेणी की सौर लपटों के फटने के बाद दी गई है, जिसे नासा के सोलर डायनामिक्स ऑब्जर्वेटरी ने रिकॉर्ड किया है। बताया गया कि यह तीव्र सौर लपट 14 मई को अपने चरम पर पहुंची थी, जिसके कारण यूरोप, एशिया और मध्य पूर्व में कुछ समय के लिए हाई-फ्रीक्रेंसी रेडियो संचार ठप हो गया था। अमेरिका की नेशनल

ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के अनुसार, कुछ क्षेत्रों में रेडियो सेवाएं 10 मिनट तक बाधित रही थी। आने वाले दिनों में भी इस समस्या फिर से आने की संभावना है।

क्यों बढ़ रहा है खतरा-

सूर्य वर्तमान में अपने 11 वर्षीय सौर चक्र के चरम की ओर बढ़ रहा है, जिससे विस्फोटक सनस्पॉट की संख्या में वृद्धि हो रही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में और भी शक्तिशाली सौर तूफान धरती की ओर बढ़ सकते हैं, जिससे सैटेलाइट तकनीक, नेविगेशन सिस्टम, और बिजली ग्रिड पर असर पड़ सकता है।

सौर लपटें होती क्या हैं-

नासा के अनुसार, सौर लपट एक प्रकार का अचानक और तीव्र ऊर्जा विस्फोट होता है, जिसमें प्रभावशाली मात्रा में कण, ऊर्जा, चुंबकीय क्षेत्र और पदार्थ सौर मंडल में फैल जाते हैं। एक्स-2.7 श्रेणी की हालिया सौर लपट सबसे उच्च-शक्ति वाले विस्फोटों में से एक मानी जा रही है, जो पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल को सीधे प्रभावित कर सकती हैं।

आयरलैंड के विदेश मंत्री ने गाजा में इजराइल की कार्रवाई को बताया 'बर्बर', की कड़ी निंदा

एजेंसी

डबलिन। आयरलैंड के विदेश मंत्री साइमन हैरिस ने संसद में एक प्रभावशाली वक्तव्य देते हुए गाजा में इजराइली कार्रवाइयों को 'बर्बर और मानव गरिमा के खिलाफ' करार दिया। उन्होंने इजराइल की नीतियों और युद्धक कदमों की अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुलकर आलोचना की। संसद में हैरिस ने इजराइली हमले की मुखर आलोचना करते हुए कहा कि गाजा में इजराइल की कार्रवाई मानवता के खिलाफ बर्बरता है। इजरायल की सेना मेडिकल स्टाफ, पत्रकारों और बच्चों को निशाना बना रही है, जिसे दिन-रात देखना असहनीय हो गया है। इतना ही नहीं गाजा में मानवीय सहायता पर लगी नाकेबंदी अंतरराष्ट्रीय कानून का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यदि मौजूदा हालात जारी रहे तो भुखमरी की वजह से 15,000 से अधिक बच्चों की जान खतरे में पड़ सकती है। साइमन हैरिस ने केवल गाजा ही नहीं, बल्कि वेस्ट बैंक में इजराइल की दमनात्मक गतिविधियों की भी आलोचना की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आयरलैंड इजराइली अधिकृत क्षेत्रों में बन रहे उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने के लिए नए कानून लाने की योजना बना रहा है। आयरिश नेता ने आयरलैंड की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि उनका देश इजराइल और फिलिस्तीन के बीच दो-राष्ट्र समाधान का प्रबल समर्थक है, और वह एक ऐसा भविष्य चाहता है जहां दोनों देश शांति से सह-अस्तित्व में रह सकें।

इजराइल की सुप्रीम कोर्ट ने 'शिन बेट' प्रमुख को हटाने के सरकार के फैसले को अवैध करार दिया

एजेंसी

येरुशलम। इजराइली सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा देश की आंतरिक खुफिया एजेंसी 'शिन बेट' के प्रमुख रोनन बार को हटाने के निर्णय को 'अवैध और कानून के विरुद्ध' बताया है। यह जानकारी इजराइली मीडिया रिपोर्टों के हवाले से सामने आई।

अदालत ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए साफ किया कि सरकार द्वारा बिना विधिसम्मत प्रक्रिया के लिए यह निर्णय न केवल असंवैधानिक है, बल्कि यह शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही के मूल सिद्धांतों के भी विरुद्ध है। दरअसल, सरकार द्वारा मार्च माह में लिए गए इस फैसले के विरुद्ध देशभर में सिविल सोसायटी समूहों, पूर्व सुरक्षा अधिकारियों और विपक्षी नेताओं ने प्रदर्शन किए थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरकार का यह कदम लोकतंत्र की बुनियाद पर हमला है और इससे देश की सुरक्षा एजेंसियों की स्वतंत्रता को

खतरा पैदा होता है। उल्लेखनीय है कि इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी 'शिन बेट' आतंकवाद, जासूसी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों पर कार्य करती है। इस संस्था के प्रमुख का पद अत्यधिक संवेदनशील होता है, और उसमें किसी भी प्रकार की राजनीतिक दखल की आशंका गहरी चिंता का विषय माना जाता है।

मानव तस्करी मामले में गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव और त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पूर्व मुख्य आप्रवासन अधिकारी तीर्थ राज भट्टाराई को मानव तस्करी गिरोह के साथ कथित संबंधों की जांच के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया। भट्टाराई को पिछली शाम ही गृह मंत्रालय में स्थानांतरित किया गया था। इससे पहले वह त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आप्रवासन कार्यालय के प्रमुख थे, जहां एंटी करप्शन ब्यूरो ने उनकी गिरफ्तारी से कुछ समय पहले छापा मारा था। ब्यूरो ने आप्रवासन अधिकारियों द्वारा बड़ी रकम एकत्र करने और अवैध रूप से यात्रा वीजा पर विदेश यात्रा की सुविधा प्रदान करने के बारे में कई शिकायतें मिलने के बाद छापेमारी शुरू की। ऑपरेशन के दौरान एंटी करप्शन ब्यूरो ने विस्तृत जांच के लिए आप्रवासन कार्यालय से कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य उपकरणों को जब्त कर लिया। जांचकर्ताओं ने उन सबूतों का

खुलासा किया जिसमें भट्टाराई की मानव तस्करी गिरोह के साथ मिलीभगत का संकेत दिया गया था। उनके मोबाइल फोन, जो अब ब्यूरो के नियंत्रण में हैं, में कथित तौर पर मामले से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। चल रही जांच के हिस्से के रूप में आधिकारिक दस्तावेजों को भी सुरक्षित कर लिया गया है। गृह मंत्रालय को इस मुद्दे के बारे में सतर्क कर दिया गया था, जिसके कारण भट्टाराई का तबादला उनकी हिरासत से ठीक एक दिन पहले हो गया था। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने आप्रवासन कार्यालय पर छापेमारी पर अब तक सिर्फ सहसचिव की गिरफ्तारी की पुष्टि की है जबकि हवाई अड्डे से आठ अन्य अधिकारियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

गाजा पर इजराइल के ताजा हमलों में मरने वालों की संख्या 82 हुई

एजेंसी

दीर अल-बलाह। इजराइली सेना द्वारा गाजा पट्टी में किए जा रहे हमलों ने एक बार फिर तबाही मचाई है। हुए ताजा हमलों में कम से कम 82 लोगों की मौत हुई, जिनमें कई महिलाएं और एक सिर्फ 7 दिन का नवजात शिशु भी शामिल है। यह जानकारी गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय और क्षेत्रीय अस्पतालों द्वारा साझा की गई है। गाजा पर हो रहे इजराइली हमलों को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद इजराइल की सैन्य कार्रवाई और हमले तेज होते जा रहे हैं। नागरिक क्षेत्रों में हो रही इस भीषण बमबारी के बीच राहत की उम्मीदें भी धराशायी होती नजर आ रही हैं। इजराइल ने गाजा में मानवीय

सहायता लेकर जा रहे दर्जनों ट्रकों को प्रवेश की अनुमति दी थी, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता एजेंसी के प्रवक्ता जेंस लार्के के अनुसार, गाजा के दक्षिणी हिस्से में स्थित केरम शालोम बॉर्डर क्रॉसिंग से एक भी ट्रक को स्थानीय कर्मचारियों ने उठाया नहीं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफान दुजारिक ने बताया कि राहत सामग्री गाजा में प्रवेश कर गई थी, लेकिन इजराइली सेना द्वारा ट्रकों से सामग्री को दोबारा अन्य ट्रकों में लादने के आदेश दिए गए, जिससे वितरण में समय की भारी कमी आ गई। नतीजतन, सहायता कर्मी मंगलवार को सामग्री वितरण के लिए आगे नहीं बढ़ सके। इजराइल के रक्षा विभाग, जो गाजा में मानवीय सहायता की निगरानी करता है, ने कहा है कि सुबह ट्रक सीमा पार कर गाजा में प्रवेश कर चुके हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह सहायता अब गाजा के आंतरिक हिस्सों तक पहुंच पाएगी या नहीं।

श्रीलंका के पूर्व मंत्री केहेलिया का बेटा रामिथ भी गिरफ्तार

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व मंत्री केहेलिया रामबुकवेला के बेटे और पूर्व क्रिकेटर रामिथ रामबुकवेला को भी भ्रष्टाचार जांच आयोग ने लगभग 10 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। कुछ दिन पहले कोलंबो की एक अदालत ने उनके पिता से जुड़े मामले में उन्हें संदिग्ध के रूप में नामित करने की अनुमति प्रदान की थी। डेली न्यूज की खबर के अनुसार, केहेलिया ने भ्रष्टाचार का खुलासा होने पर फरवरी 2024 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वह इस समय अदालत के आदेश पर पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में हैं। श्रीलंका के समाचार पोर्टल न्यूज फर्स्ट के अनुसार, रामिथ रामबुकवेला आज सुबह भ्रष्टाचार जांच आयोग के समक्ष पेश हुए। कोलंबो के मुख्य मजिस्ट्रेट की अदालत ने 20 मई को सुनवाई के दौरान पूर्व मंत्री केहेलिया रामबुकवेला के बेटे रामिथ रामबुकवेला को अगले दिन आयोग के समक्ष पेश होने का आदेश दिया था। यह भ्रष्टाचार आठ मिलियन रुपये से अधिक का बताया गया है। केहेलिया रामबुकवेला 2021 से 2023 तक मास मीडिया, स्वास्थ्य और पर्यावरण मंत्री रह चुके हैं। यह भ्रष्टाचार उसी समय का बताया जा रहा है। आरोप है कि उन्होंने नकली दवा खदीद घोटाले के अलावा अपने कार्यकाल के दौरान निजी कर्मचारियों में कई करीबी सहयोगियों को नियुक्त किया और उनकी ओर से अवैध रूप से भत्ते प्राप्त किए। आयोग की जांच में सामने आया है कि इससे सरकार को आठ मिलियन रुपये से अधिक का वित्तीय नुकसान हुआ है। उनका बेटा रमिथ रामबुकवेला इस मामले दूसरा संदिग्ध बताया गया है।

दुबई इंटरनेशनल होली कुरान अवार्ड प्रतियोगिता में बदलाव, पहली बार महिलाओं के लिए खुले दरवाजे

एजेंसी

दुबई। 'दुबई इंटरनेशनल होली कुरान अवार्ड' प्रतियोगिता के आयोजकों ने 27 साल के इतिहास में नियमों में बड़ा बदलाव किया है।अब प्रतियोगिता के दरवाजे महिला प्रतिभागियों के लिए भी खोल दिए गए हैं। इस प्रतियोगिता में पिछले कुछ वर्षों में 91 देशों के 2,107 प्रतिभागी भाग ले चुके हैं। एक बदलाव यह भी किया गया है कि अब सभी प्रतिभागियों के स्व-नामांकन को स्वीकार किया जाएगा। इसके लिए आधिकारिक देश के नामांकन की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। खलीज टाइम्स की खबर के अनुसार यह घोषणा आज, संवाददाता सम्मेलन में की गई। इस बार घोषित कुल पुरस्कार राशि 12 मिलियन दिरहम है। इसमें एक मिलियन डॉलर का शीर्ष पुरस्कार भी

शामिल है। यह पुरस्कार इस्लामी विद्वता के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में दुबई की स्थिति को मजबूत करता है। इस बार प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों में समेकित किया गया है- पुरुष पुरस्कार, महिला पुरस्कार और इस्लामिक पर्सनालिटी ऑफ द ईयर पुरस्कार। पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को एक मिलियन डॉलर, दूसरे स्थान पर रहने वाले को 100,000 डॉलर और तीसरे स्थान पर आने वाले विजेता को 50,000 डॉलर मिलेंगे। इस्लामिक पर्सनालिटी ऑफ द ईयर पुरस्कार विजेता को एक मिलियन डॉलर दिए जाएंगे। संवाददाता सम्मेलन में साफ किया गया कि पंजीकरण के समय प्रतिभागियों की उम्र 16 वर्ष से कम होनी चाहिए और उन्हें उचित पाठ और तजवीद नियमों के साथ पवित्र कुरान याद होना चाहिए।

जो लोग पिछले संस्करणों में फाइनल में पहुंच चुके हैं या सम्मानित हो चुके हैं, वे इस बार हिस्सा नहीं ले सकेंगे। प्रतिभागियों का तीन चरणों में मूल्यांकन किया जाएगा। प्रारंभिक चरण में पुरस्कार वेबसाइट पर सबमिट किए गए वीडियो पाठों का मूल्यांकन शामिल है।

स्पेन में रूस समर्थक यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति विक्टर के पूर्व सहयोगी एंड्री पोर्टनोव की हत्या

एजेंसी

मैड्रिड (स्पेन)। स्पेन की राजधानी मैड्रिड के उपनगर में रूस समर्थक यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच के पूर्व वरिष्ठ सहयोगी एंड्री वलोडिमिरोविच पोर्टनोव की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। 51 वर्षीय पोर्टनोव को सुबह गोली मारी गई। पोर्टनोव की हत्या के बाद पुलिस ने सारे इलाके को घेर लिया। सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, यह जानकारी स्पेनिश राष्ट्रीय पुलिस के एक सूत्र ने दी। सूत्र ने बताया कि 51 वर्षीय पोर्टनोव को स्थानीय समयानुसार सुबह 9ः15 बजे (ईटी के अनुसार सुबह 3ः15 बजे) कार में बैठते समय गोली मारी गई। हमलावरों ने उनकी पीठ और सिर में गोली मारी और जंगल की तरफ भाग गए। यह घटना मैड्रिड के पश्चिम में एक समृद्ध उपनगर पॉजुएलो डी अलाराकॉन में स्थित द अमेरिकन

स्कूल ऑफ मैड्रिड के बाहर हुई। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, स्पेन और अन्य देशों के 1,000 से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं। द अमेरिकन स्कूल ऑफ मैड्रिड के सूत्रों के अनुसार, सभी विद्यार्थी सुरक्षित हैं। माना जा रहा है कि पोर्टनोव का बेटा इस स्कूल में पढ़ता है। पोर्टनोव को 2021 में मैग्निट्स्की अधिनियम के तहत भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप में संयुक्त राज्य अमेरिका ने प्रतिबंधित कर दिया था।

सिंगापुर की सरकार में भारतवंशियों का दबदबा, पीएम लॉरेंस वोंग ने इन नेताओं को सौंपी जिम्मेदारी

एजेंसी

सिंगापुर। सिंगापुर की सरकार में भारतवंशियों का दबदबा है। देश के नए प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने नए मंत्रिमंडल का एलान किया है। 17 सदस्यीय मंत्रिमंडल में भारतीय मूल के छह नेताओं को जगह दी गई है। इन नेताओं को विदेश, व्यापार, गृह समेत अहम विभागों का जिम्मा सौंपा गया है। देश में तीन मई को हुए आम चुनावों में लॉरेंस वोंग की पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने भारी जीत हासिल की।

अफगानिस्तान से अमेरिका की 'शर्मनाक वापसी' की समीक्षा करेगा पेंटागन, रक्षा सचिव ने दिया निर्देश

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने पेंटागन को साल 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की 'असफल और शर्मनाक वापसी' की व्यापक समीक्षा शुरू करने का निर्देश दिया है। इस वापसी से अफगानिस्तान में लगभग 20 वर्षों की अमेरिकी सैन्य उपस्थिति समाप्त हो गई थी और इसे तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ने अगस्त 2021 में किया था।एक मेमोरेंडम में बताया गया, 26 अगस्त, 2021 को बाइडन प्रशासन ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य और दूतावास अधिकारियों की वापसी का नेतृत्व किया, जिसके कारण काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एबे गेट पर एक आत्मघाती बम विस्फोट में 13 अमेरिकी सैनिकों और 170 नागरिकों की मौत हो गई। उन्होंने कहा, यह कदम अमेरिकी लोगों और सैनिकों के बीच विश्वास बहाल करने के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं, इस वापसी के दौरान हुए हताहतों और उपकरणों के नुकसान को देखते हुए भी उचित है। हेगसेथ ने कहा कि रक्षा विभाग का कर्तव्य है कि वह इस ऑपरेशन की जांच करे, क्योंकि अमेरिकी प्रशासन का अमेरिकी लोगों और अफगानिस्तान में लड़े सैनिकों के प्रति सच्चाई सामने लाने का दायित्व है। उन्होंने बयान में कहा, तीन साल पहले बाइडन प्रशासन की अफगानिस्तान से असफल और शर्मनाक वापसी के कारण काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती बम विस्फोट में 13 अमेरिकी सैनिकों और 170 नागरिकों की मौत हुई। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस सैन्य वापसी के लिए

जवाबदेही का वादा किया था और मैं उस वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। अमेरिकी रक्षा सचिव ने पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता और वरिष्ठ सलाहकार सीन पार्नेल को अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य वापसी की विशेष समीक्षा पैनल का नेतृत्व करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा, सीन पार्नेल ने अफगानिस्तान में 485 दिन सेवा की। वह युद्ध में घायल हुए और उनकी प्लाटून के 85 प्रतिशत सदस्य भी घायल हुए और आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में अनगिनत दोस्तों को खो दिया। यह उचित है कि वह बाइडन प्रशासन के दौरान यूएस सेंट्रल कमांड द्वारा की गई एबे गेट जांच की पुनः जांच का नेतृत्व करेंगे। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने यह भी बताया कि लेफ्टिनेंट कर्नल स्टुअर्ट शेलर एक सम्मानित मरीन अधिकारी हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान से वापसी के बारे में खुलकर बात की और जेरी डनलेवी ने हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की अफगानिस्तान वापसी की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वो भी इस विशेष समीक्षा पैनल में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, सीन और उनकी टीम तथ्यों की जांच करेगी, स्रोतों का विश्लेषण करेगी, गवाहों से साक्षात्कार करेगी, निर्णय लेने की प्रक्रिया का अध्ययन करेगी और उन घटनाओं की समीक्षा करेगी, जिनके कारण अमेरिका के सबसे काले क्षणों में से एक आया। उन्होंने कहा कि सीन और उनकी टीम उचित समय पर अपडेट देगी, ताकि अमेरिकी जनता को हमारी जांच के निष्कर्षों और उससे उत्पन्न होने वाली किसी भी कार्रवाई के बारे में सूचित रखा जाए।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

फतेहाबाद लघु सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी, तलाशी में नहीं मिला कुछ भी संदिग्ध

एजेंसी

फतेहाबाद। हरियाणा के फतेहाबाद जिले में स्थित लघु सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने से प्रशासन में हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल के बाद प्रशासन तुरंत हरकत में आया और लघु सचिवालय की इमारत को सील कर तलाशी अभियान शुरू किया गया। करीब एक घंटे तक स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने स्वयं तलाशी अभियान चलाया। इसके बाद हिसार से बम निरोधक दस्ता (बम स्क्वायड) और सीआईडी हरियाणा की टीम फतेहाबाद पहुंची। टीम ने लघु सचिवालय की इमारत और आसपास के क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु या सामग्री नहीं मिली। फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सिद्धांत

जैन ने बताया कि सुबह करीब सात बजे लघु सचिवालय के सरकारी ईमेल पते पर बम से इमारत को उड़ाने की धमकी दी गई थी। ईमेल में कुछ दक्षिण भारतीय व्यक्तियों के नाम भी थे, जिनका फतेहाबाद क्षेत्र से कोई संबंध प्रतीत नहीं होता। एसपी जैन ने बताया कि धमकी मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। लघु सचिवालय और उसके आसपास के क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें कोई संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई।

उन्होंने कहा कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए जीमेल अधिकारियों से संपर्क किया गया है, ताकि इस शरारतपूर्ण कृत्य के पीछे शामिल तत्वों की पहचान की जा सके और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। एसपी ने आश्वासन दिया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आम जनता को घबराने की आवश्यकता नहीं है।

पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। साथ ही, अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी गई है। इस घटना के बाद लघु सचिवालय और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा-व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और शरारती तत्वों को पकड़ने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। फिलहाल, स्थिति सामान्य है और प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

भाखड़ा से हरियाणा के लिए छोड़ा गया पानी, नया वाटर कैलेंडर लागू

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा व पंजाब के बीच कई दिनों से चल रहे भाखड़ा जल विवाद के बीच बीबीएमबी ने पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के लिए नए सर्किल से पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। दोपहर एक बजे यह पानी छोड़ा गया। दरअसल, 15 मई को हुई बैठक के बाद तय किए गए मापदंडों के अनुसार अब तीनों राज्यों को पानी मिलेगा। जिसमें पंजाब को करीब 17 हजार क्यूसेक, हरियाणा को 10 हजार 300 और राजस्थान को 12 हजार 400 क्यूसेक पानी छोड़ा जाएगा। वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत मान आज नंगल डैम पहुंचे और वहां पंजाब के पानी को बचाने के लिए चल रहे मोर्चे में भाग लिया और लोगों का धरना समाप्त करवाया। इस मौके पर मुख्यमंत्री मान ने कहा कि आज से करीब 20 दिन पहले बीबीएमबी ने अचानक एक फरमान जारी किया, जिसमें कहा गया कि 4500 क्यूसेक पानी और छोड़ना होगा और ये आदेश फैसले के रूप में सुनाए गए। पंजाब सरकार ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि जो हरियाणा का बनता पानी था, हम वो पहले से ही दे चुके हैं। 31 मार्च तक पानी का इस्तेमाल हो चुका, फिर अब किसी बात का पानी दिया जाए।मुख्यमंत्री मान ने कहा कि हमने हरियाणा सरकार से कहा था कि 21 मई को तो वैसे भी पानी मिल जाएगा। इसे लेकर हमने कोर्ट में भी लड़ाई लड़ी। आज एक बजे से हरियाणा के लिए हर घंटे 100 क्यूसेक पानी छोड़ना शुरू कर दिया गया, क्योंकि हरियाणा का ये हक है। अगली 21 मई तक ये पानी दिया जाएगा।

पुलिस को नहीं मिले ज्योति मल्होत्रा के किसी आतंकी संगठन से जुड़े होने के सबूत

हिसार। जासूसी के आरोप में गिरफ्तार ज्योति मल्होत्रा के केस में मामले की जांच चल रही है। हिसार पुलिस ज्योति से लगातार पूछताछ कर रही है। कुछ केन्द्रीय जांच एजेंसियों ने भी आरोपित ज्योति से पूछताछ की है। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि ज्योति मल्होत्रा को गत 16 मई को गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वह पांच दिन के पुलिस रिमांड पर है। रिमांड के दौरान पूछताछ के चलते पुलिस ने आरोपित ज्योति से तीन मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और कुछ अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण कब्जे में लिए हैं। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र निवासी हरकीरत को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था। हरकीरत वीजा सेवा उपलब्ध करवाता है। पुलिस ने हरकीरत से दो मोबाइल फोन कब्जे में लिए हैं, लेकिन हरकीरत को फिलहाल गिरफ्तार नहीं किया गया है। ज्योति और हरकीरत से बरामद मोबाइल फोन, लैपटॉप और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस बारे में सोशल मीडिया व कुछ अन्य प्लेटफार्म पर तथ्यहीन खबरें भी चल रही हैं और ये खबरें ना सिर्फ जांच को प्रभावित करती हैं, बल्कि ऐसे मामलों में सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा को भी प्रभावित करती हैं। उन्होंने बताया कि पूरे मामले में जांच हिसार पुलिस कर रही है और आरोपित हिसार पुलिस की ही हिरासत में है।

कोलकाता, मुंबई सहित देश के कई शहरों में ईडी की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए कोलकाता समेत देश के कई प्रमुख शहरों में एक साथ छापेमारी की। यह छापे मुंबई, बेंगलुरु, जालंधर, इंदौर और कोलकाता में अलग-अलग ठिकानों पर मारे गए। ईडी की यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है। ईडी ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि ये छापेमारी एक फर्म से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की गई है। कार्रवाई के दौरान एजेंसी ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस, संपत्ति के दस्तावेज और विदेशी मुद्रा जब्त की है। ईडी के मुताबिक, तलाशी के दौरान 6.43 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा बरामद की गई है, जिसमें अमेरिकी डॉलर, सिंगापुर डॉलर और दिरहम शामिल हैं। इसके अलावा 55.74 लाख रुपये मूल्य का सोने का बिस्कुट भी जब्त किया गया है। छापेमारी में संबंधित आरोपितों के लगभग 94 लाख रुपये की बैंक जमा राशि को फ्रीज कर दिया गया है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में शुरू हुआ 12 ट्यूबवेलों का कार्य, हर घर तक पहुंचेगा पानी

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं झोटवाड़ा के लोकप्रिय विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के अथक प्रयासों से झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 12 नए ट्यूबवेल के निर्माण का कार्य आरंभ हो चुका है। यह कार्य क्षेत्र में पीने के पानी की समस्या को दूर करने और जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि इन नए ट्यूबवेल के निर्माण से न केवल झोटवाड़ा क्षेत्र के हजारों परिवारों को शुद्ध पेयजल सुलभ होगा, बल्कि यह आने वाले समय में जल संकट से स्थायी समाधान की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगा। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की नीति ने राजस्थान में बुनियादी सुविधाओं को गति दी है। राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार प्रधानमंत्री के विकासवादी दृष्टिकोण और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र को तेजी से साकार कर रही है। झोटवाड़ा की जनता ने इस कार्य के लिए कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ जी का आभार जताया है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजौरी का किया दौरा

पाकिस्तान की गोलाबारी में घायल लोगों का जाना हालचाल

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजौरी का दौरा किया और पाकिस्तान द्वारा बिना उकसावे के की गई भारी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उपराज्यपाल ने सरकारी मेडिकल कॉलेज राजौरी का भी दौरा किया और पाकिस्तान की गोलाबारी में घायल हुए लोगों का हालचाल जाना। राहत और पुनर्वास उपायों की समीक्षा करने आए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को राजौरी के उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने जिले की वर्तमान स्थिति और राहत वितरण, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, चिकित्सा और आपातकालीन सेवाओं, संपत्ति और पशुधन को हुए नुकसान और जिले में नए बंकरों की आवश्यकता से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण मामलों की जानकारी दी। बैठक में राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त डॉ. राज कुमार थापा को भी श्रद्धांजलि दी गई, जिन्होंने नागरिक क्षेत्र में दुश्मन देश द्वारा की गई गोलाबारी में अपनी जान गंवा दी थी। बाद में, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नौशेरा का दौरा किया और पाकिस्तान की गोलाबारी से क्षतिग्रस्त आवासीय घरों का जायजा लिया। उन्होंने स्थानीय निवासियों से बातचीत की और प्रशासन द्वारा सभी को चिकित्सकीय उपचार दिया जा रहा है। उन्हें भी उपचार उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा, हमने आज एक बड़ा फैसला लिया है। गोलाबारी में जम्मू-

उनकी समस्याओं और शिकायतों का जायजा लिया। उन्होंने दोहराया कि भारत सरकार लोगों की सुरक्षा और पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि मैं पहले राजौरी-पुंछ नहीं आ सका, लेकिन अब मैं यहां की जनता से मिला हूं। मैंने प्रशासन के अधिकारियों के साथ भी बैठक की है। मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिया गया है, घायलों की स्थिति भगवान की कृपा से स्थिर है। कश्मीर के जिन लोगों की जान गई है, उनके परिजनों में से एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। कई घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान हुआ है, जिसका मुआवजा प्रशासन द्वारा दिया जा रहा है। उनके पुनर्वास के लिए एक पैकेज भारत सरकार द्वारा मंजूर किया जाएगा। बंकरों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। नए बंकर बनाए जाएंगे ताकि जम्मू-कश्मीर के लोग सुरक्षित रह सकें।

26 मई को अमित शाह का नांदेड़ दौरा

एजेंसी

नांदेड़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 26 मई को महाराष्ट्र के नांदेड़ के दौरे पर रहेंगे। भाजपा के राज्यसभा सांसद अशोक चव्हाण ने उनके दौरे की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि अमित शाह का दौरा तय हो चुका है और उन्हें इस संबंध में आज ही कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त हुई है। अशोक चव्हाण ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री हैं और उन्हें नांदेड़ आने के लिए हम लोगों ने निमंत्रित किया है। उनका कार्यक्रम आज ही मुझे प्राप्त हुआ है। कल हम इस बारे में और विस्तृत जानकारी देंगे। उनका 26 मई का कार्यक्रम निश्चित हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री के इस दौरे को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि उनके नांदेड़ दौरे के दौरान कांग्रेस के कुछ पूर्व विधायक भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इस पर टिप्पणी करते हुए अशोक चव्हाण ने कहा कि अभी इस बारे में कुछ भी तय नहीं हुआ है। अभी तीन-चार दिन का समय है। जो भी अच्छे लोग हैं और जो भाजपा के नेतृत्व और विचारधारा में विश्वास रखते हैं, अगर उन्हें पार्टी में आने की इच्छा होगी, तो हम निश्चित तौर पर उनका स्वागत करने के लिए तैयार हैं। गृह मंत्री शाह के दौरे को लेकर चव्हाण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, देश के गृह मंत्री अमित शाह के 26 मई को संभावित नांदेड दौरे के संबंध में पूर्व तैयारी के हिस्से के रूप में नांदेड में नवा मोंढा मैदान, कुसुम सभागृह और अमरनाथ राजूरकर, किशोर स्वामी, बालाजी जाधव, प्रवीण साले, संजय लहानकर, रामराव केंद्रे, चैतन्यबापू देशमुख, निलेश देशमुख बारडकर,

पूर्व मुख्यमंत्री वसंतरावजी नाईक की प्रतिमा परिसर का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रामराव नाईक, भुजंगराव पाटील, नारायण श्रीमनवार, महेश खोमने, लक्ष्मीकांत गोणे सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

केरल सरकार भूमि अधिग्रहण करके मुनंबम मुद्दे को हल कर सकती है

नई दिल्ली, 22 मई। मुनंबम वक्फ भूमि विवाद की जांच कर रहे सरकार की ओर से नियुक्त न्यायिक आयोग ने गुरुवार को कहा कि अगर केरल सरकार मौजूदा वक्फ अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सार्वजनिक उद्देश्य के लिए भूमि का अधिग्रहण करती है तो विवाद का समाधान हो सकता है। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सीएन रामचंद्रन नायर ने एक प्रमुख मलयालम टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार के पास मौजूदा कानून के प्रावधानों के तहत मुनंबम निवासियों की सुरक्षा करने की शक्तियां हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को यह विकल्प तभी अपनाना चाहिए जब राज्य द्वारा नियुक्त वक्फ बोर्ड और फारूक कॉलेज, जिसने मुनंबम निवासियों को जमीन बेची थी, बातचीत के जरिए विवाद को सुलझाने में असमर्थ हों। साथ ही, नायर ने यह भी कहा कि सरकार के पास भूमि अधिग्रहण के लिए जो शक्तियां हैं, उन्हें देखते हुए यह संभव है कि राज्य प्रशासन के साथ टकराव से बचने के लिए विवाद का समाधान हो जाएगा।

NAME CHANGE
I, KAMLA PATI JOSHI S/O VASU DEV JOSHI R/O HOUSE NO-64, PLOT NO OLD PLOT NO-9, KH NO-93/3, VIJAY VIHAR PHASE-2, G/F, BLOCK-C, ROHINI, ROHINI SECTOR-7, NORTH WEST DELHI, DELHI-110085, have changed the name of my minor daughter POOJA aged 17 years and she shall hereafter be known as POOJA JOSHI.

NAME CHANGE
I, RAJENDRAN S/o Sh. MUNIYASAMY MUTHU, R/o BLOCK CA, NO. 6A, DDA FLAT, VTC: MUNIRKA, PO: J.N.U., DISTRICT: SOUTH WEST DELHI, STATE: DELHI, PIN CODE-110067 hereby declare that I have changed my name from RAJENDRAN M to RAJENDRAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Lakh Raji is Mother of No.4581584P, Rank-L/NK Name: Jagdish Yadav residing at Vill:Dullhapur, Baburipur, PO-Paliyagolpur, Distt: Sultanpur, Uttar Pradesh-228131 have changed my name from Lakh Raji to Lakharaji vide affidavit dated 17.05.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as JAHAIDA KHATOON alias YASMEEN PARVEEN W/O MOHD ANSAR R/O H. NO-L- 202, LAXMAN PURI NABI KARIM PAHAR GANJ, SWAMI RAM TIRTH NAGAR NEW DELHI, CENTRAL DELHI, DELHI-110055, have changed my name and shall hereafter be known as YASMEEN PARVEEN.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, ROSE SORMA D/o HARSH SORMA, R/o YM-227-278, S/F, Mohalla Yogmaya, Multani Dhanda, Pahar Ganj, New Delhi-110055, declare that name of mine and my father has been wrongly written as RIFAT MRIDHA and HARESH MRIDHA in my pan card No HLMPM1048E. The actual name of mine and my father is ROSE SORMA and HARSH SORMA respectively, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, hitherto known as RADHA D/O BALRAM MANDAL W/O SWAPAN PATRA R/O A-40/4, GALI NO-1, COSMOS SCHOOL MOHAN BABA NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110044 have changed my name and shall hereafter be known as RADHA PATRA.

NAME CHANGE
I, No.4581336Y Rank-Hav Name-Shingne Kiran Zanaklal residing at Vill-Chikhli, PO-Chilkhli, Teh-Chikhli, Distt. -Buldhana, MH-443201 have changed my minor daugher's name from Sushma to Shingne Sushma Kiran vide affidavit dated 21.05.2025 executed before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, hitherto known as BHAGU S/O GAIJI R/O HOUSE NO-340, BLOCK-B, J J COLONY, BAWANA, NORTH WEST DELHI, DELHI-110039 have changed my name and shall hereafter be known as MAGU.

NAME CHANGE
I, Kusum Mother of 4581336Y Rank-Hav Name- Shingne Kiran Zanaklal residing at Vill-Chikhli, PO-Chilkhli, Teh-Chikhli, Distt. -Buldhana, MH-443201 have changed my name from Kusum to Kusumbai Zanaklal Shingn vide affidavit dated 21.05.2025 executed before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, VIKAS CHAUHAN S/O RAM SINGH CHAUHAN R/O H.No- C -1/11A, Yamuna Vihar, North East Delhi - 110053, have changed the name of my minor daughter SAANVI SINGH, aged 15 years and She shall hereafter be known as SAANVI SINGH CHAUHAN.

NAME CHANGE
I hitherto known as LEELA W/O DESHRAJ R/O HOUSE NO-66A, WARD NO-14, NEAR LAXMI NARYAN, SHYAM NAGAR, PALWAL, HARYANA-121102, have changed my name and shall hereafter be known as LEELAWATI.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Sima Dubey alias Sima Dubey Pandey D/O Baidyanath Dubey W/o Abhay Kumar Pandey, residing at E-903, Elite Homz, Sector-77, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Sima Dubey Pandey

Name correction
It is for general information that I, DEEP SAHA S/o SUBRATA SAHA, residing at- C-46 East of Kailash Hills, VTC: East of Kailash, PO: Sriniwaspuri, DIST: South Delhi, Delhi- 110065, declare that name of my father has been wrongly written as SUBRTO SAHA in my class 10th and 12th marksheet and certificate. The actual name of my father is SUBRATA SAHA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Varinder Kaur, D/o Late Indarjit Singh R/o B159 Chitranjan Park, shall henceforth be known as Dolly Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUMAN W/O ASHOK KUMAR R/o HOUSE NO-26A, SECTOR-17A, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME TANISHKA TO TANISHKA BHAMBHU FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, No-14837094X Rank-HAV/MT Name-SHYAMVIR SINGH Presently residing at VILL-JANJRIYA, PO-KARASOURA, DIST-HATHRAS, UTTAR PRADESH-281308, have changed my wife's name from NEERAJ SINGH to NEERAJ DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 22/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-15674578F Rank-HAV Name-SANTOSH KUMAR SINGH Father of VARSHA KUMARI residing at VILL-ORAP, PO-PASAHARA, TEH-BUXAR, DIST-BUXAR, BIHAR-802119, have changed my minor daughter's name from VARSHA KUMARI to BARSHA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 22/05/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN
Mrs. Priyanka W/o Mr. Manoj, is the absolute owner of Plot on Land area measuring 6 Marle (i.e., 181.5 Sq. Yds)., (Property Id. 3PO77TF7) Out of Khewat/ Khata No. 5591/5823, Mustatil No. 142, Killa No. 19/4 (1-4), Kite 1, situated at Waka Mauja Palwal, Distt. Palwal, Haryana Mrs. Priyanka W/o Mr. Manoj has misplaced the Original Sale Deed executed by 1) Mr. Lekh Ram & 2) Mrs. Gyan Devi in favour of 1) Mr. Murlidhar, 2) Mrs. Sukhdevi, 3) Mr. Giriraj Kishor, 4) Mr. Naveen Kumar, 5) Mrs. Vijay Rani, 6) Mr. Parveen Kumar & 7) Mr. Anil Kumar in respect of Land area measuring 6 Marla, Out of Mustatil No. 142, Killa No. 19/4 (1-4)., vide Document No. 4334 on 27.02.1995, duly registered in Sub Registrar Palwal. An FIR regarding the loss has been lodged on 22.05.2025 vide LR No. 2856238/2025. Any individual or entity in possession of the aforementioned Original Sale Deed dated 27.02.1995, is requested to return it at the earliest. Kindly contact Advocate Deepak Malik at +91-9540419009/95404190091 within 7 days from the date of this notice.
Deepak Malik (Advocate)
Shop No. 2,
First Floor Kataria Complex,
Near Axis Bank, New Railway Road,
Gurugram- 122001
Email Address: -advocatedeepak9009@gmail.com

NAME CHANGE
I, ROSHAN KUMAR SHARMA S/O RAM VILASH SHARMA R/O H NO G-198, SHIV DURGA VIHAR, LAKKARPUR, FARIDABAD, SURAJKUND, FARIDABAD, HARYANA - 121009, I have changed my name from ROSHAN KUMAR TO ROSHAN KUMAR SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Amrit Rajbongshi Father of No.4581597M, Rank_Hav Chandan Rajbongshi R/o. Vill. Bhehbari, PO - Gurmow, Teh-Rangia, District. Kamrup, Assam-781366 have changed my name from Amrit Rajbongshi to Amrit Das vide affidavit datd 20.05.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Jayan Rajbongshi Mother of No.4581597M, Rank_Hav Chandan Rajbongshi R/o. Vill. Bhehbari, PO - Gurmow, Teh-Rangia, District. Kamrup, Assam-781366 have changed my name from Jayan Rajbongshi to Jayan Das vide affidavit datd 20.05.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.4581336Y Rank-Hav Name-Shingne Kiran Zanaklal residing at Vill-Chikhli, PO-Chilkhli, Teh-Chikhli, Distt. -Buldhana, MH-443201 have changed my minor son's name from Prathmesh to Shingne Prathmesh Kiran vide affidavit dated 21.05.2025 executed before Notary Public, Delhi

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, MUNNI LAL SAH S/O LATE PRABHUNATH R/O 118, Shivpur Kapoor Diyar-2, Shivpur Kapurdiar, Ballia, Uttar Pradesh-277216 declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as MUNNI LAL GOND and ANKIT GOND in my minor son namley ANKIT SAH aged 13 years in his School Records. The actual name of Mine and my minor son are MUNNI LAL SAH and ANKIT SAH respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, K ALAGULAKSHMI is legally wedded spouse of No. 15693062N Rank-L/HAV Name- G KODEESWARAN, Unit- 14 CESR R/o 1/50, EAST STREET, VPO-VILLIPATHIRI, DIST-VIRUDHUNAGAR, TAMIL NADU, PIN-626001, have changed my name from K ALAGULAKSHMI to A ALAGULAKSHMI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 20/05/2025. Before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is brought to the notice of public at large that my client TEHSIL KHAN S/O LATE HAMEED KHAN, R/O H. NO. 63, PADARTHPUR, PADARTHPUR, BAREILLY, BAREILLY UTTAR PRADESH 243123 has disowned her Daughter namely TABASSUM @NISHA W/O IMRAN KHAN R/O VILLAGE SINGHAL KALA SINGHAI KALA BARELLY UP 243503 from all her movable and immoveable properties. My client & her Family members shall not be responsible for any acts/deeds (Civil /Criminal) done by her daughter namely TABASSUM @ NISHA or any of them.
DEEP KISHORE DASS
Advocate
CHAMBER NO.432 SAKET COURT COMPLEX, LAWYERS BLOCK, NEW DELHI 110017

NAME CHANGE
It is for general information that I TASLEEM ANSARI S/O FAKHRUDDIN ANSARI R/O C-2/185, NEAR AKBARI MASJID, NEW ASHOK NAGAR, VASUNDHRA ENCLAVE PO: VASUNDHRA ENCLAVE, DISTRICT EAST DELHI, DELHI-110096, declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as TASLEEM and MOHD ANAS in my MINOR SON namely MOHD ANAS ANSARI aged 17 years in his Birth certificate No-MCDOLR08311631, and name of my minor son has been wrongly written as MOHAMMAD ANAS in his passport No- U7906001 and OBC certificate No- 90500000690635. The actual name of mine and my minor son are TASLEEM ANSARI and MOHD ANAS ANSARI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RIYA D/o SUKHENDRA KUMAR CHAUDHARY, R/o H No.-RZ-138A, F/F, Kh No. 24/1, Gali No. 9, Shiv Block, Raghu Nagar, PO: Dabri, Dist: South West Delhi, Delhi-110045, declare that name of my Father has been wrongly written as S K CHAUDHARY in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father is SUKHENDRA KUMAR CHAUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHAMMAD FARUQ SAIFI S/o LATE SULTAN AHAMAD residing at Near Pipal Wali Masjid, Mohalla Mewatiyan Nai Abadi, Dadri, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203207, declare that name of mine and my Father has been wrongly written as MOHAMMAD FARUQ SHEFI and LATE SHRI SULTAN AHMED in my Service Book. The actual name of mine and my father are MOHAMMAD FARUQ SAIFI and LATE SULTAN AHAMAD, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JYOTI ARORA W/O TARUN TANEJA resident of F-13, THIRD FLOOR, LAJPAT NAGAR-1, South Delhi, 110024 have changed my name to SIMRAN TANEJA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client, **Amit Garg & Ruchi Garg,** who have approached **IDBI Bank Ltd.** for the purchasing of **Residential Property/Plot No. 4, Area measuring 279.55 Sq. Yds., Class-D, on Road No. 6, situated in the Residential Colony known as Punjabi Bagh (East), New Delhi - 110026., Mrs. Shalini Arora** Purchased this property through 1) Sale Deed dated 30.04.2024, Vide Regd. Document No. 2024/6/I/2937, 2) Sale Deed dated 25.01.2024, Vide Regd. Document No. 2024/6/I/557, & 3) Sale Deed dated 31.01.2024, Vide Document No. 2024/6/I/666.
It is to mention that the **1) Sale Deed dated 03.03.1964** Vide Document No. 2122, **2) Sale Deed dated 14.01.1970** vide Document No. 324, and **3) Sale Deed dated 01.06.2005** Vide Document No. 2100, in respect of the said property, are lost by the Customer/Owner.
And the said property is going to be mortgaged in **IDBI Bank Ltd., Faridabad, Haryana.** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim, demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE
I, Army No.10467057M Ex Hav Mahender Kumar aged 54 years S/o Sh Lachman Ram residing at Village Jahmat P.O.Jahmat, Tehsil - Baldwara Distt. Mandi, HP -175033 declare that name and date of my wife has been wrongly written as Kamlesh Devi DOB: 26.05.1971 but the correct name and DOB of my wife is Kamla Devi DOB: 03.09.1969 vide affidavit dated 24.02.2025 executed before Notary Public, Baldwara, HP.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Vishal Jain & Mrs. Shalu Jain are the owner of Freehold Industrial Plot No. 52, Block-B, area measuring 666.66 Sq. Yds., i.e., 557.39 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 222, 223, Situated at Roop Nagar Industrial area Pargana & Tehsil Loni Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh., by virtue of GPA, ATS & Will dated 07.06.2017 duly registered in the office of SR- IV, Ghaziabad, Vide Doc. No. 2404, Vol. No. 1197, Book No.4, On Pages 15-30, dated 07.06.2017. in the chain Documents below mentioned document not available i.e. Chain Document executed by Mr. Mohd. Saleh S/o Mohd. Usman in favour of Mr. Vipin Kumar Gupta S/o Mr. Raj Kishore Gupta in respect of said property., our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and Same Property which is to be sold to Mr. Ranjeet Kumar and same has been financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd Branch: Dwarka New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Mumtaz Alam S/o Mr. Abdul Haqe is the owner of Freehold Residential Property No. 52-A, area measuring 40 Sq. Yds., Built on Part of Property No. 52, out of Khasra No. 18/21, situated in the Revenue Estate of Village Razapur Khurd, Colony known as R-3/A-2 Block, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue of Notarized GPA along with ATS & Will Dated 30.10.2022 now our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same Property Sold too be Md Saddam Ansari which is to be financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client Sh. Phool Chand Yadav S/o, late Sh. Ramadhar Yadav owner of R/o F-45/A, Madrasi Colony, Gali no. 5, Jaitpur Ext., Badarpur New Delhi-110044 has disowned and disinherited his two son's namely Anil Yadav his wife Saroj Yadav and their children namely Vansh Yadav and Vanshika Yadav and his other son Ashok Yadav his wife Poonam Yadav and their daughter Anshu Yadav and Kishuna Yadav from his all immovable and movable properties/assets including his above residence and Shop no. D-27 Madrasi Colony, Gali no. 4 Jaitpur Ext., Badarpur New Delhi-110044 and other property situated in U.P. and have severed all relations with them. My client shall not be responsible for any act and omission of said disowned son.
Akshay Sharma Advocate
741, Saket District Courts,
New Delhi-110017

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **बिलाल पुत्र मोहम्मद दिलशाद पताः 30, फुटा रोड़, मुगलई चिकन कॉर्नर हिंडन विहार, गाजियाबाद, यूपी ने एफआईआर संख्या 104/2021 धारा 25/54/59 ए एक्ट के तहत** थानाः नंद नगरी दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **बिलाल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **बिलाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 104/2021 धारा 25/54/59 ए एक्ट के तहत थाना नंद नगरी, दिल्ली के उक्त बिलाल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं.19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6250/NE/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82(2)(ii) Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **राहुल उर्फ पालतू पुत्रः नूरजोमल, पताः** 210, गली नं. 03, एफ ब्लॉक, बुद्धा नगर, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, **FIR No. 94/2018, U/s 380/457/411/34 IPC,** थानाः एम.एस. पार्क, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल उर्फ पालतू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल उर्फ पालतू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 94/2018, U/s 380/457/411/34 IPC,** थानाः एम.एस. पार्क, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **राहुल उर्फ पालतू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री ऐश्वर्या सिंह कश्यप
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–06
पहली मंजिल, कमरा नं. 25,
कड़कड़डूमा कोर्ट, नई दिल्ली

DP/6265/SHD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गुलफाम पुत्र रफीक निवासी 25 फुटा रोड, अशोक विहार, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.)** ने केस **एफआईआर नं. 139/2017 अन्तर्गत धारा 392/394/411/34 आईपीसी, थाना एमएस पार्क, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गुलफाम पुत्र रफीक** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गुलफाम पुत्र रफीक** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 139/2017 अन्तर्गत धारा 392/394/411/34 आईपीसी, थाना एमएस पार्क, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गुलफाम पुत्र रफीक** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.08.2025** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
ऐश्वर्या सिंह कश्यप
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–06
कमरा नं. 25, प्रथम तल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/6263/SHD/2025
(Court Matter)

यातायात पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को दी स्पेशल ट्रैफिक इंजीनियरिंग की ट्रेनिंग

गुरुग्राम। पुलिस उपायुक्त यातायात डा. राजेश मोहन के निर्देशानुसार में, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय हाईवे सत्यपाल यादव की देखरेख में ट्रैफिक टॉवर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ रोड ट्रैफिक एजुकेशन (आईआरटीई) सेंटर में एक विशेष ट्रैनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 15 यातायात पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को नवनिर्मित सेंटर मे ट्रैनिंग दी गई। इस स्पेशल ट्रैनिंग मे 01 यातायात निरिक्षक, 06 यातायात जोनल अधिकारी और 8 यातायात पुलिस सिपाहियों ने हिस्सा लियाद्ध इस सैंटर में ट्रेनिंग सेशन के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को ट्रैफिक इंजीनियरिंग ट्रैनिंग की बारीकियों, यातायात सम्बंधित समस्याओं, उनके समाधान, होने वाली सड़क दुर्घटनाओं, उनके रोकथाम, पैदल यात्रियों के सुरक्षित आवागमन और यातायात का सफल संचालन आदि बारे विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

अवैध कालोनियों को किया ध्वस्त

गुरुग्राम। पुलिस स्टेशन खेडक़ी दौला के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस बल की सहायता से शहरी क्षेत्र गुरुग्राम में अनधिकृत कॉलोनियों पर सफलतापूर्वक ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाँव लखनौला की राजस्व संपदा में 3.39 एकड़ में फैली एक अनधिकृत कॉलोनी, जिसमें 12 डीपीसी, 08 चारदीवारी और 2 संरचना और संपूर्ण सडक़ नेटवर्क तथा पिलर से किए गए सीमांकन को ध्वस्त कर दिया गया है। गाँव ककरोला की राजस्व संपदा में 13.19 एकड़ में फैली 01 अनधिकृत कॉलोनी, जिसमें 9 डीपीसी, 4 चारदीवारी और एक संरचना और संपूर्ण सडक़ नेटवर्क तथा पिलर से किए गए सीमांकन को ध्वस्त कर दिया गया है।

निगम में रिक्त पड़े पदों के कारण विकास कार्यों की गति पड़ी धीमी

गुरुग्राम। प्रदेशवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रयासरत हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदेश में सर्वाधिक रेवेन्यू देने के मामले में अग्रणी गुरुग्राम के नगर निगम में अधिकारियों की कमी के कारण शहरवासियों को न तो मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल रहा है और न ही शहरवासियों की समस्याओं का समाधान समय पर हो रहा है। विकास कार्य भी धीमी गति से चल रहे हैं। करीब 2 सप्ताह पूर्व शहर के कुछ एक्सईएन का तबादला किए जाने के बाद गुरुग्राम नगर निगम में अभी तक नए एक्सईएन की नियुक्ति नहीं की गई है। बतादें कि गुरुग्राम नगर निगम में कुल 4 जोन व 8 डिविजन हैं। नियम के अनुसार एक डिविजन में एक एक्सईएन होना चाहिए। यदि सरकार के पास अधिकारियों की कमी है तो फिर एक जोन में एक्सईएन होना चाहिए। वर्तमान में नगर निगम में मात्र 2 एक्सईएन के कंधों पर शहर के कार्यों का भार सौंपा हुआ है। क्षेत्र का एरिया बड़ा होने के कारण न तो अधिकारी समय पर लोगों के फोन उठा पाते और न ही विकास कार्यों को बढ़ावा दे रहे हैं। जिसके चलते शहर के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि हाल ही में मानेसर नगर निगम बनाया गया है। वहां पर 3 एक्सईएन कार्य कर रहे हैं। क्षेत्रफल के मामले में गुरुग्राम से छोटा होने के बावजूद मानेसर में गुरुग्राम से अधिक एक्सईएन हैं।

जिला में बाढ़ बचाव संबंधी सभी प्रबंध प्रभावी ढंग से किए जाएं सुनिश्चित - आयुक्त

नूंह। फरीदाबाद मंडल आयुक्त संजय जून ने कहा कि जिला में संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित विभाग जरूरी बचाव प्रबंध व तैयारियां समन्वित व प्रभावी ढंग से करना सुनिश्चित करें। सभी विभाग फील्ड स्तर के कार्यों का भौतिक निरीक्षण व समीक्षा करें। इस दौरान जो भी कमियां पाई जाती हैं, उन्हें समय रहते दूर करें, ताकि बाढ़ जैसी स्थिति बनने पर राहत व बचाव कार्यों को तत्परता से पूरा कर जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंडल आयुक्त लघु सचिवालय के सभागार में संबंधित विभागों के साथ बाढ़ बचाव प्रबंधों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम संवेदनशील क्षेत्रों का अद्यतन करें एवं उन स्थानों पर आवश्यक संसाधनों की तैनाती सुनिश्चित करें। सिंचाई विभाग खेतों में जमा होने वाले पानी की स्थिति का जायजा लेकर जरूरी कार्यवाही सुनिश्चित करे। जो भी ड्रेन, कैनाल, नाले या पुलिया आदि हैं, उन सभी की सफाई करवाई जाए, ताकि पानी की जल्द निकासी करना संभव हो। पानी निकासी के लिए मूवएबल अतिरिक्त पंप रखे जाएं। जहां पर स्थाई पंप लगे हुए हैं या लगाए जाने हैं, वहां पर बिजली का कनेक्शन लेकर इन्हें चालू हालत में रखा जाए।

शहर में क्राईम बरदास्त नहीं किया जाएगा : थाना प्रभारी राकेश कुमार

तावडू। शहर थाना प्रभारी के रूप में उपनिरीक्षक राकेश कुमार ने शहर थाने का कार्यभार संभाल लिया है। शहर में गस्त बढा दी गई है और यातायात व्यवस्था बाधित ने हो, इसके लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है। थाना प्रभारी राकेश कुमार ने कहा कि शहर में क्राईम बरदास्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि या तो अपराधी शहर को छोडकर चले जाएं, अन्यथा अपराध करने पर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

12 जिलों में 12 नए श्रम न्यायालय स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनुमति प्रदान कर दी गई- अनिल विज

हर जिला में श्रम न्यायालय स्थापित होने से श्रमिकों को मिलेगा शीघ्र न्याय- विज

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा में अब श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए औद्योगिक विवादों को शीघ्र अति शीघ्र निपटाने के लिए राज्य में कुल 26 श्रम न्यायालय संचालित होंगे। इस संबंध में 12 जिलों में 12 नए श्रम न्यायालय स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनुमति प्रदान कर दी गई हैं।

उल्लेखनीय है कि श्रम मंत्री ने श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए अन्य 12 जिलों नामतः पंचकूला, यमुनानगर, कुरूक्षेत्र, करनाल, कैथल, जींद, सिरसा, महेन्द्रगढ, भिवानी, चरखी-दादरी, फतेहाबाद एवं मेवात (नूंह) में श्रम न्यायालय स्थापित करने के लिए अपनी ओर से मुख्यमंत्री को एक प्रस्ताव बनवाकर भिजवाया था, जिस पर मुख्यमंत्री ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है।

श्री विज ने बताया कि इन 12 श्रम न्यायालयों की स्थापना हेतू बुनियादी ढांचा, फर्नीचर, वाहन,

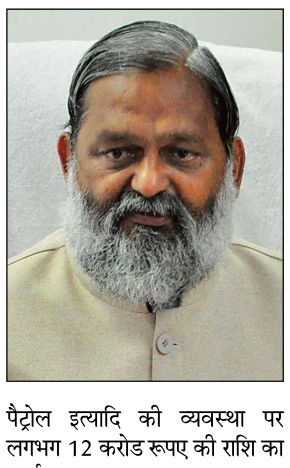

पैट्रोल इत्यादि की व्यवस्था पर लगभग 12 करोड रूपए की राशि का खर्च आएगा।

वर्तमान में 6 जिलों में 9 श्रम न्यायालय संचालित, एक निर्माणाधीन, चार की मिली पहले ही मंजूरी

उन्होंने बताया कि वर्तमान में 6 जिलों (अंबाला में एक, पानीपत में एक, हिसार में एक, रोहतक में एक, गुरूग्राम में दो तथा फरीदाबाद में तीन) में 9 श्रम न्यायालय संचालित हैं, जबकि जिला रेवाडी के बावल में एक श्रम न्यायालय निर्माणधीन है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के बजट भाषण के अनुरूप सोनीपत में एक, झज्जर में एक, पलवल में एक तथा रेवाडी में एक अर्थात चार अन्य श्रम न्यायालयों को पहले ही मंजूरी प्रदान कर दी गई थी। इस प्रकार से 10 जिलों में कुल 14 श्रम न्यायालय की संख्या हो गई थी।

राज्य के अन्य 12 जिलों में 12 नए श्रम न्यायालयों को स्थापित करने के लिए श्रम मंत्री श्री अनिल विज के प्रयासों से इस प्रक्रिया को सिरे चढा दिया गया है और आज उन्होंने इस बारे में बताया कि हरियाणा में अब कुल 26 श्रम न्यायालय होंगें। श्री विज ने कहा कि वे चाहते हैं कि श्रम विभाग से संबंधित औद्योगिक विवादों को जल्द से जल्द निपटाया जाना चाहिए ताकि श्रमिकों को समय पर न्याय मिल सकें, इसलिए प्रत्येक जिला में श्रम न्यायालय स्थापित किए जा रहे है।

अवैध रुप से रहने वाले बांग्लादेशियों को किया जाएगा डिपोर्ट, सरकार पूरी तरह से अलर्ट : डॉ अरविंद शर्मा

तीस मई को गांव पहरावर में होने वाला भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम होगा ऐतिहासिक

एजेंसी

रोहतक। प्रदेश के सहकारिता, कारागार एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि नायब सरकार प्रदेश में कोई की कोर कसर नहीं रहने देगी और नायब सरकार की नीतियों के चलते हरियाणा विकास के मामले में नंबर एक पर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कई ऐसी योजनाओं की शुरुआत की है, जिन्हें देश के अन्य राज्य भी अनुसरण कर रहें है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि सबको पता है कि अब कांग्रेस के पास कुछ नहीं बचा है, कांग्रेस नेता तो सिर्फ सरकार के अच्छे कामों पर नुक्स ढूंढने में लगे हुए है, उन्हें जनता व विकास कार्यों से कोई लेना-देना नहीं है। बुधवार को कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गांव पहरावर में 45 लाख रुपये की लागत से दादा लख्मीचंद पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना की आत्मनिर्भरता उजागर हुई है और देश के दुश्मनों को भी पता चला गया कि भाजपा ने ताला लगाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से हर वर्ग पूरी तरह से खुश है और केन्द्र व प्रदेश सरकार ने पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। इस

अगर कोई हरकत की तो उनका नामो-निशान मिट जाएगा। डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि आज हरियाणा के युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची सरकारी नौकरी, पारदर्शी तरीके से तमाम योजनाओं का लाभ मिल रहा है। पहले कांग्रेस के शासन में दलाल सिस्टम था, जिस पर दौरान कैबिनेट मंत्री ने लोगों की समस्याएं भी सुनी और अधिकारियों को निर्देश दिये कि गंभीरता के साथ समस्याएं निपटाएं और पीने के पानी की शिकायत पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस तरह की शिकायत नहीं आनी चाहिए और इसका हल किया जाए।

संयुक्त स्वामित्व भूमि विभाजन प्रक्रिया हुई सरल- डॉ. सुमिता मिश्रा

साझा भूमि पर चल रहे अधिकांश विवादों का होगा शीघ्र समाधान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने लंबे समय से लंबित भूमि विवादों के समाधान और संपत्ति विभाजन की प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से हरियाणा भूमि-राजस्व (संशोधन) अधिनियम, 2025 लागू किया है। इस अधिनियम में किया गया संशोधन विशेष रूप से संयुक्त भूमि जोत परिवार के सदस्यों के बीच उत्पन्न होने वाली जटिलताओं का समाधान करता है। वित्त आयुक्त एवं गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती सुमिता मिश्रा ने बताया कि यह नया कानून - हरियाणा भूमि-राजस्व (संशोधन) अधिनियम, 2025 - उन प्रमुख समस्याओं का समाधान करता है, जिनमें कई पारिवारिक सदस्य एक साथ किसी भूमि के स्वामी होते हैं। पहले की स्थिति में यदि भाई-बहन या अन्य रक्त संबंधी किसी भूमि के साझे मालिक होते थे, तो बिना सामूहिक सहमति के सरकार उस भूमि का विभाजन करने में अक्षम रहती थी। डॉ. मिश्रा ने बताया कि अब इस अधिनियम के माध्यम से धारा 111-ए का विस्तार करते हुए इसे लगभग सभी भूमि मालिकों पर लागू किया गया है, केवल पति-पत्नी को इस दायरे से बाहर रखा गया है। इसका अर्थ है कि अब रक्त संबंधियों के बीच साझा भूमि पर चल रहे अधिकांश विवादों का शीघ्र समाधान संभव हो सकेगा।

इन विवादों के निपटान की प्रक्रिया को और तेज करने के लिए, अब राजस्व अधिकारी स्वतः संज्ञान लेते हुए संयुक्त भूमि स्वामियों को नोटिस जारी कर सकेंगे। ये नोटिस सभी साझेदारों को छह महीने के भीतर आपसी सहमति से भूमि विभाजन के लिए प्रोत्साहित करेंगे, ताकि भूमि अभिलेखों का नियमितीकरण हो सके और प्रत्येक भूमि स्वामी को स्पष्ट अधिकार मिल सके। इससे भविष्य में विवादों की गुंजाइश कम होगी और न्यायालयों में मुकदमेबाजी से बचा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव के तहत अब धारा 114 को समाप्त कर दिया गया है। पहले इस धारा के अंतर्गत राजस्व अधिकारियों को यह जांच करनी होती थी कि क्या अन्य सह-स्वामी भी विभाजन चाहते हैं और उन्हें आवेदनकर्ता के रूप में शामिल करना होता था। अब किसी भी एक साझेदार द्वारा किए गए आवेदन पर उसका हिस्सा विभाजित किया जा सकेगा, भले ही अन्य सह-स्वामी सहमत हों या नहीं। इससे प्रक्रिया और अधिक तेज एवं सरल हो जाएगी और प्रत्येक स्वामी को अपनी भूमि का स्वतंत्र उपयोग करने का अधिकार मिलेगा। डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि ये संशोधन भूमि प्रशासन को तेज, सरल और नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य विभाजन संबंधी मामलों में देरी और कानूनी विवादों को कम करना, प्रत्येक भूमि स्वामी को उनके हिस्से पर अधिकार और उपयोग का अवसर देना तथा राजस्व प्रक्रियाओं को सरल बनाना है।

सचिवालय में बम की सूचना निकली अफवाह

प्रशासन की सतर्कता और मॉक ड्रिल ने दिखाई तैयारी

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम सिविल सचिवालय में बुधवार एक संदिग्ध ईमेल मिलने से हलचल मच गई। ईमेल में परिसर में बम होने की बात कही गई थी। लेकिन प्रशासन ने स्थिति को बेहद संयम और तत्परता से संभालते हुए सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत सक्रिय किया। बम निरोधक दस्ते, पुलिस और अन्य विशेषज्ञ टीमों द्वारा सचिवालय परिसर की गहन तलाशी ली गई।

कई घंटे चली इस व्यापक जांच के बाद यह स्पष्ट हो गया कि यह महज एक अफवाह थी – परिसर में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। हालांकि, सावधानी के तौर पर दोपहर 2 बजे सचिवालय भवन को अस्थायी रूप से खाली कराया गया और पूरे भवन की बम स्क्वाड ने स्कैनिंग की। उपायुक्त अजय कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि प्राप्त ईमेल में जताई गई

बम की आशंका झूठी और निराधार साबित हुई है। यह एक अफवाह थी, लेकिन हम किसी भी स्थिति को हल्के में नहीं लेते। नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मामले की साइबर जांच की जा रही है और ईमेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास तेज़ी से किए जा रहे हैं।लघु सचिवालय परिसर में बम स्क्वायड की जांच के उपरांत एसडीएम परमजीत चहल ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य भवन की जाँच के उपरांत किसी प्रकार की विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। स्कैनिंग के दौरान एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड व सिविल डिफेंस की टीम पूरी तरह मुस्तैद रही।

यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा सड़क पर गिरे पेड़ और टहनियों को हटाकर किया सराहनीय कार्य

एजेंसी

गुरुग्राम। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा यातायात के व्यवस्थित, सुगम व सुचारू संचालन के लिए हर सम्भव प्रयास/कार्य किए जाते ह। इसी क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त यातायात ईस्ट विरेन्द्र की देखरेख में यातायात पुलिस द्वारा सडक़ पर गिरे पेड़ और टहनियों को रोड़ से हटाकर यातायात के संचालन को व्यवस्थित व सुचारू कराने का सराहनीय कार्य किया। अधिक बरसात होने पर या तेज आंधी आने पर काफी वर्षों पुराने पेड़ टूट कर सडक़ पर गिर जाते हैं, जिसके कारण यातायात का सुचारू व व्यवस्थित संचालन को प्रभावित होता है। इस प्रकार की समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए यातायात पुलिस गुरुग्राम ने अहम भूमिका निभाती। जब भी बरसात, आंधी, तूफान व अन्य किसी कारणों से सडक़ों/रास्तों पर पेड़ व टहनियां गिर जाती है तो पुलिस द्वारा उन्हें वहां से हटवाकर यातायात का पड़े पेड़ को हटवाकर यातायात का संचलान सुचारू करवाया गया।

संचालन सुचारू रूप से कराया जाता है। खुशबु चौक पर अचानक एक पेड़ टूटकर सडक़ पर गिर गया था, जिसको यातायात निरक्षक नीरज व अन्य यातायात पुलिस कर्मचारियों ने सडक़ पर गिरे यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा आमजन सुरक्षा, सेवा तथा यातायात के सुचारू व व्यवस्थित संचलान के लिए भविष्य में भी सराहनीय कार्य किए जाते रहेंगे।

धनखड़ परिवार से मिले पीएम मोदी

एजेंसी

झज्जर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्नेहभाव के साथ अपने निवास पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व मंत्री औमप्रकाश धनखड़ के परिवार से मुलाकात की। पीएम मोदी ने औमप्रकाश धनखड़ के पौत्र तेजस को स्नेह व नवविवाहित छोटे बेटे एडवोकेट आशुतोष व पुत्रवधु एडवोकेट रिया को शादी की शुभकामनाएं देते हुए धनखड़ व राठी परिवार को बधाई दी। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने पूरी आत्मीयता के साथ पूर्व मंत्री धनखड़ के पिताजी वैद्य मोहोबत सिंह और माता जी छोटो देवी से कुशलक्षेम पूछा। लम्बी गपशप की । उनके स्वस्थ रहने और दीर्घायु की कामना की। पुत्र वधु जीना व पुत्र आदित्य को जीवन परिश्रम व पुरुषार्थ के महत्त्व पर प्रेरित किया । इस अवसर पर पूर्व मंत्री की धर्म पत्नी निरूपा धनखड़ , समधी , जज सुरेंद्र राठी, समधन प्रो अंजू रतन राठी उनके सुपुत्र और पुत्र वधु, एडवोकेट दिव्यांश हनु राठी और एडवोकेट सुमेधा सिंधु राठी । धनखड़ ने कहा कि परिवार की खुशियों के पलों में देश के माननीय प्रधानमंत्री जी का आशीर्वाद प्राप्त होना हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। यह अविस्मरणीय क्षण ताउम्र हमारी स्मृतियों में अंकित रहेंगे । प्रधानमंत्री जी ने तेजस को अत्यंत स्नेह और आशीर्वाद से अभिभूत किया – इसके लिए हम हृदय से कृतज्ञ हैं ।

हम भाखड़ा का 9 हजार क्यूसेक से एक क्यूसेक भी कम पानी नहीं लेंगे: अभय सिंह चौटाला

25 मई को पंजाब हरियाणा बॉर्डर के रास्ते को बंद करके सांकेतिक बंद किया जाएगा : अभय चौटाला

पंजाब ने अगर फिर भी पानी नही दिया तो 1 जून से पंजाब बॉर्डर पर पक्के मोर्चे लगाएंगे

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब द्वारा भाखड़ा का पानी न देने पर इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में 15 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने सुबह राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उसके बाद जाट भवन, चंडीगढ़ में इनेलो की राष्ट्रीय एवं राज्य कार्यकारिणी की बैठक में पहुंचे। प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में तीन प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक के बाद अभय सिंह चौटाला ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब सरकार ने 9 हजार की बजाय 5 हजार क्यूसेक पानी दिया है। प्रदेश में सिंचाई के लिए ही नहीं बल्कि लोगों और मवेशियों के लिए पीने का भी पानी नहीं हैं। 25

मई को पंजाब हरियाणा बॉर्डर के रास्ते को बंद करके सांकेतिक बंद किया जाएगा जिसमें पंजाब नम्बर के सभी वाहनों को रोका जाएगा। अंबाला जॉन में पंजाब के दो बॉर्डर है उनमें प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा के नेतृत्व में बंद करेंगे। सिरसा बॉर्डर पर अदित्य देवीलाल के नेतृत्व और नरवाना बॉर्डर पर वे स्वयं पंजाब के रास्ते को गुरुग्राम जॉन और जींद जिला मिलकर बंद करेंगे।अभय सिंह चौटाला ने कहा कि पानी के मुद्दे पर भाजपा राजनीति कर रही है। हम भाखड़ा का 9 हजार क्यूसेक से एक क्यूसेक भी कम पानी नहीं लेंगे। पंजाब ने अगर फिर भी पानी नही दिया तो 1 जून से पंजाब बॉर्डर पर पक्के मोर्चे लगाएंगे। हम कांग्रेस से भी आह्वान करते हैं कि पानी की इस लड़ाई में हमारे साथ शामिल हो। अगर कांग्रेस सही में पानी के मुद्दे पर गंभीर है तो इस लड़ाई में साथ आए। अभय चौटाला ने कहा कि पंजाब सीएम भगवंत मान रात को 8 बजे जीतकर सोते हैं। हरियाणा और पंजाब दोनों के सीएम डमी है। पंजाब सीएम को दिल्ली से केजरीवाल और हरियाणा के सीएम को दिल्ली से मनोहर लाल चलाते हैं। प्रदेश के अंदर शिक्षा के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त की है। सरकार शिक्षा क्षेत्र में निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। सरकारी स्कूलों में एडमिशन बढ़ाने की व्यवस्था करें। टीचर्स की भर्ती करें और एचकेआरएन से हटाए गए टीचर्स को पुनः नियुक्ति दे और पक्की भर्ती करें। इनेलो ने एक प्रस्ताव यह भी पारित किया है एसवाईएल की लड़ाई फिर से शुरू की जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा अध्यक्ष की चाची के निधन पर किया शोक व्यक्त

एजेंसी

करनाल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की चाची श्रीमती गुरूबचनी देवी के निधन पर उनके निवास स्थान कल्याण फार्म पहुंचकर शोक व्यक्त किया तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार में अपनो का जाना

बेहद दुखद होता है लेकिन संसार में जीवन और मृत्यु निश्चित है। उन्होंने पारिवारिक सदस्यों का ढांढस बंधाया। बता दें कि श्रीमती गुरूबचनी देवी का निधन 19 मई को हो गया था। इस अवसर पर प्रदेश के सहकारिता, जेल, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा , करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रवीन लाठर भी उपस्थित थे।

फसली ऋण पर 07 फीसदी ब्याज वसूलना अन्नदाता किसानों के साथ क्रूर मज़ाक :कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि फसली ऋण पर 07 फीसदी ब्याज वसूलने का नया फरमान किसानों पर भाजपा सरकार का नया अत्याचार है। ये भाजपा सरकार अन्नदाताओं पर और कितना कहर ढाएगी। यह ताज़ा आदेश अन्नदाता किसानों के साथ क्रूर मज़ाक है। किसान पहले ही मौसम की मार, महंगी खेती, और मंडियों की अव्यवस्था से जूझ रहा है। ऐसे में उस पर ब्याज की तलवार चलाना न केवल अमानवीय है, बल्कि सरकार की किसान विरोधी सोच को उजागर करता है। अगर सरकार वाकई किसान हितेषी है तो उसे यह आदेश तत्काल प्रभाव से वापस लेना चाहिए। भाजपा सरकार को याद हो कि पूर्व कांग्रेस सरकार ने फसली ऋण पर ब्याज माफ किया था। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि शायद भाजपा सरकार को याद होगा अगर नहीं है तो याद करना होगा कि पूर्व में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में किसानों को राहत देते हुए फसली ऋण पर ब्याज माफ किया गया था। किसानों को सम्मान और सहारा देने का काम किया गया। पर भाजपा सरकार लगातार किसानों को कर्ज के बोझ तले दबा रही है। इतना ही नहीं, वर्तमान भाजपा सरकार में व्यापारियों को भी 10 से 12 प्रतिशत की भारी ब्याज दर पर ऋण दिया जा रहा है। इससे व्यापारियों की कमर टूट रही है। महंगाई और मंदी के इस दौर में जब व्यापार पहले ही संकट में है, तब सरकार का यह रवैया उन्हें आर्थिक रूप से और भी अधिक कुचल रहा है। प्रदेश में किसानों और व्यापारियों दोनों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक ओर फसली ऋण पर 7 प्रतिशत ब्याज, दूसरी ओर व्यापारिक ऋण पर दो अंकीय ब्याज दरें।

ईपीएफओ ने मार्च 2025 के दौरान 14.58 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। सेवानिवृति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मार्च महीने के दौरान कुल 14.58 लाख सदस्य जोड़े हैं। यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 1.15 फीसदी अधिक है। ईपीएफओ ने इस साल मार्च में करीब 7.54 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। यह फरवरी, 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 2.03 फीसदी और मार्च 2024 की तुलना में 0.98 फीसदी अधिक है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि नए सदस्यों की संख्या में वृद्धि रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभ के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल जागरूकता कार्यक्रमों के कारण है। मंत्रालय ने बताया कि? इससे पता चलता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले ज्यादातर व्यक्ति युवा हैं। आंकड़ों के मुताबिक नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग के 4.45 लाख सदस्य थे, जिससे नए सदस्यों में इनकी हिस्सेदारी 58.94 फीसदी रही। इसके अलावा मार्च 2025 में 18-25 आयु वर्ग के कुल सदस्यों की संख्या में मासिक आधार पर 4.21 फीसदी और सालाना आधार पर 4.73 फीसदी की वृद्धि हुई। इससे पता चलता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले ज्यादातर व्यक्ति युवा हैं।कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मार्च 2025 में करीब 7.54 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। फरवरी, 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 2.03 फीसदी और मार्च 2024 की तुलना में 0.98 फीसदी अधिक है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी

दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 61.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.08 प्रतिशत की तेजी लेकर 64.96 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

बीएलएस ई-सर्विसेज की 2027 तक 60000 बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट का नेटवर्क बनाने की योजना

नई दिल्ली। तकनीक सक्षम डिजिटल सेवा प्रदाता कंपनी बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड ने भारत के ग्रामीण, अर्ध-शहरी और कम सेवा वाले क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वित्त वर्ष 2027 तक अपने बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) नेटवर्क को 60 हजार एजेंटों तक विस्तार करने की योजना की घोषणा की है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि वर्तमान में कंपनी 44 हजार 800 से अधिक सक्रिय बीसी के साथ 700 जिलों में कार्यरत है और वित्त वर्ष 2025 में 87 हजार करोड़ रुपये से अधिक के एक करोड़ 40 लाख से अधिक लेनदेन दर्ज कर चुकी है। कंपनी अब तक 12 लाख से अधिक बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खाते खोल चुकी है और एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की डीबीटी राशि वितरण में सहभागी रही है। बीएलएस की 300 से अधिक सेवाओं में एईपीएस, खाता खोलना, बिल भुगतान, माइक्रो-लोन और बीमा जैसी सेवाएं शामिल हैं। कंपनी के अध्यक्ष शिखर अग्रवाल ने बताया, कंपनी का लक्ष्य हर आउटलेट को 'वन-स्टॉप डिजिटल एक्सेस पॉइंट' बनाना है ताकि प्रत्येक घर को औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच मिल सके।

इंडसइंड बैंक को 2328.9 करोड़ का नुकसान

मुंबई। निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक को 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 2328.9 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ है जबकि इसके पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में उसे 2349.2 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ था।

बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि उसे वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 2328.9 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ है। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही में उसका सकल शुद्ध मुनाफा 2349.2 करोड़ रुपये रहा था। इस अवधि में उसकी कुल आय 14706.7 करोड़ रुपये के मुकाबले 22.9 प्रतिशत घटकर 11342.7 करोड़ रुपये पर आ गई। वहीं, उसका कुल व्यय 10625.1 करोड़ रुपये से 11.4 प्रतिशत बढ़कर 11833.6 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आलोच्य अवधि में बैंक का सकल गैर निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) 1.92 प्रतिशत से बढ़कर 3.13 प्रतिशत हो गया। इसी तरह शुद्ध एनपीए 0.57 प्रतिशत से बढ़कर 0.95 प्रतिशत पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,430 रुपये से लेकर 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,310 रुपये से लेकर 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,00,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,430 रुपये प्रति 10 ग्राम

और 22 कैरेट सोना 89,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,430 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भारत ने 2025-26 के लिए एशियाई उत्पादकता संगठन की अध्यक्षता संभाली

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने औपचारिक रूप से एशियन प्रोडक्टिविटी ऑर्गनाइजेशन (एपीओ) की वित्त वर्ष 2025-26 कार्यकाल के लिए अध्यक्षता संभाल ली है। यह घोषणा 20 से 22 मई तक इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित एपीओ की 67वीं गवर्निंग बॉडी मीटिंग (जीबीएम) के दौरान की गई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव तथा भारत के लिए एपीओ निदेशक आईएएस अधिकारी अमरदीप सिंह भाटिया कर रहे हैं। एपीओ एक क्षेत्रीय अंतर सरकारी संगठन है, जो 1961 में स्थापित हुआ था। यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने के लिए सहयोग को बढ़ावा देता है। मंत्रालय ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में भारत ने एपीओ विजन 2030 और ग्रीन उत्पादकता 2.0 ढांचे को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। इसने डिजिटल परिवर्तन,

स्थिरता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया और समावेशी उत्तरदायी तथा परिणाम-उन्मुख एपीओ पहलों के लिए समर्थन का वचन दिया।

केएफसी ने नई किफायती 'एपिक सेवर्स' रेंज पेश की, अब 299 रुपये में मिलेगा बेहतरीन स्वाद

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के सबसे पसंदीदा क्विक सर्विस रेस्टोरेंट्स में से एक केएफसी इंडिया ने अपने ग्राहकों के लिए एपिक सेवर्स नामक एक नया प्रमोशनल ऑफर पेश किया है। इस ऑफर के तहत सिर्फ 299 रुपये में आप 7 बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स और 2 हॉट एंड क्रिस्पी चिकन पीसेज का मजा ले सकते हैं। ब्रांड ने इसके साथ एक नया कैंपेन फिल्म भी लॉन्च किया है जिसमें बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और एंटरटेनमेंट की दुनिया के जाने-माने नाम दानिश सैत नजर आ रहे हैं। दोनों अपने खास अंदाज़ में केएफसी की इस ऑफर को लेकर एक्साइटमेंट और चिकन लवर्स वाली मस्ती दिखाते हैं और यही वाइब नए ग्राहकों को भी तुरंत जोड़ लेती है। कंपनी नेएक बयान में कहा कि यह ऑफर देशभर के 1300 से ज्यादा केएफसी रेस्टोरेंट्स में उपलब्ध है, लेकिन सिर्फ डाइन-इन ऑर्डर के लिए वैध है। यह खासकर उन लोगों के लिए हिट है जो कम खर्च करके बेहतरीन स्वाद का आनंद

लेना चाहते हैं। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए है। केएफसी इंडिया और पार्टनर कंट्रीज की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अपर्णा भवाल ने कहा, ÷एपिक सेवर्स के ज़रिए हम उपभोक्ताओं को एक बेहद प्रतिस्पर्धी कीमत पर वैल्यू और स्वाद दोनों दे रहे हैं। 299 रुपये में केएफसी के 9 सिग्नेचर पीस–यह हमारे अब तक के सबसे प्रभावशाली वैल्यू ऑफर्स में से एक है। उन्होंने बताया कि इस रेंज को खासतौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जो स्वाद के साथ-साथ किफायत को भी अहमियत देते हैं। यह ऑफर केवल डाइन-इन के लिए उपलब्ध है, और यही इसे आउटलेट विज़िट के लिए एक उपयुक्त विकल्प बनाता है।

तीन दिनों की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटे खरीदार, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार तीनों दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार में आज खरीदार लौटते नजर आए। आज के कारोबार में सेंसेक्स एक बार फिर 82 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल हुआ। इसी तरह निफ्टी भी 24,900 अंक के स्तर को पार कर गया। हालांकि बाद में हुई बिकवाली के कारण दोनों सूचकांक ऊपरी स्तर से नीचे फिसल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.51 प्रतिशत और निफ्टी 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज पूरे दिन के कारोबार के दौरान रियल्टी, डिफेंस और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स आज गिरावट का शिकार हो गया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर मजबूती बनी रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 441.06 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 438.03 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.03 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,115 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,301 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,678 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 136 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,558 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,630 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 928 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 141.17 अंक की बढ़त के साथ 81,327.61 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण सुबह 10:30 बजे तक ये सूचकांक 835.20 अंक उछल कर 82,021.64 अंक तक पहुंच गया।

फ्लिपकार्ट फैशन के एथनिक वियर कैटेगरी ने एक साल में जोड़े 60 लाख से ज्यादा ग्राहक, 90 फीसदी लोगों ने की बार-बार खरीदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट पर पिछले एक साल में 60 लाख से ज़्यादा लोगों ने एथनिक वियर की खरीदारी की है। इनमें से करीब 90 फीसदी ग्राहक ऐसे हैं जिन्होंने बार-बार शॉपिंग की। इस प्लेटफॉर्म पर आधे से ज्यादा एथनिक वियर खरीदार 25 से 35 साल के बीच हैं। यह दिखाता है कि ई-कॉमर्स का दायरा खासकर के युवाओं में कैसे तेजी से बढ़ रहा है।

फ्लिपकार्ट ने अपने महिलाओं के एथनिक वियर सेगमेंट की वृद्धि से जुड़े बड़े ट्रेंड्स सामने रखे। इन जानकारियों में क्षेत्रीय रुझानों, बदलते कस्टमर बिहेवियर और उन डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स की चर्चा की गई है, जो पारंपरिक पहनावे को आधुनिक रिटेल परिवेश में नए रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। 'हर रोज पहनने वाले' एथनिक वियर की देशभर में

मांग तेजी से बढ़ रही है, जिनमें बेंगलुरु, नई दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, पटना, लखनऊ, चेन्नई, पुणे, मुंबई और गुवाहाटी जैसे शहर खास हैं। खरीदारी के व्यवहार की यदि बात करें तो महिलाओं के एथनिक वियर में 65 फीसदी खरीदारी खुद महिलाएं करती हैं, जबकि पुरुषों के एथनिक वियर में 88 फीसदी शॉपिंग पुरुष खुद करना पसंद करते हैं। यह कैटेगरी छोटे शहरों में भी तेजी से पॉपुलर हो रही है। देश के टियर-3 और छोटे कस्बों से अब 55 फीसदी ग्राहक जुड़ रहे हैं, जो दिखाता है कि फैशन अब सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहा। आज के एथनिक फैशन में ट्रेडिशन और ट्रेंड का सुंदर मेल देखने को मिल रहा है। इंडो-वेस्टर्न आउटफिट्स भी युवाओं में काफी पसंद किए जा रहे हैं। फ्लिपकार्ट फैशन के वाइस प्रेसिडेंट कुनाल गुप्ता ने कहा, ÷फ्लिपकार्ट पर हम एथनिक वियर कैटेगरी, खासतौर पर साड़ी और कुर्ता में जबरदस्त वृद्धि देख रहे हैं, जो पूरे देश में ग्राहकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। एथनिक फैशन आज टियर-2 और टियर-3 शहरों के नए खरीदारों के लिए एक अहम प्रवेश द्वार बनकर उभरा है, जहां पारंपरिक पहनावे की जरूरतें अब ऑनलाइन शॉपिंग की सुविधा से पूरी हो रही हैं। यह सेगमेंट न केवल नए ग्राहकों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, बल्कि हमारे विविध उपभोक्ता वर्ग की गहरी सांस्कृतिक पसंद को भी दर्शा रहा है।

कुमारस्वामी ने देश में ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने एक अंतर-मंत्रालयी बैठक में देशभर में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार की समीक्षा की। बैठक में भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही 10,900 करोड़ रुपये की पीएम ई-ड्राइव योजना में देशभर में 72,000 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का परिव्यय तय किया गया। केन्द्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने देशभर में ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे की समीक्षा करने तथा उसमें तेजी लाने के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा भारी उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। मंत्रालय ने बताया कि 2,000 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ पीएम ई-ड्राइव योजना देशभर में करीब 72,000 ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना का समर्थन करेगी। इन स्टेशनों को 50 राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारों के साथ-साथ मेट्रो शहरों, टोल प्लाजा, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों, ईंधन आउटलेट और राज्य राजमार्गों जैसे उच्च-यातायात स्थलों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन की समीक्षा करने और इसमें तेजी लाने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समन्वय बैठक में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और हरित परिवहन के जरिए नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए एक मजबूत, सुलभ एवं भविष्य के लिए तैयार ईवी परिवेश के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

इरेडा को डीपीई से मिली 'उत्कृष्ट' रेटिंग, शीर्ष 4 सीपीएसई में स्थान मिला और पावर एवं एनबीएफसी क्षेत्र में नंबर 1

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी, पूर्ण रूप से हरित वित्तपोषित, गैर बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी), भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) को सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) से 'उत्कृष्ट' रेटिंग मिली है। कंपनी ने शीर्ष 4 सीपीएसई में स्थान और पावर एवं एनबीएफसी क्षेत्र में प्रथम स्थान हासिल किया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (आईआरईडीए) को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी द्वारा हस्ताक्षरित वार्षिक प्रदर्शन समझौता ज्ञापन के लिए सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा विद्युत और एनबीएफसी क्षेत्र के सीपीएसई के बीच शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में मान्यता दी गई है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए

डीपीई द्वारा जारी सूची में 84 सीपीएसई की रेटिंग शामिल है। इसमें इरेडा देश के शीर्ष 4 सीपीएसई में शामिल है, जिसने 98 और उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इरेडा को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए लगातार चौथे वर्ष 7 जनवरी 2025 को एमओयू 'उत्कृष्ट' रेटिंग प्राप्त हुई। डीपीई द्वारा अब 84 सीपीएसई की समेकित सूची जारी की गई है। इरेडा के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, एनबीएफसी और पावर सेक्टर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सीपीएसई के रूप में पहचाने जाने और 98 और उससे अधिक स्कोर के साथ देश के शीर्ष 4 सीपीएसई में शामिल होने पर हमें बेहद खुशी है। यह उपलब्धि भारत के नवीकरणीय ऊर्जा विकास में तेजी लाने के लिए हमारी टीम के सामूहिक समर्पण और रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाती है। यह रेटिंग ग्रीन फाइनेंसिंग में इरेडा के नेतृत्व और अभिनव और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों से राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

इंडिगो जुलाई में मुंबई से मैनचेस्टर, एम्स्टर्डम के लिए शुरू करेगी उड़ानें

एजेंसी

नई दिल्ली। बजट एयरलाइन कंपनी इंडिगो जुलाई में मुंबई से पट्टे पर लिए गए बोइंग 787-9 विमानों के साथ मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए अपनी सीधी उड़ानें शुरू करेगी। ब्रिटेन के इस शहर के लिए उड़ान सेवा की शुरुआत के साथ एयरलाइन की लंबी दूरी की उड़ानों की भी शुरुआत होगी। इंडिगो ने जारी बयान में बताया कि वो अपने बेड़े के साथ-साथ विदेशी संपर्क का विस्तार कर रही एयरलाइन 01 जुलाई से मुंबई-मैनचेस्टर (ब्रिटेन) उड़ान और 02 जुलाई से मुंबई-एम्स्टर्डम (नीदरलैंड) सेवा शुरू करेगी। एयरलाइन की दोनों सेवाएं हफ्ते में तीन बार संचालित की जाएंगी और इन मार्गों पर यात्रियों को निःशुल्क गर्म भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इंडिगो ने कहा कि यह मैनचेस्टर की उड़ान के साथ भारत और उत्तरी यूके के बीच सीधी कनेक्टिविटी

प्रदान करने वाली एकमात्र एयरलाइन होगी। एयरलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने कहा कि लंबी दूरी की उड़ानों में इसकी शुरुआत वैश्विक विस्तार की यात्रा में महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा, हम मुंबई को मैनचेस्टर से जोड़ने वाली अपनी पहली लंबी दूरी की सेवा की बिक्री शुरू करने पर बहुत गर्व और उत्साहित हैं, जो कई मायनों में बहुत ही खास मार्ग है। उल्लेखनीय है कि बजट एयरलाइन कंपनी इंडिगो वर्तमान में 400 से अधिक विमानों के बेड़े के साथ 90 से अधिक घरेलू और 40 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ने वाली 2,200 से अधिक दैनिक उड़ानें संचालित करता है।

खाद्य तेलों में टिकाव, अरहर दाल महंगी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि मांग निकालने से अरहर दाल महंगी हो गई वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 25 रिंगिट की गिरावट के साथ 3895 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.52 सेंट चढ़कर 50.02 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और पिछले स्तर पर पड़े रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में अरहर दाल में 100 रुपये प्रति क्विंटल तक की तेजी को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति में जमीनी स्तर पर भागीदारी शामिल होनी चाहिए : डीपीआईआईटी

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने प्रस्तावित 'राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति' के निर्धारण में छोटे खुदरा व्यापारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया है। डीपीआईआईटी ने कहा कि राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति में जमीनी स्तर पर भागीदारी शामिल होनी चाहिए।वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के मुताबिक राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (एनटीडब्ल्यूबी) की छठी बैठक मंगलवार को नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में हुई। इस बैठक का मुख्य फोकस 'वोकल फॉर लोकल' पहल पर था, जिसका उद्देश्य स्वदेशी उद्योगों और स्थानीय रूप से निर्मित वस्तुओं को बढ़ावा देना है। मंत्रालय के मुताबिक बैठक के दौरान उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के संयुक्त सचिव संजीव ने भारतीय अर्थव्यवस्था में खुदरा व्यापार क्षेत्र के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने बोर्ड के सदस्यों से राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति के निर्माण के लिए रचनात्मक और समावेशी सुझाव देने का आह्वान किया, जिसमें जमीनी स्तर से भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (एनटीडब्ल्यूबी) के अध्यक्ष सुनील जे. सिंघी ने इस बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने केंद्रीय बजट 2025-26 से व्यापारी और एमएसएमई केंद्रित कई घोषणाओं को रेखांकित किया, जिसमें नियामक प्रक्रियाओं के सरलीकरण, वित्तीय सहायता और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से एक अनुकूल व्यापार इको-सिस्टम बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड की यात्रा नामक एक

सिंघी ने सभी बोर्ड सदस्यों से अपने-अपने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस पहल की सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह किया।

विशेष पत्रिका का विमोचन किया गया, जिसमें बोर्ड की स्थापना के बाद से अब तक की उपलब्धियों, पहलों और उपलब्धियों का विवरण दिया गया है। सिंघी ने देश के छोटे व्यापारियों को सशक्त बनाने में डिजिटल परिवर्तन की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल छोटे खुदरा विक्रेताओं के लिए बाजार तक पहुंच और आय के अवसरों को काफी हद तक बढ़ा सकती है। सदस्यों से आग्रह किया गया कि वे स्थानीय व्यापारियों को ऐसे प्लेटफॉर्म पर लाने का सहयोग करें, ताकि डिजिटल अर्थव्यवस्था में उनका एकीकरण सुनिश्चित हो सके। चेयरमैन ने बताया कि व्यापार संघों और बोर्ड के सदस्यों की ओर से प्राप्त विभिन्न अभ्यावेदन उचित कार्रवाई के लिए संबंधित मंत्रालयों और विभागों को भेज दिए गए हैं। उन्होंने खुदरा क्षेत्र के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता और पहुंच बढ़ाने के लिए और सुझाव आमंत्रित किए। इस बैठक में केंद्र सरकार द्वारा नामित गैर-सरकारी सदस्यों ने भाग लिया, जो व्यापार संघों और विभिन्न राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते थे, साथ ही भारत सरकार के नौ प्रमुख मंत्रालयों और विभागों के पदेन सदस्य भी बैठक में शामिल हुए। मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक का मुख्य फोकस 'वोकल फॉर लोकल' पहल पर था, जिसका उद्देश्य स्वदेशी उद्योगों और स्थानीय रूप से निर्मित वस्तुओं को बढ़ावा देना है। सिंघी ने सभी बोर्ड सदस्यों से अपने-अपने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस पहल की सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने इस आंदोलन के राजदूत के रूप में कार्य करने की प्रतीकात्मक शपथ ली, जिससे देश भर में इसकी पहुंच और प्रभाव मजबूत हो।

भूलकर भी इन 7 चीजों के साथ ना खाएं दही, ये होते हैं साइड इफेक्ट्स

कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ हैं, जिनका सेवन दही के साथ करने से सेहत को फायदे की जगह नुकसान होने लगता है। आयुर्वेद में इन चीजों के साथ दही खाने की मनाही होती है। आइए जानते हैं ऐसी ही 7 चीजों के बारे में।

गर्मियों में दही का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार दही की ठंडी तासीर बॉडी को कूल रखने के साथ पाचन को भी बेहतर बनाए रखती है। प्रोबायोटिक्स और पोषक तत्वों से भरपूर दही का नियमित सेवन सेहत को कई गजब के फायदे देता है। बावजूद इसके कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ हैं, जिनका सेवन दही के साथ करने से सेहत को फायदे की जगह नुकसान होने लगता है। आयुर्वेद में इन चीजों के साथ दही खाने की मनाही होती है। आइए जानते हैं ऐसी ही 7 चीजों के बारे में।

दही के साथ भूलकर भी ना खाएं ये 7 चीजें

मछली

दही और मछली का एक साथ सेवन आयुर्वेद में वर्जित माना गया है। यह फूड कॉम्बिनेशन शरीर में विषाक्त पदार्थों को बढ़ाकर पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। जिससे त्वचा से जुड़ी समस्याएं या एलर्जी की परेशानी हो सकती है।

दूध

दही और दूध का फूड कॉम्बिनेशन पाचन के लिए भारी हो सकता है। ये दोनों ही चीजें लैक्टोज से भरपूर होती हैं, और इनका एक साथ सेवन पेट में गैस, सूजन या अपच का कारण बन सकती है।

उड़द दाल

उड़द दाल के साथ भी दही का सेवन करने से बचना चाहिए। यह फूड कॉम्बिनेशन पेट के लिए भारी और पचने में मुश्किल होता है। इन दोनों चीजों का सेवन एक साथ करने से पेट में भारीपन, अपच या गैस की समस्या हो सकती है।

खट्टे फल

नींबू, संतरा, या अन्य खट्टे फलों के साथ दही का सेवन करने से पेट में अम्लता बढ़ सकती है। यह फूड कॉम्बिनेशन पाचन को बिगाड़कर पेट दर्द का कारण बन सकता है।

आम

आम और दही का मिश्रण स्वादिष्ट लग सकता है, लेकिन आयुर्वेद के अनुसार यह संयोजन पाचन तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालकर शरीर में विषाक्तता बढ़ा सकता है।

प्याज

कच्चे प्याज के साथ दही का सेवन त्वचा पर चकत्ते या एलर्जी का कारण बन सकता है। यह संयोजन पाचन के लिए भी हानिकारक हो सकता है।

गर्म खाद्य पदार्थ

दही की तासीर ठंडी होती है, जबकि गर्म खाद्य पदार्थ जैसे फ्राइड फूड या गर्म सूप के साथ इसका सेवन असंतुलन पैदा करके पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है।

काश भाजपा जनसंघ जैसी ही बनी रहती!

पैसा फूंक तमाशा देख% के सिलसिले में अलग-अलग मौकों पर कैबिनेट यानी राज्य मंत्रिमंडल की बैठकों का आयोजन राजधानी भोपाल में न करते हुए प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर समारोहपूर्वक करना भी ऐसे ही तमाशों में से एक है। इस सिलसिले में 20 मई को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक पूरे राजसी तामझाम के साथ इंदौर में होलकर शासकों के महल राजबाड़ा में हुई।करीब पांच दशक पहले यानी आपातकाल के बाद पांच दलों के विलय से बनी जनता पार्टी का प्रयोग हालांकि ज्यादा समय तक नहीं चल पाया था लेकिन केंद्र सहित कई राज्यों में बनी जनता पार्टी की सरकारों ने कुछ काम बहुत अच्छे किए थे। मसलन, संवैधानिक प्रावधानों का सहारा लेकर देश पर तानाशाही थोपे जाने की राह को जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने बहुत दुर्गम बना दिया था, नागरिकों के मौलिक अधिकार बहाल किए थे, कार्यपालिका की शक्तियां सीमित कर न्यायपालिका की आजादी सुनिश्चित की थी और भारत रत्न व पद्म अलंकरण जैसे सरकारी सम्मानों की बंदरबाट बंद कर दी थी। इसी तरह, राज्यों में बनी जनता पार्टी की सरकारों ने भी कुछ काम बहुत अच्छे किए थे, जो आज भी याद किए जाते हैं।इस सिलसिले में मध्य प्रदेश से जुड़े एक वाकये का ज़िक्र करना इस समय प्रासंगिक है। आपातकाल से पहले तक मध्य प्रदेश में विधानसभा का ग्रीष्मकालीन सत्र पचमढ़ी में हुआ करता था। यह स्पष्ट रूप से एक सामंती व्यवस्था थी और जनता के पैसे का दुरुपयोग भी। इस व्यवस्था को 1977 में जनता पार्टी की सरकार ने खत्म कर दिया था। उस सरकार के मुख्यमंत्री कैलाश जोशी थे, जो जनता पार्टी में शामिल जनसंघ घटक के नेता थे। उन्होंने अपनी कैबिनेट की पहली ही मीटिंग में फैसला कराया था कि अब से विधानसभा का ग्रीष्मकालीन सत्र पचमढ़ी के बजाय भोपाल में ही हुआ करेगा। चूंकि कैलाश जोशी बेहद भले और ईमानदार व्यक्ति थे, इसलिए जनता पार्टी में उनके ही घटक यानी जनसंघ के एक गुट ने शुरू दिन से उनके खिलाफ साजिश रचनी शुरू कर दी थी, जो कि कुछ महीनों बाद सफल भी हो गई। कैलाश जोशी को एक अज्ञात बीमारी का शिकार बता कर मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया।

हरहाल इस किस्से का जिक्र इसलिए कि कैलाश जोशी तो अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन मध्य प्रदेश में सरकार उनकी ही पार्टी की है, मगर सरकार चला रहे लोगों और कैलाश जोशी जैसे नेताओं के चाल, चरित्र और चेहरे में जमीन-आसमान का फर्क है। अब प्रदेश में जनता के पैसे का बेरहमी से दुरुपयोग करते हुए नित नए ऐसे-ऐसे नाटक किए जा रहे हैं, जिनका जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है। बड़े शहरों से लेकर छोटे-छोटे गांव-कस्बों तक के नाम बदलकर धार्मिक प्रतीकों के आधार पर उनके नए नाम रखे जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पर नाम बदलने की ख़ब्त इस कदर सवार है कि उन्होंने कुछ दिनों पहले अपने गृह नगर उज्जैन में स्थित विक्रम विश्वविद्यालय का नाम बदल कर सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय कर दिया।सब जानते हैं कि नाम बदलने के इस उपक्रम के चलते सरकारी खजाने का लाखों-करोड़ों रुपया खर्च होता है। धार्मिक पर्वों और उत्सवों को भी सरकारी स्तर पर मनाया जा रहा है, जिस पर सरकारी खजाने के करोड़ों रुपये फूंके जा रहे हैं। ऐसे तमाशे सिर्फ मध्य प्रदेश में ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी चल रहे हैं, जहां भाजपा की सरकारें हैं।मप्र में तो यह स्थिति तब है जब राज्य पर देश के कुल कर्ज का पांच फीसदी से ज्यादा कर्ज है। देश पर इस समय करीब 95 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है, जिसमें मध्य प्रदेश का कर्ज करीब पांच लाख करोड़ रुपये है। इस आर्थिक बदहाली के चलते राज्य सरकार की कई कल्याणकारी योजनाएं ठप हैं और राज्य सरकार को अपना काम चलाने के लिए हर तीन महीने में पांच हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेने पड़ रहे हैं।पैसा फूंक तमाशा देख के सिलसिले में अलग-अलग मौकों पर कैबिनेट यानी राज्य मंत्रिमंडल की बैठकों का आयोजन राजधानी भोपाल में न करते हुए प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर समारोहपूर्वक करना भी ऐसे ही तमाशों में से एक है। इस सिलसिले में 20 मई को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक पूरे राजसी तामझाम के साथ इंदौर में होलकर शासकों के महल राजबाड़ा में हुई। बैठक के लिए राजबाड़ा के दरबार हॉल की ठीक उसी अंदाज में सजावट की गई जैसे होल्कर शासकों का दरबार लगता था।पूरे राजबाड़ा को नए सिरे से रंगाई-पुताई कराई गई और उसे बिजली के रंग-बिरंगे लट्टुओं से सजाया गया। राजबाड़ा के बाहर मीडिया और आम लोगों यानी भाजपा कार्यकर्ताओं के बैठने के लिए बड़े-बड़े वातानुकूलित पांडाल बनाए गए। यह सब इंतजाम करने के लिए कैबिनेट की बैठक के दो दिन पहले से राजबाड़ा के आसपास के सभी मार्गों पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई, जिससे पूरे शहर में अफ़रा-तफ़री का माहौल बना रहा। राजबाड़ा के आसपास का पूरा इलाका व्यावसायिक क्षेत्र है, लेकिन वाहनों की आवाजाही बंद होने से कारोबारी गतिविधियां पूरी तरह ठप रहीं।इससे पहले उज्जैन, महेश्वर, सिंग्रामपुर (दमोह), जबलपुर आदि शहरों में भी कैबिनेट की बैठकें हो चुकी हैं और वहां भी यही सब कुछ हुआ था। अब कैबिनेट की अगली बैठक अगले महीने की 3 तारीख को पचमढ़ी में होगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ऐसे और संभावित स्थानों को चिन्हित करें जहां कैबिनेट की बैठकें हो सकें।राजधानी से बाहर होने वाली इन बैठकों के लिए हफ्तों पहले से तैयारियां शुरू होती हैं, जिनमें जिले का पूरा प्रशासनिक अमला बाकी सारे काम छोड़कर जुटता है। जिस स्थान पर बैठक होनी होती है, उसे और उसके आसपास के इलाके को सजाने-संवारने, मुख्यमंत्री, मंत्रियों व राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के ठहरने की व्यवस्था आदि पर करोड़ों रुपयों का खर्च होता है।कैबिनेट की बैठक इंदौर में आयोजित करने के बारे में जो संदर्भ बताया गया वह भी बेहद हास्यास्पद है। बताया गया कि अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर उन्हें सम्मान देने और उनके व्यक्तित्व व कृतित्व से प्रेरणा लेने के लिए इंदौर में कैबिनेट की बैठक रखी गई।दरअसल इंदौ से अहिल्याबाई के नाम को जोड़ने की यह कोशिश नई नहीं है। इंदौर के जनजीवन में भी जब कुछ अच्छा-बुरा होता है तो लोग भावुकता, मूर्खता या पाखंडवश अहिल्याबाई होलकर को याद करने लगते हैं। कुछ अच्छा हो तो कहा जाने लगता है %अहिल्याबाई का शहर गौरवान्वित हुआ%। कुछ बुरा हो तो कहा जाता है कि %अहिल्याबाई का शहर कलंकित हुआ%। जबकि ऐतिहासिक तथ्य यह है कि इंदौर से अहिल्याबाई का कभी कोई संबंध रहा ही नही।इंदौर को अहिल्याबाई का शहर बताने और मानने वालों को न तो इंदौर के इतिहास की जानकारी है और न ही होलकर रियासत की। अहिल्याबाई के बारे में भी ये लोग कुछ नहीं जानते। दरअसल जब मंशा ही इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने और उसे अपनी राजनीतिक सुविधा के मुताबिक पेश करने की हो तो सच्चाई जानने की जरूरत भी कहां रह जाती है!

नर्मदा घाटी मार्ग पर स्थित इंदौर शहर को 310 साल पहले यानी 1715 में स्थानीय (कम्पेल गांव के) जमींदारों ने व्यापारिक केंद्र के रूप में बसाया था। उस समय इसका नाम इंद्रपुरी हुआ करता था। यह नाम इसे यहां बने प्राचीन इंद्रेश्वर महादेव मंदिर की वजह से मिला था। बाद में पेशवा के सेनापति और होलकर रियासत के संस्थापक मल्हारराव होलकर ने इसे अपनी राजधानी बनाया और अपभ्रंश होकर इसका नाम इंदूर हो गया, जो बाद में अंग्रेजों के समय इंदौर हुआ।यह सही है कि मल्हारराव होलकर की बहू अहिल्याबाई इंद्रेश्वर महादेव को अपना आराध्य मानती थीं लेकिन अपने पति की मृत्यु होने पर शासन की बागडोर संभालने के तुरंत बाद वे अपनी राजधानी को इंदौर से स्थानांतरित कर नर्मदा नदी के किनारे बसे महेश्वर ले गई थीं। अहिल्याबाई ने 1767 से 1795 तक शासन किया और तब तक उनकी रियासत की राजधानी महेश्वर ही रहा।

संपादकीय

वैज्ञानिक चेतना के शून्य को बढ़ा गया डा. नार्लीकर का निधन

मशहूर खगोल भौतिक विज्ञानी डॉ. जयंत विष्णु नार्लीकर का निधन हो गया। डॉ. नार्लीकर 87 साल के थे। 19 मई की रात नींद में ही उनका निधन हो गया, हाल ही में उनका एक ऑपरेशन भी हुआ था। डा. जयंत नार्लीकर के निधन को बहुत से अखबारों और चैनलों ने विज्ञान जगत की अपूरणीय क्षति बताया, लिखा कि उनके न रहने से विज्ञान की दुनिया में शोक की लहर चल पड़ी है।निस्संदेह एक अनुभवी, वरिष्ठ और बेहद अनूठे वैज्ञानिक के जाने से विज्ञान जगत में तो शून्य बन ही गया है, लेकिन असल में यह समूचे भारत के लिए शोक की घड़ी है। क्योंकि डा. नार्लीकर ऐसे कठिन समय में इस दुनिया को छोड़ कर गए हैं, जब विज्ञान और आस्था के नाम पर एक घातक मिलावट करने का सिलसिला चल निकला है।इस मिलावट को फैलाने वाले सत्ता से लेकर प्रशासन, शिक्षा, न्यायपालिका के गलियारों में फैले हुए हैं। यहां तक कि वैज्ञानिक संस्थाएं भी इसकी चपेट में आ रही है। जो भारत अपनी तर्क संस्कृति, वाद-विवाद-संवाद के लिए पूरी दुनिया में मशहूर था, वहां अब कुतर्कों की भरमार हो गई है, संवाद पूरी तरह से खत्म हो चले हैं। नयी पीढ़ी को ज्ञान-विज्ञान की चेतना विकसित करने का अवसर दिए जाने की जगह धार्मिक जुलूसों में भेड़ों की तरह हांका जा रहा है, उन्हें उन्मादी बनाया जा रहा है। धर्म के नाम पर झगड़े करवाने हों तो युवाओं की शक्ति, ऊर्जा और जोश ही सबसे अधिक काम आते हैं, इसलिए राजनैतिक दल उनका इसी हिसाब से उपयोग कर रहे हैं और ऐसे वक्त में जो तार्किक बातें करे उसे देशद्रोही कहना न्यू नॉर्मल बन गया है।धार्मिक स्थलों पर युवाओं की भीड़ है, ओटीटी प्लेटफार्म्स बेहूदी भाषा और अनावश्यक खुलेपन वाले रियलटी शो परोस रहे हैं, जिसमें प्रतिभागी और दर्शक युवा ही हैं, आईपीएल जैसे आयोजन खेलों का व्यापार कर रहे हैं, यहां भी युवा ही सबसे अधिक निशाने पर है। शिक्षा के नाम पर कोचिंग संस्थाओं का व्यापार चल रहा है और 10वीं के बाद विज्ञान विषय लेकर पढ़ने वाले छात्रों का एकमात्र ध्येय किसी भी तरह इंजीनियरिंग या मेडिकल में दाखिला लेना होता है। सरकारी संस्थानों में सीटें बेहद कम हैं और निजी संस्थाओं की लूट का कोई ठिकाना नहीं है। इन हालात में शोध और अनुसंधान के लिए गुंजाइश बेहद कम हो चली है। उसमें भी छात्र होनहार हो और उसके साथ सवर्ण हो तो आगे का रास्ता आसान होता है, वर्ना रोहित वेमुला जैसे उदाहरण हमारे सामने हैं। इतनी विडंबनाओं के जख्म पर सत्ता नमक तब छिड़कती है, जब देश के शहरों को चीन या जापान जैसा सुंदर बनाने का वादा जनता से होता है। लोगों को साफ पानी और हवा तो अब मयस्सर नहीं है और ऐसे में ख्वाब शंघाई-टोक्यो के दिखाए जाते हैं। जबकि इन देशों ने विज्ञान और तकनीकी में इतनी तरक्की कर ली है, जिसकी बराबरी करना फिलहाल संभव नहीं है।इस निराशाजनक माहौल को सुधारा जा सकता है, बशर्ते हमारे बीच जयंत विष्णु नार्लीकर जैसे वैज्ञानिक, विज्ञान शिक्षक और लेखक हों। एक वक्त में डॉ. नार्लीकर के अंग्रेजी लेखों के हिन्दी अनुवाद देशबन्धु में प्रकाशित होते थे। डा. नार्लीकर बेहद सरल भाषा में खगोल विज्ञान और जटिल वैज्ञानिक जानकारी को समझाते थे। किसी कठिन कार्य के लिए प्रचलित मुहावरा है कि यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है, लेकिन देखा जाए तो डा. नार्लीकर ने रॉकेट साइंस को ही आसान बनाकर लोगों तक पहुंचाया था जब आकाशवाणी और दूरदर्शन में उत्कृष्टता पर आधारित कार्यक्रम प्रसारित किए जाते थे, उस दौर में डा. नार्लीकर ने विज्ञान के तथ्यों को बहुत सरल और रोचक अंदाज में पेश किया।

दूरदर्शन पर प्रसारित ब्रह्मांड नामक शो के माध्यम से नार्लीकर ने बच्चों को रॉकेट और अंतरिक्ष विज्ञान की विभिन्न घटनाओं के बारे में बताया। 80 और 90 के दशक के बच्चे अगर चांद और मंगल को लेकर उत्सुक हुए, विज्ञान में उनकी रूचि जगी या वैज्ञानिक बनने के बारे में वे सोच पाए तो इसका बड़ा श्रेय जयंत नार्लीकर को भी जाता है। जिनकी किताबों और व्याख्यानों ने विज्ञान को बोझिल विषय से रोचक विषय बना दिया।वैसे तो साहित्य और विज्ञान अलग-अलग क्षेत्र माने जाते हैं।

बदला युद्ध है आपरेशन सिंदूर

पाकिस्तान में सरकार, आतंकवादी और सेना का मतलब एक ही है, यह बात साफ जाहिर हो जाना आपरेशन सिंदूर से सामने आया दूसरा सच है। फौजी अधिकारी मारे गए आतंकियों के जनाजे में शामिल हुए। सारे बड़े आतंकियों को, जिनमें कुछ संयुक्त राष्ट्र द्वारा चिह्नित भी हैं, पाकिस्तान सरकार और फौज ने छुपा लिया। भारत में यह राजनैतिक मुद्दा बना हुआ है।मात्र तीन दिन चले युद्ध या सैनिक अभियान ने पारंपरिक अर्थ में निर्णायक जीत हार का फैसला नहीं किया लेकिन इसने भारत और पाकिस्तान के राजनेताओं में जीत और हार के दावे से लेकर दुनिया भर के सैन्य विशेषज्ञों के लिए आगे काम करने का काफी मसाला दे दिया है। अब टीवी की चर्चाओं और हमारे पक्ष-विपक्ष के राजनैतिक अभियानों से किसी को भ्रम हो सकता है कि हम युद्ध का तकनीक और वैज्ञानिक अध्ययन और फिर सुधार का प्रयास नहीं कर रहे हैं लेकिन ऐसा है नहीं। सबको इस सैन्य कार्रवाई में इतना साफ लगा कि लड़ाई का मैदान बदल गया है और अगर भारत ने साफ बढ़त ली या अपने उद्देश्य लगभग हासिल कर लिए तो इसलिए कि उसके पास बेहतर तकनीक वाले ड्रोन थे और उसकी क्रूज मिसाइलों का निशाना सटीक बैठा जबकि पाकिस्तान बदमाशी करते हुए सिर्फ तोप और विमानों के सहारे हमारे नागरिक ठिकानों पर बमबारी करता रहा। इस हमले को भी भारत ने तकनीक के सहारे काफी हद तक विफल किया क्योंकि हमारे एयर डिफेंस में बेहतर तकनीक वाले उपकरण थे। पाकिस्तान के ज्यादातर हमलों को हवा में ही उड़ा दिया गया। हमने उनके एयर डिफेंस सिस्टम को जैम करके उनके नौ सैनिक हवाई अड्डों को निशाना बनाया और उनकी ताकत खत्म की।

ज्यादातर काम बेहद मामूली खर्च से तैयार होने वाले ड्रोन और क्रूज मिसाइलों के सहारे हुआ। इसकी वजह उनका सस्ता होना न होकर उपयोगी होना है। वे पेड़ों और पहाड़ियों के बीच इतनी काम ऊंचाई पर उड़ते हुए लक्ष्य तक जाते हैं कि दुश्मन के राडार उनको जान ही नहीं पाते। और लक्ष्य भेदकर अगर वे खत्म हो भी जाते हैं तो सेना के बजट पर कोई फरक नहीं पड़ता। नौसेना के बड़े जहाजों और पनडुब्बियों के खर्च की बात ही छोड़िए एक एक सैन्य विमान और टैंक आज इतनी कीमत में आते हैं कि हजारों ड्रोन एक जहाज की कीमत में तैयार हो जाते हैं। आज अमेरिकी एफ-35 विमान दस करोड़ डालर का है। ड्रोनो को प्रयोग में लाना ही आसान नहीं, है, इनको बनाना भी आसान और किफायती है। सबसे अच्छे माने जाने वाले दरों भी एक हजार डालर तक के खर्च पर तैयार हों जाते हैं। अगर खाड़ी युद्ध ने तीस साल पहले यह संदेश दिया

कि युद्ध अब तकनीक से लड़े जाते हैं तो रूस-यूक्रेन युद्ध और आपरेशन सिंदूर के भारत- पाकिस्तान टकराव ने यह साफ कर दिया है कि भविष्य की लड़ाई में ड्रोन और क्रूज मिसाइलों का युग ही आने वाला है। बड़े विमान और मजबूत सैन्य ठिकाने भी इनकी जद में आकर बेकार साबित हो रहे हैं। यूक्रेन पचास लाख ड्रोन हर साल बना रहा है और उसी से रूस का मुकाबला कर रहा है।अब ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान के पास हथियार न हों या उसके पास ड्रोन की तकनीक न हों या उसने एयर डिफेंस सिस्टम पर खर्च नहीं किया है। असली दिक्कत यह हुई कि उसने सस्ते चीनी उपकरण लगाए और महंगे जहाज(अमेरिका से भी) खरीदे थे। एयर डिफेंस प्रणालियों के बारे में जानकार यह कह रहे हैं कि वे हमसे एक जेनरेशन पीछे के हैं और रिवर्स तकनीक से (अर्थात फ़ोटो कापी जैसा तैयार करना) बनाए गए हैं। चीन ने ऐसा क्यों किया या उसने सिर्फ अपने व्यावसायिक हितों की रखवाली के लिए इन्हें, लगाया था यह स्पष्ट नहीं है। हो सकता है कि पाकिस्तान में दलाली ज्यादा हों। वैसे उसके पास पैसे न होने की बात जगजाहिर है। वे एक ही झटके में फेल हुए और हमारी रक्षा प्रणाली ने उनके लगभग सारे हमलों को फेल कर दिया यह इस युद्ध की सच्चाई है। युद्ध विराम की गुहार इसी के चलते हुई और अमेरिकी दखल की मांग पाकिस्तान सदा से करता रहा है। इसलिए युद्ध विराम को लेकर हमारे नेतृत्व को जितनी सफाई देनी है उससे ज्यादा पाकिस्तान और अमेरिका को देनी चाहिए।पाकिस्तान में सरकार, आतंकवादी और सेना का मतलब एक ही है, यह बात साफ जाहिर हो जाना आपरेशन सिंदूर से सामने आया दूसरा सच है। फौजी अधिकारी मारे गए आतंकियों के जनाजे में शामिल हुए। सारे बड़े आतंकियों को, जिनमें कुछ संयुक्त राष्ट्र द्वारा चिह्नित भी हैं, पाकिस्तान सरकार और फौज ने छुपा लिया। भारत में यह राजनैतिक मुद्दा बना हुआ है कि कार्रवाई के पहले पाकिस्तान को सूचित करने से उसे आतंकियों को छुपाने का अवसर मिल गया। यह राजनैतिक लड़ाई का मुद्दा हो सकता है लेकिन यह बात तो कोई भी समझ सकता था कि पहलगाम नरसंहार के भारत घुसकर मारेगा ही। मामला सिर्फ समय का था कि ऐक्शन में कितना समय लगेगा।यह आपदा में अवसर बनकर आया था। आतंकी इस हत्याकांड से सरकार को जो संदेश देना चाहते थे वह सरकार ने लिया लेकिन वह जो हिन्दू-मुसलमान और कश्मीरी गैर कश्मीरी का बंटवारा चाहते थे, हमारे मुल्क के लोगों ने उसका करारा जबाब दिया। कई मायनों में यह फौजी जवाब से भी ज्यादा मजबूत और बड़ा था। सिर्फ पक्ष और विपक्ष ही एकजुट नहीं हुए, अगर कभी नरेंद्र मोदी का सरकता कार्टून कांग्रेस ने दिया तो उसे लोगों की प्रतिक्रिया देखकर वापस लेना पड़ा। भाजपा समर्थक यह पोस्ट सोशल मीडिया पर ढंग से चला नहीं कि वापस लेना पड़ा जिसमें कहा गया था कि आतंकियों ने धर्म पूछा था जाति नहीं।

अब आपरेशन सिंदूर की एक नायिका सोफिया कुरैशी को लेकर मध्य प्रदेश के एक मंत्री का बयान उनके साथ ही पार्टी के जान को आफत में डाले हुए है और अदालत काफी लानत मलामत कर रहा है। दूसरी ओर देश भर में रैलियों के जरिए जीत का जश्न मनाना, विदेश में प्रतिनिधिमंडल भेजकर भारत के पोजीशन को स्पष्ट करना और रेल टिकट तक पर विज्ञापन या मुफ़्त का लाइन डालकर आपरेशन सिंदूर को राजनैतिक रूप से भुनाने की तैयारी चल रही है। विपक्ष भी हमलावर है। अगर भाजपा के लोगों को युद्ध के बाद लगातार जीत मिलने का रिकार्ड दिख रहा है तो कांग्रेस को बासठ के युद्ध के बाद नेहरू के प्रताप में गिरावट का प्रसंग याद आ रहा है। ये दोनों बातें सही हैं पर याद रखना होगा कि आपरेशन सिंदूर बासठ का युद्ध नहीं है। क्या पहलगाम का बदला हों गया, क्या अतंकी ठिकाने नष्ट होने से आतंकवाद मिट गया जैसे?

सवाल का जवाब देना आसान नहीं है। पर सबसे मुश्किल सवाल है कि युद्धविराम क्यों और कैसे हुआ? द्विपक्षीय संधि होते हुए अमेरिका बीच में क्यों और कैसे आया? लेकिन इस सवालों की राजनीति के बीच सेना के बुनियादी सवाल को बिसारना नहीं होगा कि लड़ाई बदल गई है। इस अनुभव के आधार पर हमें तेजी से बदलाव करना होगा जो बहुत महंगा भले न हों पर मेहनत, शोध और विकास की मांग जरूर करता है।

19 दिन में खड़ी कर दी 57 मंजिला इमारत

57 मंजिला इमारत जिसमें 4000 ऑफिस और 800 अवासीय परिसर हैं, मात्र 19 दिनों में खड़ी कर दी गई। यानी हर रोज बिल्डिंग के 3 मंजिलों का निर्माण। है न हैरतअंगेज!

चीन के चांगशा शहर में बनी इस बिल्डिंग को प्रीफैब कंस्ट्रक्शन फर्म ने बनाया है। फर्म द्वारा जारी एक वीडियो में यह बताया गया है कि कैसे उसने इतनी कम अवधि में इस बिल्डिंग का निर्माण किया। वीडियो में बताया गया है चीन के हुनान प्रांत में स्टील और कांच से बनी इस इमारत को मात्र 19 कार्यकारी दिनों में खड़ा किया गया।

फर्म के एक अधिकारी जियोझांग जेंग ने बताया कि बिल्डिंग का निर्माण दो हिस्सों में किया गया। आधी इमारत का निर्माण सन 2014 में किया गया जबकि बाकी आधी इमारत का निर्माण इस साल के पहले दो महीनों में किया गया। जेंग ने बताया कि उनके फर्म की योजना 97 मंजिला इमारत बनाने की थी लेकिन हवाई अड्डे से निकटता के कारण इसे घटाकर 57 मंजिला कर दिया गया। बिल्डर द्वारा इस बिल्डिंग के निर्माण में केवल 19 दिन खर्च किए गए। फर्म अब 220 मंजिला इमारत बनाने की योजना बना रही है। इस योजना को शुरू करने के लिए उसे सरकार की अनुमति का इंतजार है।

हवा में तैरता रेस्त्रां

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एक रेस्त्रां डिनर इन द स्काई थीम पर बनाया गया है। हवा में 150 फीट ऊपर तैरते हुए यहां मेहमानों को लजीज पकवान परोसा जाता है। इस रेस्त्रां को क्रेन से उठाया जाता है। इंटरनेशनल फोर्ब्स मैगजीन ने इसे दुनिया के 10 सबसे अनयूजुअल रेस्त्रां की सूची में शामिल किया है।

यहां शरीर पर परोसते हैं खाना

यहां खाना और स्वागत में होता है अपमान

ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने बनाया सटीक विश्व का नक्शा

अमेरिका का यह 11 साल का बच्चा इंटरनेट जगत में सनसनी बना हुआ है। लोगों से ज्यादा न घुलने-मिलने वाला, अपने में खोया रहने वाला ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने अपने अध्यापकों और सहपाठियों को तब चकित कर दिया जब इसने अपने क्लास के व्हाइट बोर्ड पर कुछ ही मिनटों में विश्व का नक्शा बना डाला वह भी एकदम सटीक।

उसके सहपाठियों ने उसकी तस्वीर और नक्शा बनाते हुए उसकी वीडियो इंटरनेट पर शेयर की और यह पूरे विश्व में वायरल हो गई। 11 साल के इस बच्चे का पिता एक स्कूल में अध्यापक है और यह बच्चा ऑटिज्म की बीमारी से पीड़ित है। खास बात यह है कि इस बच्चे ने विश्व का न सिर्फ सटीक नक्शा बनाया बल्कि उसने

नक्शे में छोटे-छोटे देश और यहां तक कि उन छोटे आइलैंड को भी बनाया जिनपर नक्शा देखते वक्त अमूमन नजर भी नहीं जाती।

इस बच्चे की यह विलक्षण स्मरण शक्ति सचमुच हैरान करने वाली है। इससे पहले भी ऑटिज्म से पीड़ित एक ब्रिटिश कलाकार तब मशहूर हुआ था जब न्यूयॉर्क शहर के ऊपर से एक छोटे से हैलीकॉप्टर यात्रा के बाद उसने शहर की गगनचुंबी इमारतों की पैनारॉमिक व्यू वाली पेंटिंग बना डाली थी। स्टीफन विल्टशायर नामक इस कलाकार की पेंटिंग में गजब की सूक्ष्मता थी।

बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कान्सिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीडन् से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, कॅरियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

मेहनत से मिली जीत

बात अगस्त 2013 की है। करीब एक महीने से मुझे बुखार आ रहा था। मेरी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और करीब चार महीने अगस्त से नंवबर तक बिस्तर से उठ नहीं पाई। मैं पूरे पांच महीने तक पढ़ नहीं सकी। छठे महीने में जब स्कूल पहुंची तो मैं बहुत घबराई हुई थी, क्योंकि कोर्स में बहुत ज्यादा पिछड़ चुकी थी। मैं अपने सर के पास जाकर रोने लगी और कहने लगी कि मैं इस साल बोर्ड की परीक्षा नहीं दे पाऊंगी। मेरा एक साल बेकार हो जाएगा। लेकिन मेरे सर ने मुझे ढाढस बंधाया और खूब मेहनत करने की सलाह दी। मेरे मम्मी-पापा ने भी मेरा हौसला बढ़ाया।

आखिरकार मैंने पढ़ाई शुरू कर दी। इसमें मेरे प्रिंसिपल सर, मैथ्स टीचर, मेरे पैरेंट्स और मेरी दादी ने मेरा हौसला तो बढ़ाया ही, उन्होंने मदद भी की। सबकी सलाह पर मैंने हू-ब-हू अमल किया। पूरा कोर्स पढ़ने की बजाय मेन-मेन पॉइंट्स पर फोकस किया। मेरे पैरेंट्स ने कोचिंग लगा दी। पापा गेस पेपर्स लेकर आए, जिनकी मदद से मैंने खूब प्रैक्टिस की। इस बीच मम्मी मेरा पूरा ख्याल रखती थीं। जनवरी-फरवरी, दो महीनों में मैंने कठिन परिश्रम किया और मार्च में दसवीं बोर्ड की परीक्षा दी। मेरे पेपर अच्छे हुए और परिणाम 80.16 परसेंट रहा। सचमुच, मेहनत करना खाली कभी नहीं जाता।

मनोबल रहे ऊंचा

मैं हर साल प्रथम श्रेणी में पास हुआ। कक्षा दस की बोर्ड परीक्षा के लिए तो मैंने ठान लिया था कि मैं अपनी मेहनत और लगन से कॉलेज में टॉप करूंगा। जब मेरा रिजल्ट इंटरनेट पर घोषित हुआ, तो मैं यह देखकर बेहद खुश हुआ कि मैंने 90 परसेंट अंक पाकर कॉलेज टॉप किया है। अब मुझे 11वीं कक्षा में एडमिशन लेना था।

मैंने शुरू के पांच-छह दिन तो क्लास अटेंड की, इसके बाद क्लास ड्रॉप करने लगा। मुझे लगा जिस तरह हाईस्कूल में टॉप किया, उसी तरह 11वीं में भी कर लूंगा। 11वीं की परीक्षा का रिजल्ट आया, तो सभी बच्चे कॉलेज गए। प्रार्थना स्थल पर उन बच्चों के नाम घोषित किए जाते थे, जो कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आते थे। जब नाम घोषित हुए, तो कक्षा 11 में टॉप थ्री में मेरा नाम कहीं नहीं था। वहां सब हैरान थे। मैं चुपके से पंक्ति से बाहर निकला और घर आ गया। मैं समझ नहीं पा रहा था कि घर वालों से क्या कहूंगा। जो हमेशा प्रथम आता था, वह तीसरे स्थान पर भी नहीं था।

पर मैंने खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया। मेरे घर वालों ने मेरी हिम्मत बढ़ाई।

12वीं के लिए फिर से मैंने कठिन परिश्रम किया और खूब पढ़ाई की। मेरी मेहनत और लगन रंग लाई। इसलिए दोस्तो, कभी किसी काम को छोटा या आसान नहीं समझना चाहिए कि तुम उसे छोड़ दो। वहीं, किसी काम को इतना मुश्किल भी नहीं समझना चाहिए कि तुम कर ही न सको। मनोबल एक बहुत बड़ा गुण है। पूरी लगन और मेहनत से किसी चीज को पाने की सोचो, तो वह जरूर मिलती है।

मदद करने से मिलती है खुशी

यह तब की बात है जब मैं 13 साल का था और कक्षा 9 में पढ़ता था। अब मैं 14 साल का हो गया हूं। मेरे पिता जी कहते हैं कि लोगों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए।

%अगर तुम किसी की मदद करना चाहते हो तो तुम्हारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाएगी और एक अलग तरह की खुशी का भी अनुभव होगा।% एक बार हम सपरिवार घर के बाहर गये थे। हम लोग जी.टी. रोड के किनारे पैदल ही चल रहे थे। मैं पापा से पीछे था। तभी मैंने देखा कि सड़क के किनारे एक वृद्ध महिला खड़ी हैं। असल में वह रोड पार करना चाहती थीं, मगर सड़क पर बहुत तेज गाडियां चल रही थीं, इसलिए यह संभव नहीं हो रहा था। कोई भी उनकी मदद करता नहीं दिख रहा था। तभी मुझे पापा कि बात याद आई और मैं दौड़ कर उन महिला के पास गया और कहा, आइए अम्मा मैं आप को रोड पार करा देता हूं।

उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और चलने लगीं। सड़क पर काफी तेजी से वाहन आ-जा रहे थे। लेकिन मेरे अंदर पता नहीं कैसे हिम्मत आ गयी थी। मुझे थोड़ा सा भी डर नही लग रहा था। मैंने उनको आराम से रोड पार करा दिया।

उसके बाद उन्होंने मुझे खूब आशीर्वाद दिया और चली गयी। वास्तव में उस समय मदद करने के बाद मुझे बहुत खुशी महसूस हुई। उस दिन मुझे यह पता चला कि जब हम किसी कि मदद करते हैं तो भगवान भी हमारा साथ देता है और हमें हिम्मत देता है।

बच्चों के लिए ज्यादा डांट-फटकार ठीक नहीं

बचपन में जिन बच्चों को ज्यादा डराया तथा धमकाया जाता है, उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल असर पड़ता है और प्रौढ़ावस्था में इन बच्चों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

ब्रिटेन के मनोचिकित्सकों के अनुसार जिन बच्चों को बचपन में ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ता है अथवा जिनके सहपाठी उन्हें पीटते हैं, तो ऐसे बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य न केवल प्रभावित होता है, बल्कि 50 वर्ष की आयु में इन्हें अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ब्रिटेन के किंग्स कॉलेज लंदन के सायकिएट्री संस्थान के मनोचिकित्सक यू ताकीजावा की अगुवाई में किए गए इस अध्ययन की रिपोर्ट अमेरिकन जर्नल ऑफ सायकिएट्री में शुक्रवार को प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस संबंध में 40 वर्ष पूर्व कराए गए अध्ययन आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।

इस अध्ययन में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में 1958 में एक हफ्ते में जन्में 7,771 बच्चों को शामिल किया गया था। इन बच्चों के माता-पिता से पूछा गया था कि बचपन में उनके साथ घर में क्या बर्ताव होता था और कक्षा में सहपाठी उनके साथ क्या व्यवहार करते थे।

माता-पिता से यह जानकारी भी ली गई कि सात से 11 वर्ष की उम्र में क्या बच्चों को ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ा था। अब 50 वर्ष की उम्र में पहुंच चुके इन व्यक्तियों के अध्ययन से यह पता चला है कि उनमें अवसाद, तनाव और आत्महत्या करने जैसी प्रवृति अधिक देखने को मिली। ये सामाजिक रूप से भी अलग-थलग पाए गए हैं।

सायकिएट्री संस्थान की मनोचिकित्सक लुईस आर्सेनल्ट का कहना है कि अब आप अपने दिमाग से यह धारणा निकाल दीजिए कि बच्चों को बचपन में ज्यादा डांटना या फटकारना जरूरी होता है। शिक्षकों, माता-पिता और नीति निर्माताओं को इस बात से वाकिफ होना चाहिए कि बचपन में स्कूल अथवा घर में बच्चों के साथ जो व्यवहार होता है उसके परिणाम बहुत बाद में दिखाई देते हैं।

हेपेटाइटिस-सी कर सकता है दिल को भी बीमार

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हेपेटाइटिस-बी और सी को खत्म करने के लिए वैश्विक योजना बनाई है।

यह सच है कि हेपेटाइटिस-सी से लोगों के लिवर खराब होने का खतरा होता है। एक अध्ययन के मुताबिक, हेपेटाइटिस-सी का संक्रमण फैल कर दिल के लिए भी समस्या पैदा कर सकता है। अध्ययन इस बात के मजबूत प्रमाण देते हैं कि हेपेटाइटिस-सी से दिल की प्रणाली को नुकसान पहुंच सकता है।

एक विशेषज्ञ के मुताबिक लंबे समय से हेपेटाइटिस-सी से पीड़ित लोगों की रक्त धमनियों में चर्बी और कैल्शियम जम सकता है। उन्होंने बताया कि इसे एरोसिलेसोरिसस कहा जाता है, जो दिल के दौरे और स्ट्रोक की शुरु आत है। इस बात के कारण का तो पता नहीं है कि संक्रमण से धमनियों में जमाव क्यों होने लगता है, लेकिन इस बात के प्रमाण काफी मजबूत हैं कि हेपेटाइटिस-सी के मरीजों में दिल के रोगों संबंधी लक्षणों की जांच होनी चाहिए।

वह कहते हैं कि यह अहम है कि ऐसे मरीजों के लिवर की जांच जरूर हो, लेकिन इसके साथ ही डॉक्टर को दिल के रोगों की जांच भी लगातार करते रहनी चाहिए. कोलेस्ट्रॉल और ग्लूकोज जैसी सालाना जांच, ब्लडप्रेशर की जांच और जीवनशैली से जुड़ी आदतें काफी मददगार साबित होती हैं।

हेपेटाइटिस-सी रक्त के जरिए फैलने वाले वारयस से होने वाला संक्रमण है, जिसकी गंभीरता कई सप्ताह से लेकर जीवनभर तक रह सकती है। असुरक्षित सूई, मेडिकल उपकरणों के उचित स्टेरलाइजेशन न होने

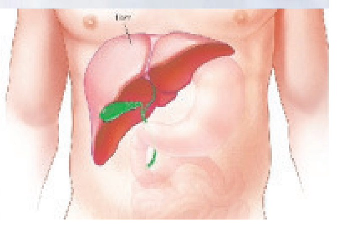

और बिना जांच के रक्त या रक्त तत्व चढ़ाने से हेपेटाइटिस सी हो सकता है।

इससे पीड़ित लोगों को लिवर सिरोसेस या लीवर कैंसर हो सकता है। वैसे तो 90 प्रतिशत मामलों में इस संक्रमण का इलाज एंटीवायरल दवाओं से हो सकता है, लेकिन हेपेटाइटिस-सी का कोई वैक्सीन नहीं है.

विशेषज्ञ ने बताया कि जिन लोगों में हेपेटाइटिस-सी मौजूद हो, उनमें रक्त धमनियों के जाम होने की संभावना 50 प्रतिशत तक बढ़ जाती है. अगर संक्रमण का अच्छे से ध्यान ना रखा जाए तो पूरे शरीर में सूजन फैल सकती है, जिससे रक्त धमनियों के क्षतिग्रस्त होने और दिल की समस्याएं होने का खतरा बढ़ सकता है।

वह कहते हैं कि अगर जांच और इलाज वक्त पर शुरू हो जाए तो हेपेटाइटिस-सी को सेहत पर बिना किसी गंभीर प्रभाव के आसानी से संभाला जा सकता है. यह जरूरी है कि पीड़ित व्यक्ति को डॉक्टर से इस बारे में खुलकर बात करनी चाहिए कि संक्रमण के प्रभावों से लिवर और दिल की पप्राली को बचाने के लिए क्या किया जाए।

उनका सुझाव है कि दिल के रोग से बचने के लिए संतुलित ब्लडप्रेशर और रक्त में चर्बी का अनुपात बनाए रखना जरूरी है, लेकिन जिसे हेपेटाइटिस-सी हो, उसके लिए और बहुत कुछ करना जरूरी हो जाता है। हेपेटाइटिस-सी के वायरस के प्रभाव को कम करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

इस समय पूरी दुनिया में लगभग 40 करोड़ लोग वायरल हैपेटाइटिस से पीड़ित हैं। लिवर की यह बीमारी एचआईवी, मलेरिया और टीबी से भी ज्यादा मौतों के लिए जिम्मेदार है। हर साल हेपेटाइटिस से 10.4 लाख लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। लेकिन सावधानी बरत कर हेपेटाइटिस को रोका जा सकता है। वर्ष 2014 की वर्ल्ड हेल्थ एसेम्बली में 194 सरकारों ने वायरल हेपेटाइटिस की रोकथाम, जांच और इलाज के मसले को हल करने के लिए नियंतग्र स्तर पर जागरु कता फैलाने पर अपनी सहमति दी थी।

कुछ सुझाव हैं-

- शराब से परहेज करें, क्योंकि इसके कारण वायरस तीव्र हो जाता है।
- एंटीवायरल कॉम्बीनेशन थैरेपी से लगभग 50 फीसदी लोग वायरस पर जीत हासिल कर लेते हैं।
- एंटीऑक्सीडेंट्स के साथ सेल्स को सेहतमंद रखें।

डा. अग्रवाल कहते हैं कि संक्रमण को खुला छोड़कर दिल को प्रभावित करने देने की बजाय इसे रोकने के तरीकों पर काम करना आवश्यक है। साथ ही हेपेटाइटिस-सी के वायरस को रोकना लिवर और दिल दोनों के लिए फायदेमंद होगा।

खनिज पदार्थों से भरपूर सूरजमुखी बीज

हम अपने को स्वस्थ रखने के लिए हर चीज अपनाते हैं। शरीर स्वस्थ है तो हर चीज अच्छी लगती है और शरीर बीमारी से ग्रस्त है तो जीवन निरस सा प्रतीत होता है। शरीर को स्वस्ता प्रदान करने के लिए न जाने हमने कितने ही चीजों का जीवन में प्रयोग किया होगा, पर अब आप इनमें सूरजमुखी के बीजों को भी प्रयोग भी करें। सूरजमुखी के बीज खाने के कई स्वास्य लाभ होते हैं। इनके बीजों में काफी सारा विटामिन ''ई' तथा अन्य खनिज पदार्थ होता है, जो सिर से ले कर पांव तक फायदा पहुंचाते हैं। इन दिनों लोग खुद को स्वस्थ रखने के लिए अलसी, कद्दू, तिल और सूजरमुखी के बीजों का सेवन करने लगे हैं। ये बीज न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि इन्हें खाने से पोषण भी मिलता है और यह पेट भी भरते हैं। सूरजमुखी के बीजों को खाने से हार्ट अटैक का खतरा कम होता है, कोलेस्ट्रॉल घटता है, त्वचा में निखार आता है तथा बालों का ग्रोथ होता है।

सूरजमुखी के बीज खाने के स्वास्य लाभ

1. दिल को रखे स्वस्थ : इनके बीजों में विटामिन ''सी' होता है जो कि दिल की बीमारी को दूर रखने में मदद करता है। साथ ही इसमें मौजूद विटामिन ''ई' कोलेस्ट्रॉल को खून की धमनियों में जमने से रोक कर हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा टालता है। एक चौथाई कप सूरजमुखी के बीज 90 फीसदी तक का रोज विटामिन ''ई' प्रदान करता है।

2. कोलेस्ट्रॉल घटाए : इनमें मोनो और पोलीसैच्युरेटेड फैट्स होते हैं, जो कि एक अच्छे फैट माने जाते हैं। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाने का काम करते हैं। इसके अलावा इनमें ढेर सारा फाइबर भी होता है जो कोलेस्ट्रॉल को घटाता है।

3. पेट ठीक रखे : बीज में काफी सारा फाइबर होता है जिससे कब्ज की समस्या ठीक हो जाती है।

4. कैंसर से बचाव : इसमें विटामिन ''ई', सेलियम और कॉपर होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। रिसर्च द्वारा कहा गया है कि यह पेट, प्रोस्ट्रेट और ब्रेस्ट कैंसर से रक्षा करता है।

5. त्वचा निखारे : सूरजमुखी के बीज का तेल त्वचा की नमी बनाए रखने के रूप में अच्छी तरह से बैक्टीरिया के खिलाफ रक्षा करता है।

6. हड्डी मजबूत बनाए : इसमें मैग्नीशियम की भी अधिक मात्रा होती है, जिससे हड्डियों में मजबूती आती है। इसके साथ ही यह हड्डियों के जोड़ों में लचीलापन तथा मजबूती लाता है। गठिया और सूजन के लिए इसमें मौजूद विटामिन ''ई' काफी लाभदायक है।

7. त्वचा रोग दूर करे : सूरजमुखी बीज के तेल में फैटी एसिड होते हैं जो कि त्वचा को बैक्टीरिया से बचा कर एक्ने होने से रोकता हैं। सूरजमुखी तेल एक्जिमा और डर्मेटाइटिस की बीमारी से बचाता है।

8. दिमाग के लिए अच्छा : यह आपके दिमाग को शांत रखता है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम दिमाग की नसों को शांत करता है तथा स्ट्रेस और माइग्रेन से छुटकारा दिलाता है।

9. हेयर ग्रोथ : जिंक से भरे बीज आपके बालों को बढ़ाते हैं। हांलाकि अत्यधिक जिंक के सेवन से बाल झड़ने की समस्या काफी ज्यादा बढ़ सकती है। इसमें मौजूद विटामिन ''ई', सिर में ब्लड सकरुलेशन कर के बालों की ग्रोथ करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

लॉफिंग ज़ोन

नाना ने कुछ बड़े हो गए नाती को गुर की बात समझाते हुए कहा- 'बेटा अब कोई काम धन्धा जमा लो, बेकार फिरना अच्छी बात नहीं। जब मैं तुम्हारी उम्र का था तो मैंने दुकान में 50 रूपये की नौकरी की थी। फिर छः साल बाद उतनी ही बड़ी दुकान बना ली थी।'

नाती से रहा न गया । बोल पडा- 'नाना जी, अब वे जमाने लद गए। अब वैसी तिकड़म नहीं चलती। हर जगह कायदे के अनुसार हिसाब-किताब रखा जाता है।'

□ □ □

बस में सफर कर रही एक लड़की ने एक हाथ में किताबें पकड रखी थीं तथा दूसरे हाथ में बस का डंडा था।

कण्डक्टर- टिकट ले लो।

लडकी-देखते नहीं, मेरे हाथ खाली नहीं है।

कण्डक्टर- एक चीज मुझे दे दो।

लड़की - तो पकड लो बस का डंडा।

□ □ □

एक बच्चा रात को देर से घर गया। मां ने पूछा-'कहां थे अब तक' 'जी मैं फिल्म देखने गया था, मां का प्यार।'

मां ने कहा-'जाओ ऊपर बाप का गुस्सा भी देखो।'

काकुरो पहेली - 4062

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का इस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4061 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4062

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी ?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4061

सूडोकु -4062

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु 4061 हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली -4062

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -4061 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झौ			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

एनएचआरसी ने अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर की गिरफ्तारी का लिया संज्ञान

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हरियाणा के अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी और हिरासत के संबंध हरियाणा के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के अंदर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने कहा है कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि प्रोफेसर पर लगे आरोप मानवाधिकारों और स्वतंत्रता का उल्लंघन है। आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इसपर नोटिस जारी किया है। आयोग ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के अंदर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। प्रोफेसर महमूदाबाद पर एक लेख के जरिए धार्मिक विद्वेश फैलाने और सेना की महिला अधिकारियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। प्रोफेसर महमूदाबाद को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विवादित टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज अंतरिम जमानत दी। कोर्ट ने उन्हें जांच में सहयोग करने और संबंधित पोस्ट पर आगे कोई बयान न देने का निर्देश दिया।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ड्रॉ प्रक्रिया पूरी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित की जा रही कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए यात्रियों का चयन आज एक कंप्यूटरीकृत ड्रॉ के माध्यम से किया गया। यात्रा का आयोजन जून से अगस्त तक किया जाएगा। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने आज ड्रॉ किया। मंत्रालय ने कहा कि चयन प्रक्रिया में निष्पक्षता और लैंगिक संतुलन को सुनिश्चित किया गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार चयनित यात्रियों को उनके चयन की सूचना एसएमएस और ई-मेल के जरिए दी गई है। यात्री यात्रा की वेबसाइट पर जाकर अपने चयन की स्थिति देख सकते हैं। इसके अलावा हेल्पलाइन नंबर 011-23088133 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस वर्ष 5561 आवेदकों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया। इनमें 4024 पुरुष और 1537 महिलाएं थीं। कुल 750 यात्रियों का चयन किया गया है। इनमें प्रति बैच 2 स्थानीय अधिकारी भी होंगे। यात्रा में 5 बैच 50 यात्रियों के साथ लिपुलेख मार्ग से और 10 बैच 50 यात्रियों के साथ नाथू ला मार्ग से यात्रा करेंगे। दोनों मार्ग अब पूरी तरह से मोटर योग्य हैं और इनमें बहुत कम ट्रैकिंग करनी होगी। मार्ग और बैच के विवरण यात्रा की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।मंत्री सिंह ने अपने संबोधन में यात्रा को अधिक सुलभ बनाने और प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यात्रियों से यात्रा को जिम्मेदारी, विनम्रता और सजगता के साथ करने की अपील की। उन्होंने पर्यावरण की पवित्रता को बनाए रखने का भी आग्रह किया।

दिल्ली को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में डीटीयू का जागरूकता कार्यक्रम

नई दिल्ली । दिल्ली को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए शासन और प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली के शाहबाद दौलतपुर स्थित दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) ने 'प्लास्टिक मुक्त सार्वजनिक स्थान' अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के उपमहापौर जयभगवान यादव, निगम आयुक्त अश्विनी कुमार और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लोगों में जागरूकता फैलाना था। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, 'स्वच्छ दिल्ली का सपना तभी साकार होगा, जब हम सभी मिलकर प्लास्टिक के उपयोग को कम करें। इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैं दिल्ली नगर निगम, दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी और इस आयोजन से जुड़ी सभी संस्थाओं को बधाई देता हूं।' उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे एकल-उपयोग प्लास्टिक से परहेज करें और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाएं।

प्रोफेसर अली खान मामले में मैंने कोई पत्र नहीं लिखा : प्रियांक कानूनगो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हरियाणा की अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी और हिरासत को लेकर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पत्र लिखकर इस पूरे मामले पर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। प्रोफेसर महमूदाबाद की गिरफ्तारी को लेकर विभिन्न मानवाधिकार संगठनों और शिक्षाविदों द्वारा चिंता जताई गई थी, जिसके बाद एनएचआरसी ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया।

इस बीच एनएचआरसी के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने यह पत्र नहीं लिखा है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह पत्र उनके संस्थान की ओर से भेजा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मानवाधिकार कानून की धारा 36 के अनुसार यदि किसी राज्य में पहले से ही राज्य मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लिया हो, तो फिर राष्ट्रीय आयोग उसी मामले में दोबारा संज्ञान नहीं ले सकता। इस दौरान प्रियांक कानूनगो आईएएनएस से दूरी बनाते हुए नजर आए और सार्वजनिक रूप से कोई विस्तृत बयान नहीं दिया।

पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का केंद्र, ध्यान भटकाने के लिए ले रहा भारत का नाम : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बलूचिस्तान की घटनाओं के संबंध में पाकिस्तान के तमाम आरोपों को खारिज कर दिया। मंत्रालय द्वारा जारी संक्षिप्त बयान में कहा गया है, 'खुजदार में हुई घटना में पाकिस्तान भारत पर आरोप लगा रहा है। भारत सरकार इस आधारहीन आरोप का खंडन करती है और इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करती है। पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है, इसे छुपाने के लिए वह अक्सर भारत पर आरोप लगाता रहता है। दुनिया को धोखा देने वाला यह प्रयास असफल होने वाला है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार जिले में एक स्कूल बस को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया। इस घटना में तीन बच्चे और दो वयस्क मारे गए हैं और 38 से अधिक घायल हैं। पाकिस्तान ने इस

हमले के लिए भारत को दोषी ठहराया है। भारत ने पाकिस्तान के इस आधारहीन आरोप को खारिज कर दिया है। इस घटना की जिम्मेदारी फिलहाल किसी संगठन ने नहीं ली है लेकिन शक बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) पर है, जो पूर्व में भी ऐसी घटनाओं को अंजाम देता रहा है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में जवाबी कार्रवाई की थी और आतंकवादियों के नौ ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तानी सेना द्वारा भारत के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन और मिसाइलों से हमले के जवाब में भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम और 11 एयरबेस तबाह कर दिए। पाकिस्तान अपने बड़े नुकसान को स्वीकार करने की बजाय भारत के मिसाइलों और राफेल विमानों को गिराने की झूठी कहानी अपने लोगों और दुनिया को सुना रहा है। पाकिस्तान की इसी झूठ का पर्दाफाश करने के लिए भारत सरकार ने सांसदों का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल बनाया है जो विदेशों में जाकर सबूत सहित पाकिस्तान को हुए नुकसान को बताएगा और उसकी पोल खोलेगा।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सुरक्षा बलों द्वारा 27 माओवादियों को मार गिराने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हमें अपने सुरक्षा बलों पर गर्व है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह के एक एक्स पोस्ट पर कहा कि उनकी सरकार माओवाद से जुड़ी अराजकता को पूरी तरह से समाप्त करने और अपने लोगों की शांति और प्रगति की चाह पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है। गृहमंत्री अमित शाह ने बताया है कि तीन दशकों में यह पहली बार है कि सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में महासचिव स्तर के नक्सली नेता को मार गिराने में सफलता हासिल की है। शाह ने कहा, नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धि। आज, छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में हमारे सुरक्षा बलों ने 27 खूंखार माओवादियों को ढेर कर दिया है, जिनमें सीपीआई-माओवादी का महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ नंबाला

केशव राव उर्फ बसवराजू भी शामिल है। गृहमंत्री ने खुशी जाहिर की कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने एक बार फिर अपनी सरकार के उसे संकल्प को दोहराया जिसमें देश को 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त करने का वादा किया गया है।

कांग्रेस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छिटपुट युद्ध' कहकर सेना की शहादत और साहस का मजाक उड़ाया : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश और मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाए गए सवालों पर कहा कि कांग्रेस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छिटपुट युद्ध' कहकर देश की सेना की शहादत और साहस का मजाक उड़ाया है। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि राष्ट्रविरोधी मानसिकता का प्रमाण भी है। तरुण चुघ ने कहा, 'आज यह स्पष्ट हो गया है कि हाफिज सईद जैसे आतंकवादी राहुल गांधी को क्यों पसंद करते हैं। क्योंकि कांग्रेस का पूरा नेतृत्व पाकिस्तान की नैरेटिव फैक्ट्री का मुफ्त प्रवक्ता बन गया है। जिस पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 निर्दोष लोगों को मारा है, उनके खिलाफ कार्रवाई होने पर आपको दिक्कत क्या हो रही है? उन्होंने कहा कि खड़गे 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छोटा युद्ध' कहकर हमारे वीर जवानों की शौर्यगाथा पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, जबकि सेना ने पाकिस्तान में

घुसकर नौ आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त किया और 100 से अधिक आतंकियों का खात्मा किया। पाकिस्तान के 11 एयरबेस नेस्तनाबूद हुए, क्या इसे छोटा युद्ध कहेंगे? भाजपा नेता ने कहा कि जब पाकिस्तान खुद तबाही के सुबूत दिखा रहा है, तब राहुल गांधी 'सबूत' की रट लगाकर सेना की बहादुरी का उपहास उड़ा रहे हैं। यही वजह है कि पाकिस्तान में वह 'पोस्टर बॉय' की तरह पूजे जा रहे हैं। तरुण चुघ ने मुर्शिदाबाद हिंसा के मामले में पश्चिम बंगाल में हाई कोर्ट द्वारा तृणमूल कांग्रेस के नेता पर आए फैसले पर कहा है कि जब राज्य की पुलिस पीड़ितों के फोन उठाने से इनकार कर दे और हत्यारे सत्ता की छाया में पनपें, तब वह राज्य संविधान नहीं, 'शरिया तंत्र' से चलाया जा रहा होता है। उन्होंने कहा कि यह बंगाल नहीं, 'मॉडर्न जिन्ना' ममता बनर्जी के राज में बनता हुआ तालिबान है। तृणमूल कांग्रेस पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के बंगाल में अब हिन्दू होना ही सबसे बड़ा अपराध बन गया है। तृणमूल पार्षद की अगुवाई में हुई बर्बर हिंसा और पुलिस की शर्मनाक चुप्पी इस सरकार की आतंकपरस्ती और हिन्दू विरोधी मानसिकता का खुला प्रमाण है।

पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को 'अपने आधिकारिक दर्जे के प्रतिकूल' गतिविधियों में शामिल होने के कारण 'अवांछित व्यक्ति' घोषित कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी चार्ज डी'अफेयर्स को इस आशय का एक डिमार्शे जारी किया गया। इसमें उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि भारत में कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी किसी भी तरह से अपने विशेषाधिकारों और स्थिति का दुरुपयोग न करें। यह निष्कासन यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और कई अन्य लोगों की पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तारी के बाद हुआ है। यह गिरफ्तारी भारतीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय शहरों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान के हमलों के प्रयास के जवाब में देश में जासूसी

नेटवर्क पर कार्रवाई के दौरान की गई थी। इससे पहले 13 मई को भी एक पाकिस्तानी राजनयिक को देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर 'पर्सोना नॉन ग्रेटा' (अवांछित व्यक्ति) घोषित कर देश छोड़ने के लिए कहा गया था। विदेश मंत्रालय ने बताया था कि यह अधिकारी नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत था और उसकी गतिविधियां उसकी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप नहीं थीं। सरकार ने उसे 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया था। इससे पहले, पंजाब पुलिस को भी जासूसी गतिविधियों से जुड़े एक महत्वपूर्ण नेटवर्क को उजागर करने में बड़ी सफलता मिली थी। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने जानकारी साझा करते हुए बताया था कि एक महत्वपूर्ण सफलता में मलेरकोटला पुलिस ने नई दिल्ली स्थित उच्चायोग में तैनात एक पाकिस्तानी अधिकारी से जुड़ी जासूसी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

'पाकिस्तान के यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर की तरह कर रहे बात', शहजाद पूनावाला का खड़गे पर तंज

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छिटपुट युद्ध 'कहने पर भारतीय जनता पार्टी हमलावर है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने उन पर सेना का अपमान और 'पाकिस्तान के यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर की तरह' बात करने का आरोप लगाया। शहजाद पूनावाला ने समाचार एजेंसी से कहा, 'नौ आतंकी कैंप, 11 मिलिट्री बेस तबाह कर दिए गए, 100 से ज्यादा आतंकी और 70 से अधिक पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। पहली बार न्यूक्लियर पावर देश में भारतीय सेना ने इस प्रकार का पराक्रम दिखाते हुए कार्रवाई की। लेकिन उनके लिए यह छिटपुट घटना और थोड़ी सी एक्टिविटी है। वे सेना का अपमान और पाकिस्तान के यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर की तरह बात कर रहे हैं।

कांग्रेस और पाकिस्तान दोनों एक ही जुबान बोल रहे हैं। पाकिस्तान में युद्ध हारने के बाद फील्ड मार्शल बनाए जा रहे हैं और यहां पर कांग्रेस पार्टी में बैठे हुए फेल मार्शल पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा को बढ़ावा दे रहे हैं। पूनावाला ने कहा, कांग्रेस ने पहली बार सेना का अपमान नहीं किया है। सड़क का गुंडा बोलना, सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक का प्रमाण मांगना। जिस प्रकार भारतीय सैन्य शक्ति का अजय राय समेत कई कांग्रेस नेताओं ने अपमान किया। कांग्रेस की प्रवृत्ति यह है कि सेना का अपमान करो, पाकिस्तान को बोलो भाई जान। जयराम रमेश के दुनियाभर में पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारत की ऑल पार्टी डेलिगेशन को ध्यान भटकाने वाला बताए जाने पर पूनावाला ने जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा, पहले सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया और अब डिप्लोमैटिक एक्सरसाइज की जा रही है, जिससे पाकिस्तान बेनकाब होगा। पता नहीं जयराम रमेश क्यों इतने खफा हैं कि इसे ध्यान भटकाने वाला बता रहे हैं। वे इसे पीआर एक्सरसाइज बता रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान की पीआर एक्सरसाइज तो कांग्रेस लगातार कर रही है। कांग्रेस नेताओं के बयान पाकिस्तानी मीडिया में दिखाए जा रहे हैं। पाक को क्लीन चिट देना कांग्रेस की पुरानी आदत है। उन्होंने पहले भी ऐसा किया है।

खुजदार हमले पर भारत ने पाकिस्तान के आरोप किए खारिज, जनहानि पर जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने बलूचिस्तान के खुजदार में हुए हमले में पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज किया है। साथ ही भारत ने जनहानि पर शोक व्यक्त किया है और कहा है कि पाकिस्तान का दुनिया को धोखा देने का यह प्रयास असफल होने वाला है। पाकिस्तान के आरोपों के संबंध में मीडिया के प्रश्नों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत आज खुजदार में हुई घटना में भारत की संलिप्तता के बारे में पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को खारिज करता है। भारत ऐसी सभी घटनाओं में हुई जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त करता है। प्रवक्ता के मुताबिक पाकिस्तान ने अपने सभी आंतरिक मुद्दों के लिए भारत को दोष देने की आदत बना ली है। इसका मकसद आतंकवाद के वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा से ध्यान हटाना और अपनी घोर विफलताओं को छिपाना है। उल्लेखनीय है कि आज 21 मई को बलूचिस्तान के खुजदार में एक आर्मी स्कूल बस में हुए विस्फोटक में तीन बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई और 38 से अधिक बच्चे घायल हो गए।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर दी बधाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नेप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने सेना का आभार जताया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह नई दिल्ली में स्थित हरियाणा भवन में पत्रकारों को संबोधित किया।मुख्यमंत्री सैनी ने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के जांबाज सैनिकों ने आतंकी ठिकानों को उनकी सर जमीन पर ही मिट्टी में मिलने का काम किया है। ऐसा ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री ही ले सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने कायराना हरकत कर निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतारा। इस घटना से देश के लोग आहत थे और उनमें रोष था। देश के नागरिक आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और हमारे सैनिकों ने आतंकियों को उन्हीं की सर जमीन पर जाकर धूल में मिलाने का काम किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले आतंकवादी देश में घुसकर जमीन को मिट्टी में मिलाने का। जहां से आतंकवादी जन्म लेते थे और पाक उन्हें संरक्षण देता था, उसी पाक की भूमि पर जाकर हमारे सैनिकों ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का

घटनाओं को अंजाम देते थे। पूरे देश में भय का माहौल था, कोई भी सुरक्षित नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने का काम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है, आतंकवाद की बची हुई काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। प्रधानमंत्री ने ऐसी कार्रवाई करके देश को मजबूत, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में काम किया है। अब देश में संतुष्टि का भाव है और आतंकियों में भय का माहौल बना है।

बांद्रा-बीकानेर के बीच नई ट्रेन सेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। । भारतीय रेल ने बांद्रा टर्मिनस और बीकानेर के बीच नई साप्ताहिक रेलगाड़ी प्रारंभ करने का फैसला किया है। इस संबंध में अधिसूचना रेलवे बोर्ड द्वारा जारी कर दी गई है। 22 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान के देशनोक स्टेशन से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उसके बाद इस ट्रेन की नियमित सेवा प्रारंभ होगी। रेलगाड़ी संख्या 21903 प्रत्येक सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से रात्रि 23:25 बजे रवाना होगी और मंगलवार को रात्रि 20:40 पर बीकानेर पहुंचेगी। रेलगाड़ी संख्या 21904 बीकानेर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस प्रत्येक सुबह 8:50 बजे बीकानेर स्टेशन से खुलेगी और बृहस्पतिवार को सुबह 6:45 बजे बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने बताया कि इस रेलगाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, बड़ोदरा, आनंद नडियाद, साबरमती, मेहसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, पाली मारवाड़, जोधपुर, मेड़ता रोड, नागौर, नोखा और देशनोक स्टेशनों पर दिया गया है। इस गाड़ी में तृतीय वातानुकूलित इकोनामी श्रेणी के 18 और द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के दो कोच होंगे। दो कोच लगेज और जनरल ब्रेकवान वाले होंगे। पूरी ट्रेन में कुल मिलाकर 22 कोच रहेंगे।

पाकिस्तान में प्रमोशन का तमाशा, राजा की हताशा :मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर के प्रमोशन से लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में सामने आए घटनाक्रम और ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस पार्टी के नेताओं की बयानबाजी पर अपनी राय रखी। मुनीर के प्रमोशन पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, हमारी सेना के जांबाज़ों ने पाकिस्तान और वहां मौजूद आतंकवाद की फैक्ट्री का जो जोरदार सफाया किया है, उससे पाकिस्तान की सरकार और सेना बुरी तरह बौखला गई है। इस हताशा में वहां 'प्रमोशन का तमाशा' किया जा रहा है। यह उस 'राजा की हताशा'को दर्शाता है, जहां असफलता छिपाने के लिए दिखावटी पदोन्नतियां की जा रही हैं। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में सामने आए घटनाक्रम और उस पर हाईकोर्ट के फैसले को लेकर नकवी ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, ÷हमारा देश ऐसा नहीं हो सकता, जहां बहुसंख्यक समुदाय को सांप्रदायिक असहिष्णुता का शिकार होना पड़े। इसका मुख्य कारण है कि क्रूर और आपराधिक मानसिकता वाले तत्वों को सियासी संरक्षण और

सुरक्षा दी जाती है। ऐसे संरक्षण के कारण ही इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। इस प्रकार की राजकाज की क्रूरता के लिए वे लोग जिम्मेदार हैं, जो इन अपराधियों को बढ़ावा देते हैं। कांग्रेस पार्टी के नेताओं द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर की गई आलोचना को लेकर नकवी ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज कार्टून प्रतियोगिता में खुद कार्टून बनती जा रही है। जो पार्टी देश की सेना के पराक्रम और सरकार के फैसलों पर सवाल उठाती है, वह देश की जनता के दिल और दिमाग में अपना सम्मान खो चुकी है।उन्होंने आगे कहा कि आज जब हमारी सेना ने आतंकवादियों को करारा जवाब दिया है, पूरा देश गर्व से भर उठा है, लेकिन कांग्रेस पार्टी इसमें भी राजनीतिक अवसर ढूंढ रही है। कांग्रेस कभी भी न सेना के कार्यों की सराहना कर सकती है, न ही सरकार के किसी राष्ट्रहित के फैसले की प्रशंसा कर सकती है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट पर पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने इसकी तुलना पहलगाम हमले से की है और कहा है कि मुर्शिदाबाद में सुनियोजित तरीके से हिन्दू घरों, संपत्तियों और लोगों को निशाना बनाया गया। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को पत्रकार वार्ता कर कहा कि एसआईटी की टीम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के रजिस्ट्रार और पश्चिम बंगाल न्यायिक सेवा के दो अधिकारी शामिल थे। इन स्वतंत्र अधिकारियों की रिपोर्ट से यह साबित हो गया है कि ममता सरकार के कार्यकाल में हिन्दुओं पर क्रूर अत्याचार किए गए। त्रिवेदी ने बताया कि हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त समिति की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि 11 अप्रैल को दोपहर 2 बजे से हमले शुरू हुए और ये स्थानीय तृणमूल नेता महमूद आलम के निर्देश पर हुए।

पुलिस और प्रशासन मूकदर्शक बने रहे और कोई कार्रवाई नहीं की गई।उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में बताया गया कि कुल 113 घरों को नुकसान पहुंचाया गया और लोग जान बचाकर मालदा की ओर पलायन करने को मजबूर हुए। यह घटना दर्शाती है कि हिंसा कितनी गंभीर थी। इसके बावजूद कुछ टीएमसी नेता कह रहे थे कि कुछ खास नहीं हुआ। विपक्ष की हिंसा पर कथित चुप्पी पर त्रिवेदी ने निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हमले को लेकर सवाल उठाने वाले हिन्दुओं की हत्या पर कुछ नहीं कह रहे। हरगोविंद दास और चंदन दास की हत्या पर चुप्पी और पाकिस्तान के लिए सहानुभूति दिखाना विपक्ष की दोहरी नीति को उजागर करता है।

यह करें जब बच्चे दें पलटकर जवाब

कई बार बच्चे माता-पिता की बातों पर ठीक से जवाब नहीं देते हैं या फिर चिल्लाकर जवाब देते हैं। उनके ऐसे तौर-तरीकों से माता-पिता का आहत होना स्वाभाविक है लेकिन माता-पिता को ऐसे समय अपने बच्चों को समझना चाहिए। उनका दिल टटोलना चाहिए और उनके साथ मित्र की तरह पेश आना चाहिए। अगर बच्चों के उग्र व्यवहार को माता-पिता सही दिशा नहीं देते हैं तो बच्चे लगातार उसी तरह का व्यवहार दोहराते हैं। आइए जानें उन तरीकों को जिनके जरिए बच्चों के व्यवहार को संतुलित किया जा सकता है।

उसकी बात सुनें

जब भी बच्चा पलटकर जवाब दे तो माता-पिता को अपनी प्रतिक्रिया बहुत सावधानी से देना चाहिए क्योंकि यह बच्चे के साथ उनके संबंध को खराब कर सकती है। जब बच्चा गुस्से में है तब उसके प्रति अधिक उदार बनने की जरूरत है। ऐसे समय अगर आप सख्ती से पेश आएंगे तो बच्चे को लगेगा कि आप उसे कुछ भी बोलने की इजाजत नहीं दे रहे हैं। इसके बजाय उसके मन में जो भी बात है उसे निकल जाने दें।

अगर माता-पिता बच्चे से कहते हैं कि 'हम तुम्हारे माता-पिता हैं और तुम इस तरह से कैसे बात कर सकते हो?' तो यह बात बच्चे को और चिढ़ाने वाली ही होगी। अगर आप ऐसे समय बच्चे से कह सकें कि इस विषय पर आप उसके साथ बाद में बात करेंगे तो बेहतर होगा।

बच्चे की परेशानी जानें

बच्चे के चिढ़ने पर माता-पिता का गुस्सा करना जायज नहीं होगा बल्कि उन्हें बच्चे के चिढ़ने की वजह जानने की कोशिश करना चाहिए। हो सकता है कि बच्चा इसलिए गुस्सा कर रहा हो क्योंकि वह स्कूल में खुद को ठीक स्थितियों में नहीं पा रहा हो या फिर वह अपने दोस्तों के साथ ठीक तरह की स्थिति में न हो। स्कूल के होमवर्क का दबाव भी उसे चिढ़ा सकता है। जब भी वह पलटकर जवाब दे तो शांति के साथ उससे पूछिए कि आज उसके साथ क्या हुआ। वह बहुत सहजता के साथ आपके साथ बातचीत करेगा।

बातचीत से समझाएं

जब भी बच्चा तेज आवाज में आपको पलटकर जवाब दे तो उसे बहुत शांति के साथ समझाएं कि उसका इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं है। बच्चे अक्सर अपने दोस्तों को देखकर इस तरह का व्यवहार करना सीखते हैं और अगर उन्हें समझाया जाए कि इस तरह का व्यवहार के कारण उन्हें कोई पसंद नहीं करेगा तो वे इस तरह का व्यवहार दुबारा नहीं करेंगे।

वह आपसे ही सीखता है

अगर आप बच्चों को कुछ सिखाना चाहते हैं तो उसके लिए आपको खुद मॉडल बनना होगा। अगर माता-पिता आपस में ठीक से बातचीत नहीं करते हैं या उपयुक्त संबोधनों का उपयोग नहीं करते हैं या एकदूसरे से ऊंची आवाज में बात करते हैं तो बच्चे भी उन चीजों को सीखते हैं। इसलिए अगर बच्चे को उपयुक्त व्यवहार सिखाना है तो माता-पिता को अच्छा व्यवहार करना होगा।

उसकी तारीफ करें

जब भी बच्चे कोई अच्छा काम करते हैं तो उसकी तारीफ करने से न चूकें। ऐसा होने पर अगली बार वे उस तरह का व्यवहार करने को प्रेरित होंगे।

महंगाई भरे इस जमाने में आज घर के सारे सदस्य ही जॉब या बिजनेस में व्यस्त है। बहुत सारे पैरेंट्स ऐसे हैं जो नौकरी करते हैं। ऐसे में उनके सामने बच्चों की देखभाल करने की कड़ी चुनौती होती है। बच्चों को अकेला घर में छोड़ कर जाना आसान काम नहीं है। अगर बच्चा समझदार नहीं हैं तो ऐसी परिस्थिति में उसे अकेला छोड़कर काम पर जाना मां-बाप की बेवकूफी कहलाएगी लेकिन अगर काम पर जाना आपकी मजबूरी है चो कुछ बातों का ख्याल रखें तो आप बच्चे को बिना किसी परेशानी के घर पर छोड़कर जा सकते है।

ध्यान दें

बच्चे को घर पर अकेले छोड़कर जा रहे हैं!

1. बच्चे के पास कोई मोबाइल जरूर छोड़ें ताकि वह समय-समय पर आप से बात करता रहे और आप भी वक्त-वक्त पर उसकी खोज-खबर लेते रहें।
2. बच्चे को कुछ इमरजैंसी नंबर देकर जाएं ताकि कोई अनहोनी होने पर वह मदद बुला सके।
3. बच्चे को घर के किसी एक कोने या कमरे में बंद मत करें। वरना वह मुश्किल के समय में वहां से बाहर नहीं निकल पाएगा।
4. बच्चे को अपने सामने दरवाजा बंद करना और खोलना सिखाएं।
5. बच्चे के खाने-पीने की चीजें डाइनिंग टेबल पर ही रखकर जाएं ताकि भूख लगने कुछ खा सके।
6. उन्हें कोई न कोई क्रिएटिव काम देकर जाएं, जिससे उसका समय भी जल्दी बीत जाए और वह कुछ ऐसा नहीं करेगा जो उसके लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

बच्चों को सर्दी-खांसी से बचाने के घरेलू उपचार

र साल सैकड़ों नवजात एवं छोटे बच्चे, विशेष कर कमजोर इम्यून सिस्टम की कमजोरी के कारण, सर्दी-खांसी का शिकार होते हैं। बच्चे इन्फेक्टेड हवा या किसी इन्फेक्टेड व्यक्ति की समीपता के कारण, विभिन्न प्रकार के इन्फैक्शन फैलाने वाले जर्म के संपर्क में आ जाते हैं। बीमार बच्चे की देखरेख, माँ-बाप समान रूप से मुश्किल हो सकती है। अमेरिकन बाल-रोग अकादमी, छः वर्ष से कम आयु के बच्चों को सर्दी-खांसी की दवाईयां ना देने की सलाह देती है क्योंकि माना जाता है कि बच्चों के लिए दवाईयों के प्रयोग से घातक दुष्परिणाम हो सकते हैं। इस कंडीशन में प्राकृतिक तरीकों से ही उपचार करना श्रेष्ठ है। घरेलू उपचार बच्चों की सर्दी-खांसी में राहत पहुंचा कर उनके इम्यून सिस्टम को शक्तिशाली बनाते हैं।

बच्चों को सर्दी-खांसी में कारगर नौ टॉप ट्रीटमेंटः

1. स्पंज-स्नान

छोटे बच्चों का बुखार कम करने एवं शरीर के तापमान को ठीक करने हेतु, उन्हें दिन में दो से तीन बार ठन्डे पानी से अथवा स्पंज-स्नान करवाएं । स्पंज को कमरे के तापमान के बराबर-तापमान वाले पानी में भिगोकर उसका अतिरिक्त पानी निचोड़ लें । और फिर बच्चे के तापमान को कम करने के लिए उसके हाथ-पैर, कांख एवं उसके कमर से नीचे के हिस्से को पोंछे । एक अन्य विकल्प के तहत आप बच्चे के माथे पर गीली पट्टियां भी रख सकते हैं । गीली पट्टियों को कुछ-एक मिनटों के अंतराल पर बदलते रहें ।

2. नींबू

एक कढाई में चार-नींबू का रस, उनके छिलके और एक चम्मच अदरक की फांके लें । इसमें पानी डालें। इसे ढक कर 10 मिनट तक काढें । इस प्रकार तैयार पानी को अलग कर लें। अब इस तरल पेय में उतनी ही मात्रा में गर्म-पानी तथा स्वाद के लिए शहद मिलाएं। बच्चे को इस प्रकार तैयार गर्म नींबू-पानी दिन में दो-बार पीने को दें।

3. शहद

एक-वर्ष या फिर उससे कम आयु के बच्चों के लिए, जोकि सर्दी-खांसी से पीड़ति हों, शहद एक सुरक्षित उपचार है। दो चम्मच कच्चा शहद और एक चम्मच नींबू का रस मिला लें । हर, कुछ एक घंटों के अंतराल के बाद राहत दिलाने के लिए पिलायें । एक गिलास गर्म-दूध, शहद मिलाकर पीने से सूखी खांसी एवं सीने के दर्द में राहत मिलती है।

4. अदरक

छः कप पानी में, आधा कप बारीक कटे हुए अदरक की फांके और दालचीनी के दो छोटे टुकड़ों को 20 मिनट तक धीमी आंच पर पकायें। फिर इसे छानकर चीनी या शहद मिलाकर दिन में कई बार बच्चे को पीने के लिए दें । एक वर्ष से कम आयु के बच्चों को बराबर मात्रा में गर्म-पानी मिलाकर पिलायें।

5. सेब का सिरका

एक हिस्सा कच्चा, बिना छाना हुआ सेब का सिरका और दो हिस्से ठंडा पानी मिलाकर उसमें दो पट्टियां भिगोयें। फिर उन्हें निचोड़कर एक को माथे पर और एक को पेट पर रखें। दस- दस मिनट के बाद पट्टियां बदलते रहें। प्रक्रिया को बुखार कम होने तक दोहरायें।

6.ब्रेस्ट फीड

ब्रेस्ट फीड बच्चों के लिए अति महत्वपूर्ण है, खासकर जब वे बीमार हों। जोकि उन्हें संक्रमण से लड़ने और शीघ्र स्वस्थ होने में सहायता करते हैं। छः माह से कम आयु के शिशुओं को, सर्दी-खांसी से निजात दिलवाने के लिए, स्तनपान कराना चाहिए।

7. तरल पदार्थ

सुनिश्चित करें की आपके बच्चे को भरपूर तरल-पदार्थ मिलें। अन्यथा वह निर्जलीकरण का शिकार हो सकता है, जिससे समस्या अधिक गंभीर हो सकती है । शरीर में पानी का उचित स्तर, मल - निकास को पतला करके आपके बच्चे के शरीर से कीटाणुओं का निकास करने में और बंद-नाक,छाती जमने आदि की समस्या से बचाता है।

इस मॉडर्न जमाने में लैपटॉप, स्मार्ट फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ बच्चों का सारा दिन व्यस्त रहना तो आप सी बात है। यहां तक की रातभर भी इन सब में व्यस्त रहते हैं। इन सबका उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

हाल ही में एक शोध में यह बात सामने आई है कि जो बच्चे देर रात तक जागते हैं, वह मोटापे का शिकार हो जाते हैं। उनका वजन में ही बढ़ना शुरू हो जाता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया-बर्कले में काम करने वाले बाल-विशेषज्ञ लॉरेन असरनाउ की अध्यक्षता में यह शोध किया गया। इसके लिए 3,300 से भी अधिक किशोरों एवं

देर रात जगने वाले बच्चे हो जाते हैं इस बीमारी का शिकार!

वयस्कों पर शोध किया गया।

शोध के दौरान किशोर अवस्था से लेकर उनके व्यस्क होने तक उनमें होने वाले शारीरिक बदलाव का बड़ी बारीकी से अध्ययन किया गया। ये सारे आकंडे भी जुटाए गए कि इस अवधि के दौरान उन्होंने कितने घंटे की नींद ली है। उन्होंने पाया कि रात्रि के दौरान जब उन्होंने नींद नहीं ली तो उनकी बॉडी मास इन्डेक्स 2.1 प्वॉइंट बढ़ गया। इसी तरह उनका मोटापा 5 साल में बढ़ता ही गया। अधिकांश किशोर रात में 9 घंटे की सामान्य नींद भी नहीं लेते हैं। इस कारण स्कूल में उन्हें जगे रहने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ जो किशोर समय के अनुसार सोते रहे उनका शरीर सुडौल बना रहा है।

बच्चे का वजन बढ़ाना है तो उन्हें खिलाएं ये आहार

अक्सर बच्चों को लेकर माता-पिता टेंशन में रहते हैं। बच्चों को पौष्टिक आहार न खाना, पढ़ाई और उनका जरूरत से ज्यादा मोटा और पतला होना भी उन्हें परेशान करता है। डब्लूएचओ ने भी हाल ही में घोषित किया है कि आजकल बच्चों का खानपान सही न होने की वजह से उनका वजन उम्र के हिसाब से सही नहीं होता है। बच्चों के सही वजन में भोजन सबसे ज्यादा सहायक होता है लेकिन आजकल के बच्चे खाने के मामले में बहुत नखरीले और अपनी मर्जी के मालिक होते है। ऐसे में बच्चों को क्या खिलाया जाएं कि वह स्वस्थ बने रहें और उनका वजन भी संतुलित रहे।

1. मलाई सहित दूधः अगर बच्चे का वजन कम है तो उसे मलाई वाला दूध पिलाएं। अगर उसे पीने में अच्छा नहीं लगता है तो शेक बनाकर दें ताकि उसके शरीर में मलाई पहुंच जाए।

2. घी और मक्खनः बच्चे को घी और मक्खन खिलाएं। इसे दाल में डालकर दें तो सबसे ज्यादा असर होगा।

3. सूप, सैंडविच, खीर और हलवाः ये चारों चीजें बच्चे के लिए फायदेमंद हैं। बस ध्यान रहें सारी चीजें सही मात्रा में ही बच्चों को दें।

4. आलू और अंडाः अंडा और आलू, दोनों में ताकत होती है। एक में प्रोटीन काफी ज्यादा होता है दूसरे में कार्बोहाइड्रेट। ऐसे में आप बच्चे को ये दोनों ही उबालकर खिला सकती हैं।

5. स्प्राउटः बच्चे को स्प्राउट खिलाएं, इससे उसका वजन सही होगा। अगर बच्चा बहुत छोटा है तो उसे दाल का पानी पिलाएं।

6. दिनचर्या सही रखेंः बच्चे को स्वस्थ बनाना है तो उसकी दिनचर्या पर ध्यान दें। सही समय पर उसे आहार खिलाएं।

कुछ हटकर होनी चाहिए बर्थ डे पार्टी

ज्यादातर परिवारों में बच्चों का बर्थ डे मनाने से थोड़ा संकोच किया जाता है और परिवार वाले मिलकर ही बच्चे का जन्मदिन मना लेते है। वैसे तो हर माता-पिता चाहते है कि उनके बच्चे का जन्मदिन कुछ इस ढंग से मनाया जाएं ताकि बच्चा अपना जन्मदिन कभी भूल न सकें। बच्चों को सबसे ज्यादा खुशी तब मिलती है जब उसके बर्थ डे पर पार्टी का आयोजन किया जाए और उसके दोस्तों को निमंत्रण दिया जाए , इसलिए याद रहे बच्चों को बर्थ डे मनाने से बहुत खुशी मिलती है। वे अपने आपको किसी से कम नहीं समझते।

आमंत्रण पत्र

आप कम्प्यूटर से रंग-बिरंगे डिज़ाइन के आमंत्रण पत्र बना लें । अब बच्चे के बर्थ डे के आमंत्रण पत्र उन लोगों के घर भेजें, जिनके बच्चों को आप बुलाना चाहती हैं।

बर्थ डे की शॉपिंग

बर्थ डे से तीन दिन पहले बाज़ार जाएं और अपनी डायरी पर लिखे अनुसार शॉपिंग करें। बच्चे की खुशी के लिए आप केक का चयन बच्चे से पूछ कर भी कर सकती हैं।

स्कूल में बर्थ डे

अक्सर स्कूलों में बच्चों को बर्थ डे वाले दिन बर्थ डे ड्रैस डालने की इजाज़त होती है। आप इस दिन बच्चे को स्पेशल तैयार करें और खुशी से सामान देकर स्कूल भेजें। स्कूल में अध्यापक से इजाज़त लेकर सब बच्चों को गिफ्ट बांटना चाहिए।

घर में बर्थडे पार्टी

जिस कमरे में केक काटने वाले हैं उसे कुछ बढ़िया से सजाएं । उस में हैप्पी बर्थ डे का बैनर भी लगाएं और केक रखने के लिए टेबल भी सजाएं।

केक से थोड़ा हट के चमकीली से भरे बड़े गुब्बारे को लटकाएं ताकि जब आप उसे फोडें तो उसकी सुनहर केक पर न गिरे।

बर्थ डे गेम्ज़

अपने बच्चे के बर्थडे पर आप बच्चों से छोटी-छोटी गेम्स करवा सकती हैं। आप कई किस्म के खेल सोच सकती हैं जैसे आप एक टैडी बीयर ले लें और एक गोल दायरे में बच्चों को बिठा लें । कोई अभिभावक पीठ करके म्यूजिक लगाए। जब तक म्यूजिक चलता रहे बच्चे उस टैडी बीयर को एक तरफ से एक-दूसरे के आगे दें। जहां पर म्यूजिक रुके आप देखें, जिस बच्चे के हाथ में टैडी बीयर है उस बच्चे को कुछ सुनाने को कहें। ऐसा करने से बच्चों को खूब आनन्द आएगा।

बर्थडे के पश्चात

आप चाहें तो डैकोरेशन का सारा सामान उतार कर ठीक-ठाक ढंग से रख लें। उसी में कुछ और डाल कर आप अगले बच्चे का बर्थडे भी मना सकते हैं।

एशिया कप जूडो प्रतियोगिता में कोंडागांव की रंजीता उज्बेकिस्तान में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी

जगदलपुर। अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ के द्वारा उज्बेकिस्तान के तस्कीन में उज्बेकिस्तान जूडो संघ द्वारा एशिया कप जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 22 से 25 मई तक किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले की कुमारी रंजीता कुरेटी 52 किलो वजन वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। जिला जूडो संघ बस्तर के सचिव एवं प्रदेश जूडो संघ के संयुक्त सचिव अब्दुल मोईन ने प्रदेश संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी के हवाले से बताया कि दिल्ली पब्लिक स्कूल भिलाई की स्पोर्ट्स ऑफिसर, राष्ट्रीय जूडो चैंपियन, ब्लेक बेल्ट थर्ड डॉन और अंतरराष्ट्रीय निर्णायक किरण राव भी उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने उज्बेकिस्तान रवाना हो गई हैं। रंजीता कुरेटी और किरण राव दोनों आज उज्बेकिस्तान पहुंच जायेंगी। इन दोनों की उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी, महासचिव शम्भू सोनी, संयुक्त सचिव अनीस मेमन, अंतरराष्ट्रीय निर्णायक शेख शरीफ, सरजीत सिंह बक्शी, परमजीत सिंह, राजकुमार जायसवाल सहित समस्त जिला संघो के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

प्रधानमंत्री मोदी के 'खेलों की शक्ति' वाले संदेश से मिली प्रेरणा : कोच पुलेनो

दीव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलो इंडिया बीच गेम्स के पहले संस्करण के उद्घाटन पर एक वीडियो संदेश में खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति की बात की और कहा कि यह आयोजन भारत के खेल इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। नगालैंड की महिला सेपक टकरॉ टीम की कोच पुलेनो नेइखा पूरी तरह से पीएम मोदी की इस सोच से सहमत हैं। पुलेनो के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में नगालैंड में खेलों का प्रभाव साफ दिखाई देने लगा है और भारत सरकार की यह अनूठी पहल राज्य की लड़कियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने जा रही है। सेपक टकरॉ नगालैंड का सबसे लोकप्रिय खेल है। इसकी शुरुआत 1995 में शारीरिक शिक्षा अध्यापक होल्से खारियो द्वारा एक मनोरंजन गतिविधि के रूप में की गई थी, जिसे भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने तकनीकी सहायता प्रदान की थी। तब से यह खेल राज्य में लगातार विकसित हुआ है और अब बड़ी संख्या में लड़के और लड़कियां इसमें पंजीकृत हैं। वर्ष 2004 से राज्य सरकार ने दीमापुर में सेपक टकरॉ के लिए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की। पुलेनो, जो खुद एक राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी और 2018 एशियन गेम्स में भारतीय टीम की कोच रह चुकी हैं, वर्तमान में इसी अकादमी में लड़कियों को प्रशिक्षित कर रही हैं।

मध्य प्रदेश लीग की शुरुआत 12 जून से, ग्वालियर करेगा मेजबानी

ग्वालियर। शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) का नया सीज़न शुरू होने जा रहा है। पहले इसका आयोजन इंदौर में किया जाना था, लेकिन मौसम की परिस्थितियों और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के देर से समापन के कारण इस वर्ष एमपीएल को इंदौर से स्थानांतरित कर ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है। पिछले वर्ष एमपीएल के पहले संस्करण की मेज़बानी भी ग्वालियर ने ही की थी, जिससे यह स्थान खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए परिचित है। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित यह लीग मूल रूप से 27 मई से इंदौर में शुरू होने वाली थी, लेकिन आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव के चलते निर्धारित कार्यक्रम से मेल खा रही थी। पिछले सीजन में पुरुषों की प्रतियोगिता में पांच टीमें शामिल थीं, लेकिन इस बार इसमें बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्रों की दो नई टीमों को जोड़ा गया है। मध्य प्रदेश लीग को लेकर अध्यक्ष महानार्यमन सिंधिया ने एक आधिकारिक बयान में कहा,प्रथम संस्करण के आयोजन के चलते ग्वालियर हमारे खिलाड़ियों और प्रशंसकों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है और हम यहां दोबारा लौटकर बेहद उत्साहित हैं।

हरियाणा और दिल्ली ने मणिपुर को हराकर सेपक टकरा टीम वर्ग का स्वर्ण पदक जीता

दीव। हरियाणा और दिल्ली की महिला और पुरुष वर्ग की ट्रीयो टीम ने वर्षा बाधित फाइनल मुकाबले में पारंपरिक सेपक टकरा की मजबूत मणिपुर को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किये। आज यहां घोघला बीच पर खेले गये दोनों फाइनल में बारिश के कारण एक घंटे का ब्रेक रहा। महिलाओं के फाइनल में हरियाणा ने अनुभवी मणिपुर की टीम के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। मणिपुर को भारत में सेपक टकरा का गढ़ माना जाता है। कप्तान 20 वर्षीय मोनिका की अगुवाई में हरियाणा की महिला सेपक टकरा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष सम्मान हासिल किया। मैच के बाद मोनिका ने कहा, टीम के लिए यह जीत हासिल करना और स्वर्ण पदक जीतना मुझे बहुत खुशी है। हमें पता था कि वे मजबूत हैं, लेकिन हमने अपना दबदबा नहीं खोया। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय चरखी दादरी, भिवानी और रोहतक जैसे शहरों में की गई कड़ी आउटडोर प्रैक्टिस को दिया। उन्होंने कहा, हम आउटडोर ग्राउंड पर ट्रेनिंग करते हैं, जिससे हमें बीच की सतह के हिसाब से ढलने में मदद मिली। यह मंच हमें काफी बढ़ावा देगा।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25: यूरोप दौरे के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत बने कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। यह चरण 7 से 22 जून 2025 तक नीदरलैंड्स के एम्सटेलवीन और बेल्जियम के एंटवर्प में खेला जाएगा। टीम की कमान एक बार फिर अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है जबकि मिडफील्ड के दमदार खिलाड़ी हार्दिक सिंह उपकप्तान बने रहेंगे। भारतीय टीम अपने यूरोपीय सफर की शुरुआत 7 और 9 जून को नीदरलैंड्स के खिलाफ दो मैचों से करेगी, इसके बाद 11 और 12 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। ये सभी मुकाबले एम्सटेलवीन के वागनर स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद टीम 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एंटवर्प में खेलेगी और अंत में 21 और 22 जून को बेल्जियम से मुकाबला होगा।

टीम में दो गोलकीपर कृष्ण

बहादुर पाठक और सुरज करकेरा को चुना गया है। डिफेंस में हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, नीलम संजीप ज़ेस, जर्मनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और यशदीप सिवाच शामिल हैं।मिडफील्ड की जिम्मेदारी राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, राजिंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और शमशेर सिंह जैसे खिलाड़ियों को दी गई है। वहीं, फॉरवर्ड लाइन में गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह जैसे आक्रामक खिलाड़ी टीम में शामिल हैं। भारत ने इस साल की शुरुआत में भुवनेश्वर में खेले गए होम लेग में आठ मैचों में से पांच जीतकर 15 अंक जुटाए और वर्तमान में अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। इस लीग की टॉप टीम को 2026 एफआईएच वर्ल्ड कप में सीधी एंट्री मिलेगी, ऐसे में भारतीय टीम यूरोपीय लेग में अधिक से अधिक अंक बटोरना चाहेगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा, हम इस बार टीम में थोड़ा और अनुभव चाहते थे और मुझे लगता है कि चयन एकदम सही है। टीम ने अच्छी ट्रेनिंग की है और हम इस बार प्रो लीग जीतने के लक्ष्य से जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा, अब तक हमने कोई मुकाबला ड्रॉ नहीं किया है, लेकिन आगे हमें कोशिश करनी होगी कि अगर जीत नहीं भी मिली तो कम से कम मुकाबले ड्रॉ करके शूटआउट में जाएं ताकि कुछ अंक मिल सकें। हमें पेनाल्टी कॉर्नर कन्वर्ज़न रेट में भी सुधार करना होगा।

यूपी प्री. स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप में ईगल आई अकादमी के निशानेबाजों ने जीते 36 पदक

एजेंसी

प्रयागराज। 25वीं यूपी प्री. स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप में ईगल आई शूटिंग स्पोर्ट्स अकादमी के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 स्वर्ण, नौ रजत एवं 11 कांस्य पदक सहित 36 पदक जीते।यह जानकारी अकादमी के राइफल कोच फरीद उद्दीन एवं पिस्टल कोच विजय चंदेल ने दी। उन्होंने बताया कि सदर बाजार स्थित कैंट जूनियर हाईस्कूल में आयोजित इस चैम्पियनशिप में प्रदेश के 56 जिलों से लगभग 1260 निशानेबाजों ने प्रतिभाग किया। जिसमें ईगल आई अकादमी के पदक विजेता निशानेबाजों ने 30वीं राज्य चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई कर लिया।प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सांसद श्याम सिंह यादव, विशिष्ट अतिथि एसीएल सीडीए पेंशन के आशीष यादव, छावनी परिषद के मुख्य अधिशाषी अधिकारी मो. समीर इस्लाम, यूपीएसआरए के महासचिव

जीएस सिंह, उपाध्यक्ष रामेन्द्र शर्मा, छावनी परिषद के सदस्य विनोद कुमार वाल्मिकी, मोहम्मद दानिश ने विजेताओं को पदक एवं प्रमाण पत्र वितरित किया।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम घोषित

आयुष म्हात्रे कप्तान, वैभव सूर्यवंशी को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर क्रिकेट समिति ने इंग्लैंड दौरे के लिए अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक चलेगा, जिसमें भारत की युवा टीम एक महीने तक इंग्लैंड की धरती पर अपना दमखम दिखाएगी। दौरे में एक 50 ओवर का वॉर्म-अप मैच, पांच युवा वनडे और दो मल्टी-डे मुकाबले खेले जाएंगे।

आयुष म्हात्रे को सौंपी गई कप्तानी

टीम की कमान आयुष म्हात्रे को सौंपी गई है, जबकि अभिज्ञान कुंडू को उपकप्तान और विकेटकीपर की जिम्मेदारी दी गई है। वैभव सूर्यवंशी को मुख्य टीम में शामिल किया गया है, जो हाल के घरेलू प्रदर्शन के आधार पर चयनकर्ताओं की नजर में आए।

जूनियर खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका

यह इंग्लैंड दौरा युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए खुद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर साबित करने का सुनहरा मौका होगा। खासकर कप्तान आयुष म्हात्रे और उपकप्तान अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी।

ये खिलाड़ी करेंगे इंग्लैंड में

भारत का प्रतिनिधित्व

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर एस अम्ब्रीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, हेनिल पटेल, युद्धाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, आदित्य राणा, अंमोलजीत सिंह।

स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूचीः नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी और आलंक्रित रापोले (विकेटकीपर) को स्टैंडबाय खिलाड़ियों के रूप में रखा गया है।

रोरी मैक्लरॉय पहली बार भारत में खेलेंगे, डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में करेंगे शिरकत

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोरी मैक्लरॉय अक्टूबर में दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाले 4 मिलियन डॉलर इनामी डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। यह टूर्नामेंट 16 से 19 अक्टूबर तक आयोजित होगा। रोरी मैक्लरॉय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं हमेशा वैश्विक टूर्नामेंट खेलने का आनंद लेता हूं।

भारत में गोल्फ को आगे बढ़ाने की जबरदस्त संभावनाएं हैं। यह मेरे लिए एक शानदार अवसर है और मैं भारतीय गोल्फ प्रशंसकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित हूं। डीपी वर्ल्ड के मुख्य वित्तीय अधिकारी युवराज नारायण ने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हम दिल्ली को वैश्विक खेल मंच पर प्रदर्शित कर रहे हैं और युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करने के लिए एक मंच बना रहे हैं। रोरी मैक्लरॉय की भागीदारी से न सिर्फ वैश्विक ध्यान आकर्षित होगा, बल्कि भारत को एक प्रमुख गोल्फ गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

मैक्लरॉय ने इस साल अप्रैल में

प्रतिष्ठित ग्रीन जैकेट जीतकर अपना करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। इससे पहले वे 2011 में यूएस ओपन, 2012 और 2014 में यूएस पीजीए चैंपियनशिप और 2014 में द ओपन खिताब अपने नाम कर चुके हैं। डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप 2025 रेस टू दुबई के दूसरे चरण की नौ में से आठवीं प्रतियोगिता होगी। इस चरण के बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे और अंत में नवंबर में दुबई के जुमेराह गोल्फ एस्टेट्स में डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप का आयोजन होगा।

मुंबई ने दिल्ली को 59 रन से हराया, आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बनी

एजेंसी

वानखेड़े। आईपीएल 2025 के 63वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 59 रनों से हरा दिया। इसी जीत के साथ मुंबई आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई। इससे पहले गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया था। इस मैच में सूर्यकुमार यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने सूर्यकुमार यादव की अर्धशतकीय पारी के दम पर पांच विकेट खोकर 180 रन बनाए। जवाब में दिल्ली 18.2 ओवर में सिर्फ 121 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को उसके बल्लेबाजों ने निराश किया। उनके लिए समीर रिजवी ने सर्वाधिक 39 रनों की पारी खेली। इसके अलावा सिर्फ तीन बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू पाए। इनमें केएल राहुल (11), विप्रज निगम (20) और आशुतोष शर्मा (18) शामिल हैं। मुंबई के खिलाफ मैच में टीम के नियमित कप्तान अक्षर पटेल तबीयत खराब होने की वजह से नहीं खेलने उतरे। उनकी जगह फाफ डुप्लेसिस ने दिल्ली का नेतृत्व किया। वह सिर्फ छह रन बना पाए। इसके अलावा अभिषेक पोरेल ने छह, ट्रिस्टन स्टब्स ने दो, माधव तिवारी ने तीन, कुलदीप यादव ने सात रन बनाए। वहीं, मुस्तफिजुर रहमान खाता भी नहीं खोल पाए जबकि दुष्मंथा चमीरा आठ रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह और मिचेल सैंटनर ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, विल जैक्स और कर्ण शर्मा ने एक-एक सफलता अपने नाम की। इससे पहले, मुंबई की शुरुआत खराब हुई थी। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा सिर्फ पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विल जैक्स और रेयान रिकेल्टन ने मोर्चा संभालने की कोशिश की, लेकिन जैक्स 13 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हो गए जबकि रिकेल्टन 25 रन बना पाए। तिलक वर्मा ने 27 और हार्दिक पांड्या ने तीन रन बनाए। वहीं, सूर्यकुमार यादव ने 43 गेंदों में सात चौके और छह गगनचुंबी छक्कों की मदद से 73 रनों की नाबाद पारी खेली।

इसके अलावा नमन धीर ने आठ गेंदों में दो चौके और इतने ही छक्के की मदद से 24 रन बनाए और नाबाद रहे। आखिरी 12 गेंदों में सूर्यकुमार यादव और नमन धीर ने 48 रन झटके। दिल्ली के लिए मुकेश कुमार ने दो विकेट लिए, जबकि दुष्मंथा चमीरा, मुस्तफिजुर रहमान और कुलदीप यादव को एक-एक सफलता मिली।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025: हरियाणा और दिल्ली ने मणिपुर को हराकर सेपक टकरा टीम वर्ग का जीता स्वर्ण

एजेंसी

दीव। हरियाणा और दिल्ली ने खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में क्रमशः महिला और पुरुष ट्रीयो टीम फाइनल में पारंपरिक सेपक टकरा की ताकतवर मणिपुर को हराकर स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं के फाइनल में हरियाणा ने अनुभवी मणिपुर की टीम के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। मणिपुर को भारत में सेपक टकरा का गढ़ माना जाता है। कप्तान 20 वर्षीय मोनिका की अगुवाई में हरियाणा की महिला सेपक टकरा टीम ने शीर्ष सम्मान हासिल करने के लिए उत्साह और युवा जोश से भरपूर प्रदर्शन किया। मैच के बाद मोनिका ने कहा, टीम के लिए यह जीत हासिल करना और स्वर्ण पदक जीतना मुझे बहुत खुशी है। हमें पता था कि वे मजबूत हैं, लेकिन हमने अपना दबदबा नहीं खोया। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय चरखी दादरी, भिवानी और रोहतक जैसे शहरों में की गई कड़ी आउटडोर प्रैक्टिस को दिया। उन्होंने कहा, हम आउटडोर ग्राउंड पर ट्रेनिंग करते हैं, जिससे हमें बीच की सतह के हिसाब से ढलने में मदद मिली। यह प्लेटफॉर्म हमें काफी बढ़ावा देगा। पुरुष वर्ग में दिल्ली ने रोमांचक फाइनल में मणिपुर को 2-1 से हराया। दिल्ली टीम के कप्तान 35 वर्षीय संदीप कुमार ने बताया कि अचानक परिस्थितियों में आए बदलाव ने कैसे अहम भूमिका निभाई। राष्ट्रीय राजधानी में यमुना नदी के किनारे मजनू का टीला के पास टीम के साथ अभ्यास करने वाले संदीप ने कहा, बारिश से पहले हम पहला रेगुलेशन हार गए थे, लेकिन मौसम हमारे पक्ष में हो गया।

सऊदी प्रो लीग 2024-25: रोनाल्डो और ड्यूरान के गोल से अल नासर ने अल खलीज को 2-0 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। सऊदी प्रो लीग 2024-25 में खेले गए मुकाबले में अल नासर ने अल खलीज को 2-0 से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम 33 मैचों में 67 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। अल नासर के लिए यह गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और जॉन ड्यूरान ने किए।

पहले हाफ में अल नासर ने आक्रामक शुरुआत की, लेकिन अंतिम क्षणों में फिनिशिंग की कमी के चलते स्कोर खाता नहीं खुल सका। रोनाल्डो को दो बार गोल करने का मौका मिला, लेकिन वह गेंद को जाल में नहीं पहुंचा सके। कोच स्टेफानो पियोली की टीम आक्रमण में थोड़ी धीमी नजर आई।

दूसरे हाफ में बदला खेल का रुखः दूसरे हाफ में अल नासर ने पूरी आक्रामकता के साथ शुरुआत की। 47वें मिनट में रोनाल्डो को

कटबैक पर गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन उनका शॉट बार के ऊपर चला गया। इसके बाद 63वें मिनट में अल नासर को पेनल्टी मिली, लेकिन रोनाल्डो ने वह मौका भी चूक दिया।

ड्यूरान ने दिलाई बढ़त

लगातार मौके गंवाने के बाद आखिरकार 75वें मिनट में जॉन ड्यूरान ने सादियो माने के क्रॉस पर बेहतरीन हेडर के जरिए गोल कर अल नासर को 1-0 की बढ़त दिला दी।

स्टॉपेज टाइम में रोनाल्डो ने खोला खाताःमैच के अंतिम क्षणों में ऐसा लग रहा था कि रोनाल्डो बिना गोल किए ही मैच समाप्त करेंगे, लेकिन स्टॉपेज टाइम में उन्हें एक और पेनल्टी मिली जब खलीज के गोलकीपर ओजैबी राएद ने उन्हें बॉक्स में गिरा दिया। वीएआर पुष्टि के बाद रोनाल्डो ने इस बार कोई गलती नहीं की और पेनल्टी को गोल में बदलकर अल नासर को 2-0 से जीत दिला दी। यह जीत अल नासर के लिए सीजन के अंतिम चरण में मनोबल बढ़ाने वाली रही, जबकि रोनाल्डो ने भी आखिरकार गोल के साथ मैच खत्म किया।

आयरलैंड ने वेस्टइंडीज को 124 रनों से हराया

डबलिन। एंडी बैलबर्नी (112) की शतकीय , कप्तान पॉल स्टर्लिंग (54) और हैरी टेक्टर (56) की अर्धशतकीय पारियों के बाद बैरी मक्कार्थी (चार विकेट) और जॉर्ज डॉकरेल (तीन) विकेट के शानदार प्रदर्शन की बदौलत आयरलैंड ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 34.1 ओवर में 179 रन पर ढ़ेर कर मैच को 124 रनों से जीत लिया। आयरलैंड की वेस्टइंडीज पर यह जीत एक बड़ी उपलब्धि है। 304 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 9.4 ओवर में 31 रन पर अपने पांच विकेट गवां दिये। आलम यह था कि आयरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज नौसिखए की तरह एक-एक कर पवेलियन लौटते चले गये। वेस्टइंडीज का पहला विकेट एविन लुइस (दो) रनआउट के रूप में गिरा।

हांसी फ्लिक ने बढ़ाया बार्सिलोना के साथ करार, 2027 तक बने रहेंगे कोच

एजेंसी

बार्सिलोना। स्पेनिश फुटबॉल क्लब एफसी बार्सिलोना ने अपने कोच हांसी फ्लिक के साथ करार को जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। जर्मन कोच हांसी फ्लिक ने बार्सिलोना के साथ अपने पहले ही सीजन में ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप जीतकर घरेलू ट्रेबल हासिल किया। उनके इस प्रदर्शन ने प्रशंसकों और क्लब प्रबंधन दोनों को प्रभावित किया है।

फ्लिक ने जावी हर्नांडेज़ की जगह बार्सिलोना की कमान संभाली थी, जब टीम पिछले सीजन एक भी ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही थी। शुरुआती करार 2026 तक का था, जिसे अब एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। फ्लिक की कोचिंग में बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग में भी शानदार प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, जहां टीम को इंटर मिलान से कड़े मुकाबले में हार मिली। ला लीगा में बार्सिलोना अब तक 37 मैचों में 99 गोल कर चुका है और खिताब पहले ही अपने नाम कर चुका है। टीम रविवार को सीजन का अंतिम मुकाबला एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ खेलेगी। बार्सिलोना के बयान में कहा गया ,बार्सिलोना और हांसी फ्लिक के बीच करार का नवीनीकरण हो गया है, जो अब उन्हें 30 जून 2027 तक क्लब से जोड़े

रखेगा। फ्लिक की यह सफलता बार्सिलोना के लिए एक नई उम्मीद और स्थिरता का संकेत है, जो आने वाले सीजनों में यूरोपीय फुटबॉल पर दबदबा कायम करने की ओर इशारा करती है।

यूरोपा लीग 2024-25: टोटनहैम हॉटस्पर ने 17 साल बाद जीता खिताब, चैंपियंस लीग में भी मिली जगह

एजेंसी

बिलबाओ। टोटनहैम हॉटस्पर ने रात यूरोपा लीग 2024-25 के फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराकर 17 साल के खिताबी सूखे को समाप्त कर दिया। ब्रेनेन जॉनसन के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत टोटनहैम ने यह मुकाबला जीता और साथ ही अगले सीजन की चैंपियंस लीग में भी अपनी जगह पक्की कर ली। यह टोटनहैम का 2008 लीग कप के बाद पहला खिताब है और 1984 के बाद पहली यूरोपीय ट्रॉफी। खास बात यह रही कि इस सीजन में टोटनहैम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को चार बार हराया है और यह इतिहास में पहली बार हुआ जब उसने एक ही सीजन में यूनाइटेड के खिलाफ चारों मुकाबले जीते हों।

जॉनसन का गोल बना निर्णायक, डिफेंस में चूक से मिला मौका

42वें मिनट में टोटनहैम को वह मौका मिला जिसने मुकाबले की दिशा तय कर दी। पेपे सार के क्रॉस पर यूनाइटेड का डिफेंस बिखर गया, वहीं गोलकीपर आंद्रे ओनाना गोललाइन पर जमे रह गए। जॉनसन और ल्यूक शॉ दोनों गेंद तक पहुंचे और गेंद दोनों से लगकर नेट में चली गई।

यूनाइटेड को बराबरी का मौका नहीं मिला, वैन डी वेन की शानदार क्लियरेंस

दूसरे हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड के पास बराबरी का शानदार मौका था, जब रस्मुस होयलुंड का हेडर गोल की ओर जा रहा था, लेकिन मिकी वैन डी वेन ने लाइन पर शानदार क्लियरेंस कर दी। अंतिम क्षणों में भी ल्यूक शॉ का हेडर गोलकीपर विकारियो ने डाइव लगाकर बचा लिया।

जॉनसन बोले - 17 साल का इंतजार खत्म, अब कोई शिकायत नहीं

मैच के बाद ब्रेनेन जॉनसन ने कहा, इस सीजन में कुछ खास नहीं रहा, लेकिन आज कोई फर्क नहीं पड़ता। क्लब ने 17 साल से कोई ट्रॉफी नहीं जीती थी। यह जीत बहुत

मायने रखती है। फैन्स हमें और टीम को ताने देते हैं, लेकिन हमें यह पहला कदम लेना था। बहुत खुश हूं।

कोच पोस्टेकोग्लू को मिली राहत, क्लब के भविष्य पर टिकी निगाहेंः इस जीत के साथ ही टोटनहैम के कोच एंज पोस्टेकोग्लू के लिए यह एक बड़ी राहत लेकर आई है। खराब प्रीमियर लीग सीजन के बावजूद यह जीत उनके भविष्य को सुरक्षित करने में मदद कर सकती है। लीग में 21 हार झेल चुकी टीम के लिए यह खिताब उम्मीद की नई किरण साबित हुआ है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए निराशाजनक सीजन, यूरोपीय फुटबॉल से बाहर होने का खतरा

दूसरी ओर, मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए यह हार इस सीजन की गहरी निराशा का हिस्सा बन गई है। प्रीमियर लीग में भी टीम 16वें स्थान पर है और अब अगले सीजन में यूरोपीय फुटबॉल से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। कोच रूबेन अमोरिम के सामने टीम को फिर से खड़ा करने की बड़ी चुनौती होगी।

टोटनहैम की ऐतिहासिक जीत, 41 साल बाद यूरोप में चखा जीत का स्वादः बिलबाओ की गर्म रात में जब टोटनहैम के खिलाड़ी और फैंस जश्न मना रहे थे, तो यह सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं थी, बल्कि 41 साल की यूरोपीय प्रतीक्षा का अंत था। क्लब और उसके समर्थकों के लिए यह जीत एक नई शुरुआत की तरह है।

शादी के 6 महीने बाद 'नागिन' एक्ट्रेस

सुरभि ज्योति

ने खोला बड़ा राज, बताई पति से 'अलग' रहने की वजह

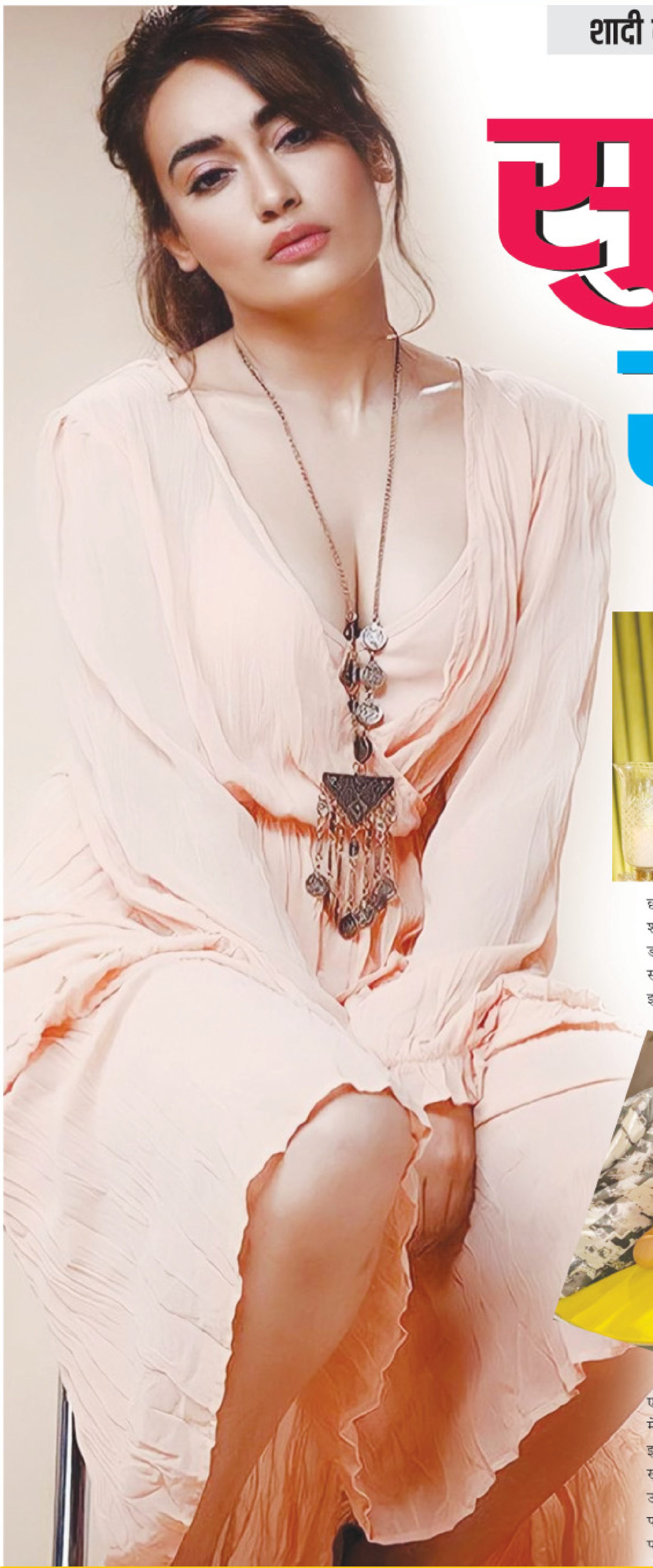

छोटे पर्दे की मशहूर 'नागिन' और 'कुबूल है' फेम एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने उनके फैन्स को सकते में डाल दिया है. शादी के महज़ 6 महीने बाद ही सुरभि ने बताया है कि वो अपने पति सुमित सूरी से 'अलग' रह रही हैं. ये खबर सुनकर हर कोई हैरान है. उन्हें लग रहा है कि आखिर इस कपल के बीच क्या खटपट चल रही है? लेकिन सुरभि ने अलग रहने के पीछे जो वजह बताई है, वो और भी ज्यादा चौंकाने वाली है.सुरभि ज्योति ने हाल ही एक मीडिया पोर्टल से की बातचीत में खुलासा किया कि वो और सुमित सूरी एक ही घर में रहते हुए भी 'अलग-अलग' रह रहे हैं. ये सुनकर हर कोई अटकलें लगाने लगा था कि क्या उनके रिश्ते में कोई दरार आ गई है, लेकिन सुरभि ने इन सारी अटकलों पर विराम लगाते हुए पूरी बात साफ की. उन्होंने बताया कि दरअसल, ये सब उनके नए शो के लिए किया जा रहा है.

रियल लाइफ में खुशहाल है रिश्ता

जी हां, सुरभि ज्योति और सुमित सूरी जल्द ही एक नए शो में नज़र आने वाले हैं, जिसका नाम है 'एक ही घर से'. इस शो में वे दोनों पति-पत्नी की भूमिका निभा रहे हैं और इस शो की कहानी ही 'एक ही घर में अलग-अलग रहने' के कॉन्सेप्ट पर आधारित है. सुरभि ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा कि वे इस शो में इतनी अच्छी एक्टिंग कर रहे हैं कि लोगों को सच में लगने लगा कि उनकी शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें आ गई हैं.

इस दौरान सुरभि ज्योति ने साफ किया कि असल जिंदगी में वह और सुमित सूरी बेहद खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जी रहे हैं. उनके बीच कोई खटपट या झगड़ा नहीं है. ये सिर्फ उनके नए प्रोजेक्ट का एक हिस्सा है, जिसके जरिए वे दर्शकों तक एक अनोखी कहानी पहुंचाना चाहते हैं. उन्होंने अपने फैन्स से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और उनके रिश्ते को लेकर चिंता न करें.

आम के बगीचे में इठला रही थीं भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी, पवन सिंह से रहा नहीं गया, बोले- मेरी प्यारी...

भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'हम हईं जेठानी' की शूटिंग में बिजी हैं. लेकिन फिल्म के शूट के बीच में जब भी उन्हें मौका मिलता है तो उनकी मस्ती शुरू हो जाती है. ऐसा ही एक वीडियो सामने आया है, जिसमें आम के बगीचे में एक्ट्रेस इठलाती नजर आई.रानी चटर्जी भोजपुरी सिनेमा की मोस्ट पॉपुलर एक्ट्रेस हैं और उनके लाखों फोलवोर्स उनके वीडियो या किसी भी पोस्ट को पसंद करते हैं. इस बार उन्होंने आम के बगीचे से एक वीडियो शेयर किया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं.

आम के बगीचे में रानी चटर्जी ने बनाया वीडियो

रानी चटर्जी ने एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था. इस वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'कहे मुझे ओरी ओरी सुन तो जरा.' इसके साथ उन्होंने प्यारी चुनमुन नाम को हैशटैग भी दिया, जो बैकग्राउंड में बनने वाले गाने के बोल हैं. ये गाना सुपरहिट फिल्म विरासत का है, जिसे अनिल कपूर और तब्बू पर फिल्माया गया था.

वीडियो में आप देख सकते हैं कि आम के बगीचे में रानी चटर्जी तेज हवा के साथ डांस करती दिख रहीं. वो इस गाने के बोल पर मूव्स कर रही हैं और वो इस समय को काफी एन्जॉय भी कर रही हैं. रानी चटर्जी के इस वीडियो पर फैंस ने कमेंट बॉक्स में जमकर हार्ट इमोजी शेयर की है.वहीं इस पोस्ट के कमेंट बॉक्स में सुपरस्टार पवन सिंह ने लिखा, 'मेरी प्यारी दोस्त' और एक्ट्रेस रिंकू घोष ने लिखा, 'हवा बस अहसास बढ़ा रही है और आप बहुत सुंदर लग रही हैं.' इस तरह से दूसरे फैंस भी रानी चटर्जी की तारीफ में कुछ न कुछ कमेंट में लिख रहे हैं, जो बताता है कि रानी भोजपुरी इंडस्ट्री में कितनी फेमस हैं और लोग उनके काम को पसंद करते हैं.

रानी चटर्जी की आने वाली फिल्म

लगभग 5 दिन पहले एक्टर अयाज खान ने एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें वो रानी चटर्जी के साथ क्लैप बोर्ड हाथ में लिए नजर आए थे. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, 'मैंने और रानी जी बहुत सी फिल्में साथ में की हैं, लेकिन पहली बार मैं उनका हीरो बना हूं, कुछ अलग देखने को मिलेगा आप सबको,रानी जी की जितनी तारीफ करूं कम है.'

'नल्ले डॉन' को जब सलमान खान ने कुत्ता बनाने की दी धमकी, मच गया था तहलका... इस बात पर आग बबूला हो गए थे भाईजान

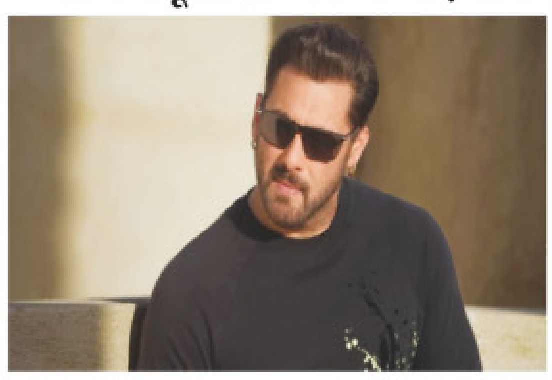

बॉलीवुड स्टार सलमान खान साल 2010 से बिग बॉस होस्ट करते आ रहे हैं और आज भी वो ही इसे होस्ट करते हैं. इस शो में वीकेंड का वार में जब सलमान खान की क्लास लेने आते हैं तो उनके गुस्से का शिकार कई कंटेस्टेंट्स हो चुके हैं. जिस वाक्ये की बात हम करने जा रहे हैं वो 'बिग बॉस 11' का है और उस सीजन में सलमान के गुस्से का शिकार जुबैर खान हुए थे.'बिग बॉस 11' में जुबैर खान ने दूसरे कंटेस्टेंट अर्शी खान के साथ बद्तमीजी कर दी थी जिसपर सलमान काफी गुस्सा हुए थे और उन्होंने गुस्से में जुबैर को बहुत कुछ कह दिया था. आइए आपको उस एपिसोड के बारे में बताते हैं.

सलमान खान ने किया था जुबैर खान पर गुस्सा

'बिग बॉस 11' में जुबैर खान ने दूसरी कंटेस्टेंट अर्शी खान के साथ गलत व्यवहार कर दिया था. महिलाओं के साथ उनका जो रवैया था उसपर सलमान खान भड़क गए थे. उन्होंने गुस्से में कुत्ता बनाने की भी धमकी दे दी थी. सलमान का वैसा गुस्सा सालों बाद देखा गया था और अभी तक उन्हें वैसा गुस्सा नहीं आया लेकिन उस बात पर बाद में जुबैर को माफी मांगनी पड़ी थी. वीकेंड का वार में सलमान खान सभी कंटेस्टेंट के सामने जुबैर खान के ऊपर भड़के थे.

उन्होंने कहा था, 'आ रहा हूं, बेटे मैं तेरे पास ही आ रहा हूं. कसम खुदा की तेरे को कुत्ता नहीं बना दिया तो मेरा नाम सलमान खान नहीं.' सलमान के गुस्सा करने के बाद जुबैर ने अपने गलत बिहेवियर के लिए माफी मांगी थी. जिसके बाद सलमान ने कहा था, 'भाई, नल्ले डॉन, दिखाता हूं तेरे को मैं अब क्या करता हूं. चुप बैठ और बैठ वहां पर, आ रहा हूं तेरे पास'इसके आगे सलमान ने जुबैर को उनका बयान याद दिलाते हुए कहा था, 'टू रूपीज की औरत? तू क्या है बे? मैं अपनी औकात पे आऊंजा तो बता दूंगा कि तुम्हारी औकात क्या है.' उस दिन सलमान खान का गुस्सा पहली बार ऐसा देखा गया था और सभी कंटेस्टेंट्स डर भी गए थे.

कौन हैं जुबैर खान?

37 साल के जुबैर खान डायरेक्टर-प्रोड्यूसर हैं जिन्होंने दो फिल्में बनाईं जो फ्लॉप रहीं. वहीं जुबैर फिल्मों से ज्यादा कॉन्ट्रोवर्सी में ज्यादा रहे लेकिन ये सबसे ज्यादा चर्चा में तब आए जब 'बिग बॉस 11' में इनकी एंट्री हुई. वीकेंड का वार में अक्सर इनकी क्लास सलमान खान लगाते थे लेकिन एक बार जब उन्होंने जुबैर को जमकर क्लास लगाई थी उसके बाद इनकी चर्चा हर तरफ हुई और सोशल मीडिया पर भी इन्हें ट्रोल कर दिया गया था.

वो चूहे जितना बड़ा था...

अनन्या पांडे

का भाई वक्त से 42 दिन पहले पैदा हुआ, मां ने खोला राज़

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अक्सर चर्चा में रहती हैं. हालांकि, इन दिनों उनके चचेरे भाई अहान पांडे को लेकर भी काफी खबर सामने आ रही हैं. दरअसल, जल्द ही अहान वाईआरएफ की फिल्म सैयारा से अपने करियर की शुरुआत करने वाले हैं. इसी बीच अहान की मां जिएन और बहन अलाना पांडे ने लोगों के बीच अहान के पैदाइश के वक्त होने वाली परेशानियों के बारे में खुलासा किया है. उन्होंने बताया है कि अहान पैदा होने के तुरंत बाद एनआईसीयू में ले जाया गया था.

अहाना चंकी पांडे के भतीजे हैं, वो चिक्की पांडे और डीन पांडे के बेटे हैं. हाल ही में अलाना और उनकी मां ने एक ब्लॉग के जरिए अहाना की कहानी सबसे शेयर की है. उन्होंने बताया कि अहान प्रीमेच्योर बच्चा था, जो कि जन्म की तारीख से 42 दिन पहले ही पैदा हो गया था. उनकी मां ने उस वक्त को याद करते हुए कहा, अहान इतना छोटा सा था कि वो एक चूहे की तरह लग रहा था. जन्म के बाद अहान को थर्माकोल के बॉक्स में रखा गया था.

42 दिन पहले हुआ जन्म

अहान के बारे में शेयर करते हुए उनकी मां ने बताया कि 42 दिन पहले ही उनको अस्पताल में भर्ती करना पड़ गया था. जन्म की तारीख पूरी होने से पहले ही वॉटर ब्रोक हो जाने की वजह से उनका पूरा परिवार काफी परेशान हो गया था. डिएन ने शेयर करते हुए बताया कि अस्पताल पहुंचते ही उनका इमरजेंसी सी-सेक्शन डिलीवरी करनी पड़ी, क्योंकि अहान की हालत काफी खराब हो चुकी थी. डॉक्टर ने बताया था कि वह अपने हेयरलाइन फ्रैक्चर के साथ पैदा हुआ है.

एनआईसीयू में ट्रांसफर

डिएन ने बताया कि डिलीवरी के बाद डॉक्टर अहान को तुरंत उनके पास से लेकर चले गए और उसे एनआईसीयू में ट्रांसफर कर दिया गया. उस वक्त की स्थिति को बताते हुए कहा, उसे कपड़े में लपेटा गया, उस बॉक्स में रखा गया. मुझे कुछ समय के लिए उससे दूर रखा गया, लेकिन मैंने दर्द में होने के बावजूद डॉक्टरों से अहान के पास ले जाने की भीख मांगी.

अहान पांडे वाईआरएफ की फिल्म 'सैयारा' से अपने करियर की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. ये फिल्म 18 जुलाई, 2025 को सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज होने वाली है.